CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

तापमान अधिकतम :33°C न्यूनतम: 20°C
सेंसेक्स 79,454.47 निफ्टी 24,008.00
सोना 99,495 चांदी 99,000

देहरादून, सोमवार 12 मई 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 279 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख शुक्ल पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2082 13 ज़ीक़ादा 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

आतंकी ढांचे पर कार्रवाई जरूरी थी: डोभाल

नई दिल्ली/बीजिंग। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शनिवार रात चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य एवं विदेश मंत्री वांग ई से टेलीफोन पर बात की और कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकी ढांचे पर कार्रवाई करना जरूरी थी, लेकिन युद्ध करना भारत का चयन नहीं है। सूत्रों के अनुसार श्री डोभाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बड़ी संख्या में भारतीय हताहत हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत को आतंकवाद विरोधी कार्रवाई करने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि युद्ध भारतीय पक्ष का चुनाव नहीं है और यह दोनों पक्षों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने की पहल की है और भारत ने इसे स्वीकार किया है। उम्मीद है कि जल्द से जल्द क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बहाल होगी।

जनरल द्विवेदी ने सैन्य कमांडरों के साथ स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तानी सेनाओं द्वारा शनिवार रात को संघर्ष विराम और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के मद्देनजर पश्चिमी सीमाओं के सेना कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। सेना ने रविवार को बताया कि सेना प्रमुख ने दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए शनिवार को बनी सहमति के किसी भी उल्लंघन पर क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई के लिए सेना कमांडरों को पूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं। उन्होंने सैन्य कमांडरों को पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए भी कहा है। पाकिस्तान सेना ने शनिवार शाम दोनों देशों की सेनाओं के बीच बनी सहमति के बावजूद जम्मू-कश्मीर, गुजरात और अन्य क्षेत्रों में भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की।

अमृतसर हाई अलर्ट पर, जालंधर में स्थिति सामान्य

जालंधर। पाकिस्तान के संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के पश्चात पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियों को देखते हुए पंजाब के जिला अमृतसर को हाई अलर्ट पर रखा गया है, जबकि जालंधर को छोड़ कर बाकि अधिकांश जिलों में ब्लैकआउट रहा। अमृतसर के उपायुक्त द्वारा सुबह 5.24 बजे जारी एक बयान में कहा कि शहर अभी भी 'हाई अलर्ट' पर है। उन्होंने कहा कि हमने आपकी सुविधा के लिए बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है, लेकिन हम अभी भी हाई अलर्ट पर हैं। अब सायरन बजेगा, जो इस अलर्ट का संकेत देगा। कृपया अपने घर से बाहर न निकलें, घर के अंदर रहें और खिड़की से दूर रहें। उन्होंने कहा कि घबराए नहीं और निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि 'जब हमें हरी झंडी मिलेगी, तो हम आपको सूचित करेंगे। कृपया अनुपालन सुनिश्चित करें और घबराएं नहीं'। इससे पहले, सुबह करीब 4:39 बजे उन्होंने लोगों को लाइट बंद रखने और खिड़कियों, बालकनियों, सड़कों और छतों से दूर रहने की सलाह दी थी।

परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा ईरान

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

16 मई से फिर शुरू हो सकता है आईपीएल

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

अभी खत्म नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूर

गोली का जवाब गोले से देंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

पीएम मोदी का सेना को सख्त निर्देश, अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा।

वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे नए सामान्य की तरह स्वीकार करना होगा। सूत्रों का कहना है कि, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डीजीएमओ के बीच संपर्क हुआ है, ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है, अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा। और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है। यह ऑपरेशन भारत की तरफ से आतंकवाद के खिलाफ शुरू की गई एक बड़ी सैन्य मुहिम है। इसका मकसद न सिर्फ सीमा पार आतंकियों के ठिकानों को तबाह करना है, बल्कि पाकिस्तान को यह संदेश देना भी है कि अब भारत हर हमले का जवाब तुरंत और तगड़ा देगा।

पीओके की वापसी ही एकमात्र मुद्दा, कश्मीर पर क्लीयर मैसेज

नई दिल्ली। सीजफायर के बाद पीओके को लेकर भारत ने बड़ा बयान दिया है। सूत्रों के मुताबिक, भारत ने कहा है कि कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। अब केवल एक ही मुद्दा बचा है। पीआके को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। हम किसी और विषय पर बात नहीं करना चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

रावलपिंडी ने सुनी भारतीय सेना की धमक

शाह टाइम्स ब्यूरो

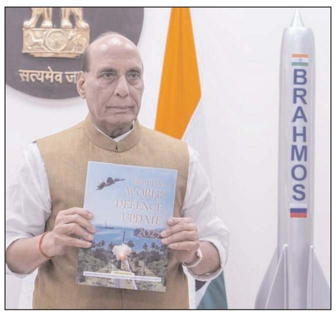

ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई ही नहीं, आतंक से लड़ने को भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक थी: रक्षा मंत्री

उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर दुनिया की सबसे विध्वंसक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के उत्पादन इकाई का शुभारंभ

लखनऊ। उप्र की राजधानी लखनऊ रविवार को रक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनी। यहां उप्र डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर दुनिया की सबसे विध्वंसक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के उत्पादन इकाई का शुभारंभ हुआ। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह डिजिटल माध्यम से दिल्ली से जुड़े।

उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ इस परियोजना का उद्घाटन किया। यह कदम रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत और भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनावपूर्ण हालात में सामरिक शक्ति को नई धार देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी। बल्कि, आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक थी। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारतीय सेना ने उन आतंकवादियों को सजा दी, जिन्होंने कई परिवारों के सिंदूर को मिटा दिया। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए सात मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। पाकिस्तानी हमलों के बाद -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रह्मोस की मारक क्षमता 290 -400 किमी और गति मैक 2.8, ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना

लखनऊ। लखनऊ नोड पर स्थापित ब्रह्मोस प्रोडक्शन यूनिट 300 करोड़ रुपये से तैयार की गई है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने 80 हेक्टेयर जमीन नि:शुल्क उपलब्ध कराई थी। इसका निर्माण मात्र साढ़े तीन वर्षों में पूरा हुआ। ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उद्यम का परिणाम है। इसकी मारक क्षमता 290-400 किलोमीटर और गति मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) है। यह मिसाइल जमीन, हवा, और समुद्र से लॉन्च की जा सकती है। यह 'फायर एंड फॉरगेट' सिद्धांत पर काम करती है। इससे यह दुश्मन के रडार से बचकर सटीक निशाना लगा सकती है।

सीजफायर के बाद मोदी ने दो घंटे तक की हाईलेवल मीटिंग

डोभाल समेत तीनों सेना प्रमुख रहे मौजूद

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद हालात नॉर्मल है। इस बीच दिल्ली में बैठकों का दौर भी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की है।

पीएम की अध्यक्षता वाली ये बैठक करीब 2 घंटे तक चली, जिसमें नेताओं से हर क्षेत्र के मौजूदा हालात की रिपोर्ट ली गई। इसके अलावा शनिवार रात हुए सीजफायर उल्लंघन पर भी चर्चा की गई है। भारत-पाकिस्तान सीजफायर के बाद ये पहली बड़ी बैठक है, जिसमें तीनों सेनाओं के प्रमुख और सीडीएस शामिल हुए। इसमें मौजूदा हालात और आगे की कार्रवाई के बारे में चर्चा की गई है। इसी मीटिंग के दौरान एयरफोर्स ने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार बैठक कर रहे हैं। इसके साथ ही कई दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और सेना के तीनों अंगों के प्रमुख शामिल हुए।

ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकी व 35-40 पाकिस्तानी सैनिक भी मरे

शाह टाइम्स ब्यूरो

बॉर्डर व एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में पांच भारतीय जवान हुए शहीद

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद रविवार शाम को तीनों सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

इस दौरान डीजीएमओ राजीव घई ने कई बातें कहीं। घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य आतंक का खात्मा था। हमने आतंकियों के ठिकानों पर वार किया। 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। बहावलपुर और मुरीदके हमारे टारगेट पर थे। सेना ने सिर्फ आतंकी ठिकानों पर टारगेट किया। डीजीएमओ राजीव घई ने कहा कि 8-9 मई की रात को पाकिस्तान ने सीमाओं के पार हमारे हवाई क्षेत्र में ड्रोन और विमान उड़ाए। हमने पाक के सभी ड्रोन मार गिराए। पाकिस्तान ने सीजफायर का वादा तोड़ा। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

पाक स्थित हैंडलर को सेना की संवेदनशील जानकारी लीक

चंडीगढ़, वार्ता

पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

पंजाब में मलेरकोटला पुलिस ने भारतीय सेना की गतिविधियों के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान स्थित हैंडलर को लीक करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि नई दिल्ली स्थित उच्चायोग में तैनात एक पाकिस्तानी अधिकारी से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पहले विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, एक संदिग्ध को भारतीय सेना की गतिविधियों के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान स्थित हैंडलर को लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा किए गए खुलासे के आधार पर, एक दूसरे माध्यम की भी पहचान की गई और उसे हिरासत में ले लिया गया। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आरोपी गोपनीय जानकारी के बदले ऑनलाइन लेनदेन के माध्यम से भुगतान प्राप्त कर रहे थे। वे हैंडलर के साथ लगातार संपर्क में थे और उसके निर्देशों के अनुसार अन्य स्थानीय गुर्गों को धन मुहैया कराने में शामिल थे। उनके पास से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।यह ऑपरेशन सीमा पार जासूसी नेटवर्क को खत्म करने में एक महत्वपूर्ण कदम है और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। डीजीपी यादव ने कहा कि इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर वित्तीय लेनदेन और नेटवर्क के भीतर अतिरिक्त गुर्गों और संबंधों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार आगे की जांच की जाएगी।

पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर एयरबेस पर संघर्ष विराम की घोषणा से कुछ समय पहले एक पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से एक जवान शहीद हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि ड्यूटी पर तैनात एक राजस्थानी जवान शनिवार को उधमपुर स्थित एयर बेस पर आर्मी एयर डिफेंस की ओर से सफलतापूर्वक रोके गए पाकिस्तानी ड्रोन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम की घोषणा से कुछ घंटे पहले हुई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झुंझुनू निवासी सुरेंद्र सिंह मोगा के रूप में शहीद हुए जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

खड़गे व राहुल ने की संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी को ऑपरेशन सिंदूर से पहले एवं उसके बाद की स्थिति पर विचार के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है।

श्री खड़गे ने प्रधानमंत्री को रविवार को लिखे पत्र में कहा है कि वह पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा के लिए संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने के विपक्ष के सर्वसम्मत अनुरोध को दोहरा रहे हैं। उनका कहना था कि संसद में इस बात पर भी चर्चा होगी कि पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी ने सूबेदार मेजर पवन कुमार की शहादत पर जताया शोक

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तान के साथ गोलाबारी में सूबेदार मेजर पवन कुमार के शहीद होने पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री गांधी ने कहा कि पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध के दौरान 10 मई को जम्मू कश्मीर के पुंछ में सूबेदार मेजर पवन कुमार जी का वीर गति को प्राप्त होना अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में शहीद के सभी शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। पूरे देश को पवन कुमार जी की देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान पर गर्व है।

वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर में मिले मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने रविवार को जोर देकर कहा कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे सौंपे गए कार्यों को सटीकता और व्यावसायिकता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। विशेष रूप से सोशल मीडिया में चल रही अटकलबाजियों और अफवाहें के मद्देनजर वायुसेना ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि यह ऑपरेशन राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सोच-समझकर और विवेकपूर्ण तरीके से संचालित किया गया। सेना ने कहा कि चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए समय आने पर इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। वायुसेना ने सभी से अपील की है कि वह अटकलबाजी और अफवाहों से बचें और असत्यापित जानकारी का प्रसार न करें। इस ऑपरेशन के दौरान वायुसेना के प्लेटफॉर्म और उसके पायलटों के संबंध में अलग-अलग तरह की विवादास्पद जानकारियां साझा की जा रही है।

कश्मीर मुद्दे का हल निकालने को करूंगा काम: ट्रम्प

भारत-पाक के बीच हुए सीजफायर का श्रेय लेने में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का श्रेय लेने में जुट गए हैं। पहले उन्होंने बीते दिन शाम पांच बजकर 37 मिनट पर दोनों देशों के बीच सीजफायर का दावा किया। इसके बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री और भारत के विदेश सचिव ने इसे लेकर आधिकारिक ऐलान किया। हालांकि भारत ने साफ किया कि यह समझौता दोनों देशों के बीच हुआ है, इसमें किसी तीसरे पक्ष का दखल नहीं है।

ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि मुझे भारत और पाकिस्तान के मजबूत और अडिग नेतृत्व पर बहुत गर्व है, क्योंकि उनके पास यह जानने और समझने की शक्ति, बुद्धि और धैर्य है कि वर्तमान संघर्ष को रोकने का समय आ गया है, जो कई लोगों की मौत और विनाश का कारण बन सकता था। लाखों अच्छे और निर्दोष लोग मारे जा सकते थे। आपकी विरासत आपके बहादुर काम से बहुत बढ़ गई है। मुझे गर्व है कि अमेरिका ने आपको इस ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण निर्णय पर पहुंचाने में मदद की। अभी चर्चा नहीं हुई है, लेकिन मैं इन दोनों महान देशों के साथ व्यापार को काफी हद तक बढ़ाने जा रहा हूं। इसके अलावा मैं आप दोनों के साथ मिलकर यह देखने के लिए काम करूंगा कि क्या हजार साल के बाद कश्मीर के संबंध में कोई समाधान निकाला जा सकता है। भगवान भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को अच्छी तरह से किए गए काम के लिए आशीर्वाद दे। बीते दिन संघर्ष विराम की पहली सूचना ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में दी। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा था कि बीते 48 घंटे में उनकी पीएम नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ, एस. जयशंकर, पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर और दोनों देशों के एनएसए से बातचीत हुई है।

संघर्ष विराम के चलते नियंत्रण रेखा पर जनजीवन सामान्य

श्रीनगर। कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, क्योंकि रविवार को एक पखवाड़े से अधिक समय में पहली बार नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर किसी भी सेक्टर से गोलीबारी की कोई खबर नहीं आई। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार शाम को संघर्ष विराम पर सहमति जताई, जिससे कई दिनों से सीमा पार से हो रही भीषण गोलाबारी खत्म हो गई, जिसके कारण हजारों निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में पलायन करना पड़ा था। बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा पर कई गांवों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। अधिकारियों ने पुष्टि की कि कश्मीर क्षेत्र में 350 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम उल्लंघन की कोई खबर नहीं है, जो बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों से होकर गुजरती है। उरी में लोग अपने घरों और मुख्य शहर की दुकानों पर लौटने लगे हैं।

देश के 30 राज्यों में आंधी बारिश व तूफान की चेतावनी

शाह टाइम्स ब्यूरो

यूपी-राजस्थान के 50 जिलों में अलर्ट, ओडिशा-पश्चिम बंगाल में तापमान 40 डिग्री के पार

नई दिल्ली। देश के 30 राज्यों में रविवार को आंधी-बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान हवाएं 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। अगले 2 दिन में अधिकतर राज्यों का तापमान 2.4 डिग्री तक बढ़ने की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस बार देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले पहुंच सकता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून 27 मई को केरल तट से टकराएगा। आमतौर पर यह एक जून को केरल पहुंचता है। राजस्थान के कोट, भरतपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार 30 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना है। पूरे मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी है। उत्तर प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में पारा 40 के करीब पहुंच गया है। आगरा में बीते दिन 80 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं, कई होर्डिंग और पेड़ उखड़ गए। ओडिशा के 16 शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा। सबसे ज्यादा 42.7 डिग्री संबलपुर का रहा। पश्चिम बंगाल के 5 जिलों में हीटवेव की स्थिति रह सकती है, तापमान 40.0 डिग्री पार जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

उप्र में भीषण गर्मी का दौर शुरू, 14 से लू की चेतावनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं का दौर शुरू हो चुका है। बीते दो दिनों में प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में तापमान चढ़ने के साथ ही गर्मी का प्रभाव बढ़ा है। दोपहर की तपिश भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर रखा है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन से चार दिनों में प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री तक की बढ़ोतरी के संकेत हैं। वहीं 14 मई से उप्र के पूर्वी और तराई हिस्सों में लू के थपेड़े चलने के संकेत हैं। रविवार को वाराणसी, कानपुर, बस्ती, बहराइच, चुर्क, बलिया जैसे 15 जिलों से ज्यादा जिलों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आने वाले तीन-चार दिनों में तापमान में 5 से 6 डिग्री की बढ़ोतरी होगी।

आनंदीबेन ने दी बुद्ध पूर्णिमा पर देश एवं प्रदेशवासियों को बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को रविवार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। श्रीमती पटेल ने अपने संदेश में कामना की है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में शांति, करुणा, सद्भावना और आत्मबोध का संचार करे तथा हम सब भगवान बुद्ध के सिद्धांतों को आत्मसात कर एक समरस, जागरूक और नैतिक समाज के निर्माण में योगदान दें।

सिन्हा ने कुमार थापा के परिजनों से भेंट करके संवेदना जताई

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त डा. राज कुमार थापा के परिवार से मुलाकात की। उपराज्यपाल ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम करने वाले प्रतिष्ठित लोक सेवक को श्रद्धांजलि दी। श्री सिन्हा ने कहा, ष्जम्मू-कश्मीर के विकास की प्रक्रिया में डा. थापा का योगदान बहुत बड़ा है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। मैं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।

मणिपुर में व्यापक अभियान, 13 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने काकचिंग और इंफाल पश्चिम जिलों से केसीपी (एमसी प्रोग्रेसिव) के चार सक्रिय कार्यकर्ताओं को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई-पीएस के अंतर्गत सलाम मानिंग लेइकाई से केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों की एक अन्य टीम ने इंफाल पश्चिम जिले के मयांग लांगलजग क्वाइसफाई से आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी जिले के लामलाई-पीएस के अंतर्गत चिंगरेल तेजपुर से पीआरईपीएके (प्रो.) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया।

आतंकी जिस भाषा में समझेंगे, उन्हें उसी भाषा में जवाब देंगे: योगी

ब्रह्मोस की ताकत पाकिस्तानियों से पूछें

लखनऊ, वार्ता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है, जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाली नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा।

उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर आज कहा कि इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है, जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने व योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक 'ब्रह्मांड' का भी विमोचन किया गया। यही नहीं मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा, तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्म निर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल-बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के सामने जो लक्ष्य रखा, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल उसी अभियान का हिस्सा है। वीडीएल झांसी में आ रहा है। उसका काम बहुत तेजी से आगे बढ़ चुका है।

आतंकवाद कुत्ते की पूंछ, सीधी नहीं होने वाली

- ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फेसिलिटी का उद्घाटन आतंकवाद को कुचलने का समय आ गया:सीएम

यूपी में डिफेंस कॉरिडोर के छह नोड विकसित

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ा है वह उसे प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री ने केंद्रीय बजट में दो डिफेंस कॉरिडोर की घोषणा की थी, लेकिन यह कहां बनेगी इसकी घोषणा प्रधानमंत्री ने इसी लखनऊ में की थी। उत्तर प्रदेश में इसके लिए 6 नोड तय किए गए। इनमें राजधानी लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए चुना गया। 2019 में केंद्र में जब पुन: सरकार बनी तब रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने 2020 में पहली बार लखनऊ में डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया। तब उन्होंने लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल की प्रोडक्शन यूनिट लगाने की घोषणा की थी। योगी ने कहा कि यूपी के अंदर डिफेंस कॉरिडोर के जो 6 नोड विकसित हो रहे हैं इन पर हमारा कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यूपी ने पहली बार किया ग्रीस में प्रतिभाग

अंतर्राष्ट्रीय रक्षा एवं एयरोस्पेस प्रदर्शनी देखी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश केमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने ग्रीस की राजधानी एथेंस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रक्षा एवं एयरोस्पेस प्रदर्शनी (डीईएफईए-2025) में पहली बार प्रतिभाग किया। उत्तर प्रदेश प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह, यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही सहित वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार एवं रक्षा विशेषज्ञ सम्मिलित रहे। मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश ने भारत के राजदूत रुद्रेंद्र टंडन की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय रक्षा एवं एयरोस्पेस प्रदर्शनी (डीईएफईए-2025) में भारत के पवेलियन और उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) पवेलियन का उद्घाटन किया। यह पहली बार है, जब उत्तर प्रदेश ने इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय रक्षा प्रदर्शनी में अपना प्रतिनिधित्व किया है। इस अवसर पर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने न केवल देश को सामरिक दृष्टि से मज़बूत किया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को भी एक नई पहचान दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार ने रक्षा विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए जिस प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया है, वह सराहनीय है।

कर्नल सोफिया व व्योमिका सिंह बनीं लड़कियों का रोल मॉडल

शाह टाइम्स ब्यूरो

- उनका नाम शहर या देहात में बच्चों बच्चों की जुबान पर रटा है, मुरादाबाद में कर्नल सोफिया की बुआ रहती है

मुरादाबाद। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की गूंज देश दुनिया में सुनाई दे रही है, वहीं दूसरी ओर लड़कियों की रोल-मॉडल के रूप में युद्ध से जुड़ी प्रेस ब्रीफिंग का हिस्सा बनने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह सेलिब्रिटी से कम नहीं हैं।

आज उनका नाम शहर हो या देहात बच्चे बच्चे की जुबान पर रटा हुआ है, खासतौर से युवा वर्ग में। लोग अब अपनी ब्लैक कलर की थार व स्कार्पियो समेत एसयूवी, मल्टी यूटिलिटी व्हीकल्स समेत अन्य महंगी कारों की दोनों खिड़कियों के दोनों ओर कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के बड़े-बड़े फोटो व ऑपरेशन सिंदूर प्रिंट करवाने का पेंटर को ऑर्डर दे रहे हैं। मुरादाबाद महानगर स्थित इंदिरा चौक के समीप मोहल्ला मकबरा में कर्नल सोफिया कुरैशी की सगी बुआ रहती हैं। जब उन्हें कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में लोगों की राय बताई गई, तो वह फूले नहीं समाई। श्रीमती हाजरा बेगम बताती हैं कि हमें फक्र है कि उनकी भतीजी ने देश-दुनिया में अपने, वतन अपनी कौम व परिवार का नाम रोशन किया है। हाजरा बेगम आगे बताती हैं कि सोफिया कुरैशी का जन्म पूना में हुआ था। सोफिया के पिता सूबेदार ताज मोहम्मद कुरैशी समेत उनके तीन सगे भाई हैं। वह तीनों भाई फौज में रहे हैं। उन्हें देखकर ही सोफिया कुरैशी का बचपन से ही सेना में अफसर बनने का सपना था। बताया कि 1996-97 में उनका सेना में चयन हुआ। उन्होंने कहा कि हमें फक्र है कि उनकी भतीजी ने देश-दुनिया में अपने परिवार,वतन व अपनी कौम का नाम ऊंचा किया है। वह आज़ मुल्क की बेटियों की रोल-मॉडल बन गई। दोनो कर्नल को लेकर लोगों में क्रेज का आलम यह है कि लोग महंगे-महंगे मल्टी यूटिलिटी व्हीकल की खिड़कियों में दोनों ओर ऑपरेशन सिंदूर लिखवा कर दोनों सैनिक अधिकारी बेटियों के वर्दी में फोटो बनवाने के लिए पेंटर्स को ऑर्डर कर रहे हैं।

एसआईए के 20 स्थानों पर छापे स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़

श्रीनगर, वार्ता

- अब पाकिस्तान के आतंकी चमचों की बारी : एसआईए

जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने रविवार को दक्षिण कश्मीर में 20 स्थानों पर छापेमारी के दौरान स्लीपर सेल मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने कहा कि तकनीकी खुफिया जानकारी से संकेत मिलता है कि कश्मीर में कई स्लीपर सेल अपने पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे और व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल सहित मैसेजिंग ऐप के माध्यम से सुरक्षा बलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के बारे में संवेदनशील और रणनीतिक जानकारी देने में शामिल थे।

पुलिस ने कहा कि ये आतंकी सहयोगी लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद के आतंकवादी कमांडरों के इशारे पर ऑनलाइन कटरपंथी प्रचार में भी शामिल थे, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को प्रभावित कर रहा था। एजेंसी कश्मीर ने इसके बाद इस साल की शुरुआत में दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में दक्षिण कश्मीर के सभी जिलों में लगभग 20 स्थानों पर तलाशी ली। पुलिस ने कहा कि छापेमारी के दौरान पर्याप्त मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है और संदिग्धों को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच से स्पष्ट रूप से पता चला है कि ये संस्थाएं आतंकवादी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल हैं, भारत विरोधी बयानों का प्रचार और प्रसार कर रही हैं जिसका उद्देश्य न केवल भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को चुनौती देना है, बल्कि असंतोष, सार्वजनिक अव्यवस्था और सांप्रदायिक घृणा को भड़काना भी है। पुलिस ने कहा कि एसआईए किसी भी तरह की अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना जारी रखेगी।

सीजफायर सकारात्मक व जरूरी प्रगति: हुसैनी

भारत-पाक के बीच सीजफायर पर बोले जमात-ए-इस्लामी हिंद के प्रमुख हुसैनी

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने भी भारत-पाक के बीच सीजफायर समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हम भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर समझौते की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह एक सकारात्मक और बेहद ही आवश्यक प्रगति है, जो क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए आशा की किरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने आगे कहा कि हम उन सभी लोगों, नागरिक समाज समूहों, और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष के दौरान निरंतर शांति, तनाव कम करने और संयम की लगातार वकालत की। तनावपूर्ण माहौल में उनकी आवाजें मानवीय गरिमा को बनाए रखने और जीवन को संरक्षित करने के महत्व की याद दिलाती रहीं। पाकिस्तान के साथ जारी संघर्ष में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए हुसैनी ने कहा कि हम संघर्ष में अपनी जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। भारत सरकार संघर्ष में मारे गए लोगों के परिवारों को उचित मुआवजा दे, साथ ही नागरिकों और समुदायों खासकर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की आजीविका और संपत्ति की क्षतिपूर्ति भी करे। यह सीजफायर एक नए अध्याय की शुरुआत करता है, ऐसे में हमारा मानना है कि स्थायी शांति केवल संवाद और कूटनीति को संस्थागत बनाने की कोशिशों के जरिए ही सुनिश्चित की जा सकती है।

बुलंदशहर में नाबालिग से गैंगरेप, दूसरी की मौत

आरोपी ने शराब पिलाई और मारपीट भी की

शाह टाइम्स संवाददाता

- तीन हैवान नोचते रहे शरीर, एक लड़की को गाड़ी से फेंका

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में मेरठ नेशनल हाईवे पर चलती कार में तीन लोगों ने एक नाबालिग युवती से गैंगरेप किया। उसकी सहेली ने इसका विरोध करते हुए आरोपियों को थप्पड़ मारा, तो उन्होंने उसको उन्होंने कार से लात मारकर नीचे फेंक दिया। पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसको कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

इसके बाद जानी पुलिस ने सड़क पर पड़े युवती के शव को हादसा माना और उसको मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस ने मृतक युवती की पहचान करने की कोई कोशिश नहीं की। मृतक युवती बिहार की रहने वाली थी। वह गौतमबुद्ध नगर के सुरजपुर क्षेत्र में रहती थी और वहीं के एक होटल में काम करती थी। जिस नाबालिग युवती के साथ गैंगरेप हुआ, उसने खुर्जा में कार से कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को सूचना दी। पीड़िता प्रतापगढ़ जिले के चिलविला की निवासी है। पीड़िता भी गौतमबुद्ध नगर के सुरजपुर क्षेत्र की रहने वाली है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 6 मई को उसके परिचित अमित नामक युवक ने उसे नौकरी दिलाने की बात कही। साथ ही कहा कि वो भी उसके साथ जाएगा। अमित ने नाबालिग युवती को जो जगह बताई थी, वहां वो अपनी सहेली के साथ पहुंची। अमित ने दोनों को कार में बैठा लिया। अमित के साथ उसका दोस्त संदीप भी था। इसके बाद देर रात अमित ने अपने एक और साथी को भी कार में साथ ले लिया। पीड़िता ने बताया कि कार में आरोपियों ने उन्हें जबरदस्ती शराब पिलाई, मारपीट की और उसके साथ गैंगरेप किया। उसकी सहेली के विरोध करने पर आरोपियों ने लातमार उसे कार से नीचे फेंक दिया। पीड़िता ने बताया कि वो खुर्जा में किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर भाग निकली। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ खुर्जा कोतवाली में अपहरण, हत्या और गैंगरेप की धारा में मामला दर्ज किया गया है। मृतक युवती का पोस्टमार्टम कराया गया। उसके चेहरे, माथे हाथ, पैर पर चोटों के 12 निशान मिले हैं।

अर्थ व्यापार

अर्थ व्यापार
अर्थ व्यापार

महंगाई आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई, वार्ता

भारत-पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1047.52 अंक अर्थात 1.3 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर आठ कारोबारी सत्र के बाद 80 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 79454.47 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 338.7 अंक यानी 1.4 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24008.00 अंक पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की ही तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 596.37 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 42111.50 अंक और स्मॉलकैप 623.59 अंक यानी 1.3 प्रतिशत कमजोर रहकर 46741.95 अंक रह गया। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटैन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 घटकर 686.06 अरब डॉलर पर

मुंबई। स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी होने से 2 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.07 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.98 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 688.13 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 2 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 51.4 करोड़ डॉलर की मजबूती के साथ 581.2 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालों में रहा मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, वार्ता

- अनाज और मीठे के बाजार में टिकाव रहा

विदेशी बाजारों में भारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर चुनिंदा जिंसों में मांग निकलने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों और दाल दलहन में मिश्रित रूख देखा गया, जबकि अनाज और मीठे के बाजार में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा सप्ताहांत पर 355 रिंगिट लुढ़ककर 3790 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.21 सेंट की गिरावट के साथ 48.82 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18314 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14725 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13919 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। चना 100 रुपये और दाल चना 100 रुपये महंगी हो गई जबकि अरहर दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर चना 5950-6050, दाल चना 6950-7050, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9650-9750, उड़द दाल 9150-9250, अरहर दाल 8300-8400 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान चावल और गेहूं के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

रावलपिंडी ने सुनी.... की सभी जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का दिन हमारे शहर लखनऊ, हमारे राज्य उत्तर प्रदेश और हमारे पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। आज का दिन उस शक्ति की आराधना का दिन है, जो हमारी सेनाओं को संबल प्रदान करती है, जो हमारी सेनाओं में निहित होकर दुश्मन पर कहर बरपाती है। आज का दिन मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है। क्योंकि मैंने अपने शहर लखनऊ के लिए एक सपना देखा था। कि, मेरा शहर, भारत के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने में एक बड़ा योगदान दे। वह सपना अब पूरा हो रहा है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ब्रह्मोस एकीकरण और परीक्षण सुविधा का उद्घाटन इसलिए भी महत्व रखता है, क्योंकि आज का दिन बड़ा खास है। आज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। आज ही के दिन 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हमारे वैज्ञानिकों ने पोखरण में परमाणु परीक्षण करके दुनिया को भारत की ताकत दिखाई थी। वह परीक्षण हमारे वैज्ञानिक, इंजीनियर्स, रक्षा कार्मिक और कई अन्य हितधारकों के अथक प्रयासों का परिणाम था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया, लेकिन पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया, बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरिजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की, बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई, जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कारवाई करेगा। समारोह में सीएम योगी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टाइटेनियम एंड सुपर एलाय मैटेरियल्स प्लांट (स्ट्रैटेजिक मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स) का भी उद्घाटन किया। यह प्लांट एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्रियों का उत्पादन करेगा। इनका उपयोग चंद्रयान मिशन और लड़ाकू विमानों में किया जाएगा। साथ ही ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी परियोजना का भी लोकार्पण हुआ। ये मिसाइलों के परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ऑपरेशन... बताया कि बॉर्डर और एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे पांच जवान शहीद हुए हैं। पाकिस्तान ने नागरिक विमान को हथियार बनाया। भारत के किसी एयरबेस को नुकसान नहीं हुआ। पाक ने श्रीनगर से कच्छ तक ड्रोन भेजे जम्मू, उधमपुर और पठानकोट एयरबेस पर पाकिस्तान ने हमला किया। राजीव घई ने कहा कि 8 और 9 मई को पाकिस्तान ने ड्रोन भेजे हैं। हम तैयार थे इसलिए कोई नुकसान नहीं हुआ। लाहौर में हमने रडार सिस्टम ध्वस्त किया। पाक के 35-40 सैनिकों की मौत हुई। डीजीएमओ राजीव घई ने कहा कि हमने 9 आतंकी ठिकानों को टारगेट किए। इसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए, जिनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदासिर अहमद जैसे लक्ष्य शामिल थे। भारतीय वायुसेना ने इन हमलों में अहम भूमिका निभाई और इनमें से कुछ शिविरों पर हमला किया और भारतीय नौसेना ने सटीक हथियारों के मामले में साधन उपलब्ध कराए। डीजीएमओ राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों के खात्मे के लिए था। हमने इस दौरान 100 से ज्यादा आतंकी मारे।

खड़गे व राहुल... की सरकारें संघर्ष विराम की घोषणाएं करती हैं। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि इससे पहले 28 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पहलगाम हमले को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। श्री गांधी ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री से पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान की घोषणा से पहले संघर्ष विराम के मुद्दे पर ट्वीट करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री इस आग्रह पर विचार करेंगे। गांधी ने पिछले दिनों सर्वदलीय बैठक में भी संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कही थी।

संघर्ष विराम पर ट्रम्प की घोषणा करती है हैरान: कांग्रेस

- संसद का विशेष सत्र जल्दी बुलाने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पाकिस्तान और भारत के बीच चल रहे संघर्ष के विराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा को हैरान करने वाला करार देते हुए रविवार को कहा कि दो देशों के बीच के मसले का अंतर्राष्ट्रीयकरण नहीं किया जाना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले 24 घंटों में बहुत तेजी से बदले घटनाक्रम हैरान करने वाली स्थिति भी सामने आई है। यह जानकर सबको आश्चर्य हुआ कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हैं। पायलट ने कहा,ष्यह शायद पहली बार हुआ है, जब सीजफायर की घोषणा सोशल मीडिया के ज़रिए अमेरिका के राष्ट्रपति करते हैं। उन्होंने जो अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है, हमें उस पर भी ध्यान देना चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच जो मसला है, उसका अंतर्राष्ट्रीयकरण करना बेहद आश्चर्यजनक है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में सरहद के पास के पास हमारे जिन नागरिकों की जान गई है कांग्रेस पार्टी उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। मैं भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को सलाम करता हूं। हमारी सेना ने एक बार फिर दिखाया है कि वह दुनिया के सर्वोत्तम सेनाओं में से एक है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैंडसअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

भारतीय सेना ने दुश्मन की नापाक हरकतों का दिया करारा जवाबः धामी

पहलगाम हमले का दिया मुंहतोड़ जवाब, आतंकी ठिकाने किए नष्ट

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। देश की सेना के शौर्य का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा है कि सेना ने अदम्य साहस, पराक्रम और रणनीति से पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। हमारे सशस्त्र बलों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान में स्थित आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। भारत की सेना ने दुश्मन की नापाक हरकतों का करारा जवाब दिया है। मुख्यमंत्री ने ये बात हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल का लोकार्पण करते हुए अपने संबोधन में कहीं उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के कारण आतंकवाद के खिलाफ सशक्त कार्रवाई हुई है। प्रधानमंत्री ने हमेशा मानवता पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा केंद्र और राज्य सरकार राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलती है।

हमारे लिए राष्ट्र सबसे प्रथम है। उन्होंने कहा देश के जवान सरहदों पर मां भारती की सुरक्षा के लिए खड़े हैं। सेना का साहस अद्भुत है।

■ पूर्व विधायक स्व. हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल के लोकार्पण कार्यक्रम में बोले धामी

सरकारी नौकरियां देने का सिलसिला रहेगा जारी

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार, उत्तराखंड के समग्र विकास हेतु निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य हर क्षेत्र में काम हो रहा है। राज्य में युवाओं को रोजगार देने में सारे रिकॉर्ड तोड़े गए हैं। बीते 3 सालों में 23 हजार से अधिक सरकारी नौकरियों में नियुक्तियां युवाओं को दी गई हैं, आगे भी अनवरत रूप से नौकरी देने का सिलसिला जारी रहेगा।

उन्होंने कहा देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। पूर्व की सरकारों की विफलताओं के कारण देवभूमि की डेमोग्राफी में गंभीर बदलाव देखने को मिल रहे थे। जिसके लिए राज्य सरकार ने देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान और डेमोग्राफी को संरक्षित रखने के लिए कठोर कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री प्रदेश के विकास को समर्पितः गणेश जोशी

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से वो एक सैनिक से मंत्री बने हैं, उन्होंने कहा मुख्यमंत्री का संकल्प है कि जिन योजनाओं का वो शिलान्यास करते हैं, उनका लोकार्पण भी उन्हीं के हाथों से हो। मुख्यमंत्री प्रदेश के विकास को लेकर पूर्ण रूप से समर्पित हैं, उनके नेतृत्व में प्रदेश में समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण कानून जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जवानों का मनोबल बढ़ाने का कार्य भी जारी है। शहीद जवानों के परिजनों को मिलने वाली राशि एवं मेडल से सम्मानित जवानों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि को भी बढ़ाया गया है।

श्रद्धालुओं के स्वागत और सुरक्षा के लिए तैयार देवभूमि

सीएम ने कहा कि राज्य में चार धाम यात्रा गतिमान है। राज्य सरकार चार धाम यात्रा पर निगरानी बनाए हुए हैं। हजारों की संख्या में श्रद्धालु उत्तराखंड आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत एवं उनकी सुरक्षा के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, ब्रिगेडियर आर.एस. थापा, अध्यक्ष महानगर भाजपा सिद्धार्थ अग्रवाल, नेहा जोशी, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

जोशी ने मातृत्व दिवस पर लिया मां का आशीर्वाद

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मातृत्व दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को अपनी माता से आशीर्वाद लेकर दिन की शुरुआत की। कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि माँ का स्थान जीवन में सर्वोपरि होता है। वे हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं, जिनसे हम संस्कार, धैर्य और करुणा सीखते हैं। उनका त्याग और ममता अतुलनीय है।

उन्होंने कहा कि मातृत्व दिवस हमें अपनी माताओं के प्रति आभार प्रकट करने का अवसर देता है। उन्होंने आगे कहा कि समाज में माताओं की भूमिका केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वे एक सशक्त राष्ट्र निर्माण की भी आधारशिला हैं। मंत्री ने कहा कि मातृत्व दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि माँ के त्याग और सेवा को सम्मान देने का प्रतीक है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपनी गुरु माता कैंट विधायक सविता कपूर का आशीर्वाद भी लिया। उन्होंने इस भावपूर्ण अवसर पर कहा कि माँ और गुरु दोनों ही हमारे जीवन के ऐसे स्तंभ हैं, जिनके बिना संस्कार और सफलता की कल्पना नहीं की जा सकती।

भारत-नेपाल सीमा पर निर्माणाधीन मार्ग का धामी ने किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को बनबसा स्थित भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में निर्माणाधीन नेपाली सूखा बंदरगाह (ड्रायपोर्ट) तक पहुँचने वाले फोरलेन मार्ग का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने निर्माण स्थल पर अधिकारियों से परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और निर्माण की गुणवत्ता एवं समयसीमा के अनुपालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बनबसा से नेपाल सीमा तक बनने वाला यह मार्ग रणनीतिक, व्यापारिक और सामरिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है।

इस परियोजना के लिए एनएचएआई को 7.28 हेक्टेयर भूमि विधिवत रूप से हस्तांतरित की जा चुकी है। कुल 3.06 किलोमीटर लंबे

इस फोरलेन मार्ग के निर्माण हेतु प्रारंभिक रूप से 177 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। लेकिन भौगोलिक एवं तकनीकी कारणों से अनुमानित लागत में 80 करोड़ रुपये की वृद्धि संभावित है, जिससे कुल बजट 250 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है।

निर्माण कार्य मार्च 2023 में प्रारंभ हुआ था और पहले इसे 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य था। किंतु बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण अब यह परियोजना 2027 तक पूर्ण की जाएगी।

इस मार्ग में एक फ्लाईओवर, एक बड़ा पुल और दो छोटे पुलों का निर्माण प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह परियोजना भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आवागमन की दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को तेजी, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए।

जाति जनगणना का निर्णय ऐतिहासिक, विकसित भारत निर्माण में अहम : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने जाति जनगणना संबंधी निर्णय को ऐतिहासिक एवं विकसित भारत निर्माण में अहम बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, मोदी सरकार का यह कदम आर्थिक एवं कल्याणकारी नीतियों को अधिक प्रभावी बनायेगा। जो सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर आगे बढ़ते हुए अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी भारत के निर्माण में सहायक होंगी।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने जाति जनगणना को लेकर मोदी सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। इस निर्णय को साहसिक, पारदर्शी मानते हुए सामाजिक न्याय सूचित नीति निर्माण तथा सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस विषय पर विस्तार से बात करते हुए कहा, 1931 में ब्रिटिश सरकार के दौरान जातिगत जनगणना की गई थी, तब पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत का हिस्सा थे।

■ कहा - जाति जनगणना से अधिक प्रभावी आर्थिक एवं कल्याणकारी नीतियां बनेंगी ,पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से रूबरू को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

उस समय हुई जातियों की गणना में ओबीसी वर्ग की संख्या कुल आबादी के 27 करोड़ और हिस्सेदारी में 52 फीसदी थी। तब से आज तक अनुसूचित जाति एवं जनजातियों को छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर कोई आधिकारिक जाति गणना नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि, 94 वर्ष बाद जातिगत जनगणना को पुनर्जीवित करने का मोदी सरकार का यह निर्णय साक्ष्य आधारित और पारदर्शिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पूर्व अंतिम जनगणना 2011 में हुई, परंतु उस गणना में ओबीसी और अन्य जातियों की गणना ना होने से सही आकलन नहीं किया गया।साथ ही स्पष्ट किया कि भाजपा का दृष्टिकोण एकता, कल्याण और सामाजिक सद्भाव वाला है। इस संबंध में हमारा मत है कि लक्षित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों को तभी मिलेगा जब उनके सही आंकड़े उपलब्ध होंगे। हमारी सरकार ने पहले भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 फीसदी आरक्षण लागू कर सामाजिक न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया है।

ऐसे में जब मोदी सरकार जातिगत जनगणना कराएगी, भारतीय समाज का आर्थिक स्वरूप भी देश के सम्मुख होगा। जिसके आधार पर ऐसी नीतियां बनेंगी कि समाज का हर वर्ग आर्थिक रूप सशक्त हो। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी ने कहा कि मोदी सरकार का यह कदम हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त करेगा और देश की सामाजिक एवं आर्थिक नींव को मजबूत करेगा।

वही आग्रह किया कि सभी राजनीतिक दलों को भी अपने-अपने संकीर्ण हितों से ऊपर उठाते हुए राष्ट्र निर्माण की सच्ची भावना से इस निर्णय का समर्थन करना चाहिए। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार में दायित्वधारी सुरेश भट्ट, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राजेंद्र नेगी, संपर्क प्रमुख राजीव तलवार व सत्यवीर चौहान भी मौजूद रहे।

जातीय गणना पर कांग्रेस की दोगली राजनीति से देश परिचित

कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस जब जब विपक्ष में रही जातिगत करना की वकालत करती रही लेकिन सत्ता में आने पर उन्होंने इसे कूड़ेदान में ही डालने का कार्य किया। 2010 में यूपीए सरकार के तहत इस पर विचार करने के लिए मंत्रियों का समूह तो बनाया गया लेकिन 2011 की गणना में इसको लेकर कोई तैयारी नहीं की गई। कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को केवल राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। नेहरू से लेकर राजीव गांधी, मनमोहन तक कांग्रेस के सभी प्रधानमंत्रियों ने इसका समय समय पर विरोध किया। तेलंगाना की इनकी सरकार से जातीय सर्वेक्षण कराया लेकिन रिपोर्ट 3 साल बाद भी सार्वजनिक नहीं की। लिहाजा कांग्रेस की इस संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर की गई, दोगली राजनीति से देश भलीभांति परिचित है।

भारत-पाक सीजफायर पर कांग्रेस का हमला

संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश को जवाब दे सरकारः धस्माना

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम और उसमें अमेरिकी राष्ट्रपति की भूमिका को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन एवं प्रशासन) सूर्यकांत धस्माना ने कहा है कि देश की सुरक्षा, विदेश नीति और संप्रभुता जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तत्काल संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए और जनता को जवाब देना चाहिए। प्रेस वार्ता में धस्माना ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि संसद में इस बात पर चर्चा हो कि भारत-पाक के बीच सीजफायर का ऐलान अमेरिका की तरफ से क्यों किया गया?

उन्होंने कहा कि भारत की परंपरागत नीति यह रही है कि पाकिस्तान से बातचीत तभी होगी जब आतंकवाद पर रोक लगेगी, और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता

स्वीकार नहीं की जाएगी।

धस्माना ने सवाल उठाया कि जब सीजफायर हो चुका है तो बॉर्डर पर ड्रोन उड़ानें और गोलीबारी क्यों जारी है? उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा यह कहना कि भारत-पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर बातचीत करेंगे, देश की विदेश नीति पर सवालिया निशान खड़ा करता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे पहले भी भाजपा नेताओं ने कहा था कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है, तो अब अमेरिका को इसमें क्यों घुसने दिया गया? धस्माना ने कहा कि संकट की घड़ी में पूरा विपक्ष और देश की जनता सरकार और सेना के साथ एकजुट थी, लेकिन अब सरकार को देश के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

जिस जातीय गणना को ठुकराया, अब उसी का श्रेय लूट रही भाजपाः धस्माना

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन व प्रशासन) सूर्यकांत धस्माना ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि, "जिस जातीय जनगणना का भाजपा ने संसद में विरोध किया, आज उसी का श्रेय लेने का दिखावा कर रही है। लेकिन देश जानता है कि यह कांग्रेस की सामाजिक न्याय की नीति की जीत है। लोकसभा में राहुल गांधी और राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया था। भाजपा नेताओं ने इस मांग का सख्त विरोध किया था। धस्माना ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तो सार्वजनिक रूप से जातीय जनगणना की मांग करने वालों को लात मारने जैसी असंवेदनशील टिप्पणी की थी। वहीं अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल गांधी की बातों का मजाक बनाया था।

राज्यपाल ने दी बुद्ध पूर्णिमा की बधाई

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि बैशाख पूर्णिमा के दिन भगवान गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने संपूर्ण मानवता को अहिंसा, शांति, करूणा और सेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन दर्शन आज के समय में भी उतना ही प्रासंगिक है, जब समाज को सहनशीलता, प्रेम और मैत्री की अत्यंत आवश्यकता है।

भगवान नृसिंह के प्रकटोत्सव में शामिल हुए डॉ. बंसल

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। जोशीमठ स्थित श्री नृसिंह मंदिर में भगवान श्री हरी विष्णु के अवतार भगवान नृसिंह का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया गया।प्रातः भगवान नृसिंह के विगृह का महाविषेक पूजन किया गया, जिसके बाद नित्य प्रातः कालीन आरती की गई और भगवन के विगृह को पुष्प, स्वर्ण जवाहरात, चंदन, तुलसी से सजाया गया।इस बार मंदिर को इस आयोजन के लिए खास तौर से 21 कुंतल फूलो व रोशनी से सजाया गया है जिसमे भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्य सभा डा.नरेश बंसल एवं उनके शुभचिंतको व समर्थको का विषेश सहयोग रहा।

इस अवसर पर भगवान नृसिंह की विशेष पूजा-अर्चना कर यज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया गया। हर साल की तरह इस बार भी राज्य सभा सांसद नरेश बंसल ने पुत्र सिद्धार्थ बंसल,नीरज बंसल,उत्तरा बंसल,यशपाल बिष्ट सहित पूजा अनुष्ठान और भंडारे का आयोजन करवाया।

■ राज्यसभा सांसद ने श्री नृसिंह मंदिर मे विभिन्न पुजाओं में प्रतिभाग किया व भंडारा किया आयोजित

मंदिर में विशेष पूजा अनुष्ठान,सांस्कृतिक संध्या और भंडारे का आयोजन करवाया।शाम को उत्सव चलदा मुर्ति लोगो के बीच पहुंची व आईटीबीपी बैड की जोरदार प्रस्तुती व आम नागरिको संग मंदिर परिक्रमा की व महाअभिषेक हुआ।इस अवसर पर लोगो ने पुष्प वर्षा की।इस अवसर पर मंदिर परिसर में आयोजित भजन संध्या मे लो. कगायिका डा. पम्मी नवल,सुनिल कोठियाल आदि विभिन्न सुप्रसिद्ध कलाकारो ने भजन प्रस्तुत किए।

डा. नरेश बंसल ने भगवान नृसिंह से सभी के सुख समृद्धि की कामना की। राज्य सभा सांसद एवं भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष डा.नरेश बंसल ने भी रविवार को नृसिंह मंदिर जोशीमठ पहुंच कर दर्शन किये। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषिप्रसाद सती प्रथा ने उनका स्वागत किया तथा अंगवस्त्र तथा प्रसाद भेंट किया।

पहाड़ में सोलर प्लांट लगाने वालों को जल्द मिले सब्सिडीः नेगी

■ प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह ने सीएम को लिखा पत्र, कहा कि राज्य की बड़ी संख्या में सोलर प्लांट लगाए मगर सब्सीडी नहीं मिली

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में लोगों ने सोलर प्लांट लगाए हैं जिसमें कईयों ने केंद्र की योजना के तहत आवेदन किया था, मगर योजना बीच में ही बंद होने से लोग परेशान हैं जिससे उनको भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने सब्सिडी देने की मांग की। उन्होने कहा कि राज्य सरकार ने टेंडर निकालकर साफ तौर पर सब्सिडी देने का आश्वासन दिया था। ऐसे में सोलर लगाकर सब्सिडी न देना स्वरोजगार को कार्य कर रहे पहाड़ के युवाओं के हितों पर कुठाराघात है।

उन्होंने कहा कि सरकार शीघ्र फैसला करे जिससे सोलर प्लांट का कार्य कर रहे लोगों की मदद मिल सके जिससे वो बैंक की किश्त अदा कर सकें। प्रताप नगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार बेरोजगारों के साथ छलावा कर रही पहले निवेश के लिए आमंत्रित किया गया और अब सब्सिडी नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों के साथ हो रहे अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी भी मौजूद थे।

चारधाम यात्रा पर आ रहे यात्रियों को खूब भा रहा स्थानीय उत्पादों से बना खाना

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा पर आ रहे तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य का इस बार विशेष ख्याल रहा है। भक्तों को कम तेल, चीनी और नमक वाला खाना परोसने के साथ ही स्थानीय पकवान एवं उत्पाद भी परोसे जा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर चारधाम यात्रा पर आ रहे श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्स् एथॉरिटी एफएसएसएआई के साथ मिलकर विशेष अभियान लांच किया गया है।

चारधाम यात्रा पर आ रहे भक्त सरकार एवं स्थानीय प्रशासन की इस पहल से बेहद खुश नजर आ रहे हैं। दरसअल, स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के उददेश्य से प्रशासन की ओर से बद्रीनाथ, केदारनाथ हाईवे और केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग के किनारे जगह उपस्थित कराई गई है। स्थानीय लोग इन स्थानों पर ढ़ाबा खोलकर रोजगार कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन ढ़ाबों के अलावा अन्य होटलों में भी स्थानीय पकवान एवं उत्पाद भक्तों को भरोसे जा रहे हैं। जिसका भक्त लाभ ले रहे हैं और उन्हे पहाड़ के उत्पाद काफी पसंद भी आ रहे हैं। इस बार यह भी पहल की गई है कि चारधाम यात्रा पर आ रहे यात्री स्वस्थ रहे हैं और अच्छा खाना खाए। इसके लिये राज्य सरकार की पहल पर कम तेल, चीनी व नमक वाला खाना यात्रियों को परोसा जा रहा है।

जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग में जवाड़ी बाईपास मोटरमार्ग पर कालापहाड़ एवं जवाड़ी के ग्रामीण ढ़ाबे खोलकर रोजगार कर रहे हैं। यहां पर बुरांश, माल्टा, आवंला आदि के जूस के साथ ही भक्तों को मंडवा, झंगोरा से बने हुये पकवान परोसे जा रहे हैं। साथ ही स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाली दाले भी यात्रियों को खूब भा रही हैं। यात्री पहाड़ी उत्पादों से बने खाने को अत्यधिक पोष्टिक बता रहे हैं। देश-विदेश से यात्रा पर पहुंचे भक्तों ने भी अपने अनुभव साझा किये। गुजरात से यात्रा पर पहुंची फोरम ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए देश विदेश से पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सेहत को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है। कम नमक, चीनी और तेल स्वास्थ्य के लिये अच्छा होता है। जिसको चढ़ाई चढ़कर यात्रा पर जाना है, उसके लिये तो यह खाना बेहद ही जरूरी है।

जगह-जगह हिलांस व आंचल कैफे का संचालन

यात्रा मार्ग पर जगह-जगह हिलांस एवं आंचल कैफे का भी संचालन हो रहा है। इन कैफे का संचालन स्थानीय लोगों की ओर से किया जा रह है। यहां भी यात्रियों को स्थानीय उत्पादों से बने पकवान परोसे जा रहे हैं। आंचफ कैफे में तो स्थानीय स्तर पर तैयार लस्सी, दूध, छांछ एवं आईस्क्रीम यात्रियों को दी जा रही है। गबनी गांव, भीरी, सोनप्रयाग, गुप्तकाशी, खांखरा, तिलवाड़ा सहित अन्य कई स्थानों पर हिलांस एवं आंचल कैफे का संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग डॉ सौरभ गहरवार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की यात्रा में स्थानीय लोगों के रोजगार को भी ध्यान में रखा जाता है। जवाड़ी बाईपास सहित बद्रीनाथ, केदारनाथ हाईवे एवं केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर स्थानीय लोगों को स्थाई एवं अस्थाई दुकानों का आवंटन किया जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों से बने पकवान यात्रियों को खूब भा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी होटल, लॉजों एवं ढ़ाबों सहित अन्य दुकानों पर स्थानीय स्तर पर तैयार बुरांश, माल्टा एवं आंवले के जूस के साथ ही अचार को यात्रियों को सर्व किया जा रहा है। उन्होंने यहा भी बताया कि यात्रियो के विश्राम करने के लिये जगह-जगह व्यू प्वाइंट भी बनाये गये हैं।

केदारनाथ यात्राः घोड़े-खच्चरों का आंशिक संचालन शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है और सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं, लेकिन कुछ लोग सस्ती लोकप्रियता के लिए सोशल मीडिया पर अफवाह फैला कर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं। धाम के तीर्थ पुरोहितों ने इस पर आक्रोश जताते हुए कड़ा विरोध दर्ज किया है। उन्होंने धाम एवं यात्रा के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न देते हुए बाबा केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का स्वागत किया है। वहीं रविवार को आठ सौ घोडे-खच्चरों का भी संचालन किया गया।

वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित उमेश पोस्ती ने जारी बयान में कहा कि केदारनाथ धाम में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं। तीस हजार यात्री प्रतिदिन आराम से यहां रह सकते हैं। मंदिर समिति, स्थानीय व्यापारी, तीर्थ पुरोहित समाज और प्रशासन एवं पुलिस श्रद्धालुओं की सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। अब घोड़े- खच्चरों का संचालन भी दोबारा शुरू हो गया है। खास बात यह है कि टोकन सिस्टम लागू होने से श्रद्धालुओं के दर्शन भी आराम से हो रहे हैं।

वहीं, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि इक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर संचालित हो रहे घोड़े- खच्चरों के स्वास्थ में अब सुधार आने लगा है। ट्रायल एवं स्वास्थ जांच के बाद शनिवार शाम में करीब 350 घोड़े- खच्चरों को यात्रा पर भेजा गया, जबकि रविवार को करीब 800 स्वस्थ घोड़े- खच्चरों को यात्रा मार्ग पर भेजा गया। हालांकि घोड़े- खच्चर मालिकों को हिदायद दी गई है कि बीमारी का कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत जांच के लिए घोड़ों को डॉक्टर के पास लाएंगे।

अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि प्रतिदिन 1000 से 1200 श्रद्धालु डंडी-कंडी से धाम पहुंच रहे हैं, जबकि लगभग 1000 डंडी- कंडी एवं पिट्ठू संचालक खाद्य एवं अन्य सामग्री की आपूर्ति में जुटे हुए हैं।

कांगुड़ा मंदिर में होगा पर्यटन विकास, डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

■ सीएम घोषणा के तहत सौंदर्यीकरण कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश
मंदिर परिसर में गेट, रैन शेड, ट्रैक रूट और धर्मशाला जैसी सुविधाएं विकसित होंगी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शनिवार को विकासखंड थौलधार क्षेत्र के ऐतिहासिक कांगुड़ा मंदिर का स्थलीय निरीक्षण कर मंदिर को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना को लेकर विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री घोषणा के तहत कांगुड़ा मंदिर में पर्यटन विभाग द्वारा सौंदर्यीकरण व आधारभूत ढांचे के विकास का कार्य प्रस्तावित है, जिसे शीघ्र शुरू करने के निर्देश जिलाधिकारी ने मौके पर ही दे दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर की भौतिक स्थिति का जायजा लेते हुए कहा कि इस धार्मिक स्थल की आस्था के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी विशेष महत्ता है। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि प्रथम चरण के कार्यों के लिए शीघ्र टेंडर की प्रक्रिया पूर्ण की जाए, ताकि द्वितीय चरण के लिए बजट की मांग समय रहते भेजी जा सके और समग्र विकास का कार्य बिना देरी के आगे बढ़े।

जिला पर्यटन एवं विकास अधिकारी एस.एस. राणा ने जानकारी दी कि प्रथम चरण के अंतर्गत मंदिर के मुख्य द्वार का निर्माण, पहुँच मार्ग का सुधार, रैन शेड, ट्रैक रूट, मचान, धर्मशाला और शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसका विस्तृत कार्य योजना बनाकर उच्च स्तर पर अनुमोदन हेतु भेजी जा चुकी है और अब शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

इस निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी थौलधार, ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने मंदिर के विकास को लेकर शासन की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताया।

कांगुड़ा मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की यह योजना न केवल धार्मिक आस्था को प्रोत्साहन देगी, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गति. विधियों और स्थानीय रोजगार के अवसरों को भी सशक्त बनाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 406 वादों का निस्तारण 1.79 करोड़ की धनराशि पर हुआ समझौता

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को न्यायालयीन प्रक्रियाओं के वैकल्पिक समाधान के तहत कुल 406 मामलों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया गया। इन मामलों में कुल 1,79,44,495 रुपये की धनरा. शि के दावों का समाधान हुआ, जिससे संबंधित पक्षों को त्वरित राहत मिली।

प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने जानकारी दी कि यह लोक अदालत जिला न्यायाधीश योगेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें कुल आठ बेंच गठित की गई थीं। प्रत्येक बेंच ने संबंधित मामलों की सुनवाई कर पक्षकारों के बीच आपसी सहमति से मामलों का निष्पादन सुनिश्चित किया।

जिला न्यायाधीश गुप्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने 13 वादों का निस्तारण करते हुए 27,21,260 रुपये की राशि पर सुलह कराया। वहीं, कुटुंब न्यायालय की बेंच, जिसकी अध्यक्षता न्यायाधीश अब्दुल कय्यूम ने की, ने 11 पारिवारिक विवादों का समाधान कराया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मिथिलेश पांडेय की बेंच ने 28 वादों का निपटारा 3,79,915 रुपये की राशि पर किया, जबकि वरिष्ठ सिविल जज मोहम्मद याकूब की बेंच ने 30 मामलों में 57,64,764 रुपये के सुलह समझौते कराए। अपर सिविल जज आफिया मतीन की बेंच ने 33 मामलों का निस्तारण 12,69,500 रुपये की धनरा. शि पर किया।सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कुलदीप नारायण की बेंच ने 17 वादों में 35,77,917 रुपये की राशि पर सुलह कराया। वहीं, वाह्य न्यायालय नरेंद्रनगर में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) श्रेय गुप्ता की बेंच ने सर्वाधिक 211 वादों का निस्तारण करते हुए 5,50,000 रुपये की धनराशि पर समझौता सुनिश्चित किया। इसके अतिरिक्त कीर्तिनगर स्थित सिविल जज शैलेंद्र कुमार यादव की बेंच ने 7 वादों का सुलह के माध्यम से निस्तारण किया।

लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर भी विशेष जोर दिया गया, जिसके अंतर्गत 56 वादों का समाधान 36,81,139 रुपये की राशि पर हुआ। इस लोक अदालत में मुख्य रूप से फौजदारी, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, विद्युत, बैंक ऋण वसूली, राजस्व और पारिवारिक विवादों जैसे मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित किया गया। इससे न केवल पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिला, बल्कि न्याय व्यवस्था पर पड़ने वाला बोझ भी कम हुआ।

मेडिकल कॉलेज श्रीनगर को मिले 14 स्थायी प्रोफेसर

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। प्रदेश के पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर का एक साथ सात प्रोफेसर एवं सात एसोसिएट प्रोफेसर मिल गये है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के हाथों पूर्व में नियुक्ति पत्र वितरित किये जा चुके थे, लेकिन कॉलेजों का आंबटन नहीं हुआ था। शनिवार को कॉलेजों का आंबटन होने के बाद श्रीनगर मेडिकल कॉलेज को 14 डॉक्टर विभिन्न विभागों को मिल चुके है। जिन्हें 15 दिनों के भीतर योगदान देना होगा। मेडिकल कॉलेज श्रीनगर को प्रोफेसर पद पर बॉयोकैमेस्ट्री में डॉ. कैलाश गैरोला, डेंटिस्ट्री में डॉ. अरूण कुमार गोयल, फॉरेंसिक मेडिसिन में डॉ. अनुज गुप्ता, सर्जरी विभाग में डॉ. राकेश रावत, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग में डॉ. शेखर पाल, पैथोलॉजी विभाग में डॉ. पवन भट, फिजियोलॉजी विभाग में डॉ. जय कुमार को नियुक्ति मिली है। जबकि

एसोसिसएट प्रोफेसर में एनेस्थिसिया विभाग में डॉ. सतेन्द्र यादव, बॉयोकैमेस्ट्री में डॉ. अजीत ठाकुर, जनरल मेडिसिन में डॉ. अंकुर पांडेय, आर्थोपेडिक्स में डॉ. सुभाष चंद, ईएनटी में डॉ. अर्जुन सिंह, फार्माकोलॉजी में डॉ. राजेन्द्र शर्मा, साईकाइट्री में डॉ. मोहित सैनी को तैनाती मिली है। वहीं सर्जरी विभाग में प्रोफेसर मिलने तथा जनरल मेडिसिन व आर्थो में एसो. प्रोफेसर मिलने से जनता की चिकित्सा सेवा बेहतर होगी। चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. आर राजेश कुमार की ओर से स्थाई डॉक्टरों की लिस्ट जारी कर 15 दिनों के भीतर योगदान सूचना देने को कहा है।

यहीं नहीं नियुक्ति पाने वाले सभी स्थाई डॉक्टर दो वर्षो की विहित परिवीक्षा पर रहेगे। इस अवधि के दौरान किसी को भी अन्यत्र संस्थान हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया जायेगा। चिकित्सा शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि 14 फैकल्टी के आने से बेस चिकित्सालय में मरीजों को पहले से और अच्छा इलाज मिलेगा।

"श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में लगातार मरीज एवं संस्थान हित में स्थाई डॉक्टरों की नियुक्ति की जा रही है। ताकि मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सेवा, एमबीबीएस पढ़ाई, प्रशिक्षण, शोध कार्यो में गुणात्मक इजाफा हो। स्थाई नियुक्ति पाने वाले सभी डॉक्टरों से यही अपेक्षा रहेगी कि वह अस्पताल में आने वाले गढ़वाल भर के मरीजों एवं चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सेवा देकर बेस चिकित्सालय और अपना नाम रोशन करे। सरकार की और से सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी है।

डॉ. धन सिंह रावत, मंत्री, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा उत्तराखंड सरकार।

गंगोत्री धाम में हृदय गति रुकने से मध्यप्रदेश की श्रद्धालु की मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

भटवाड़ी / उत्तरकाशी: गंगोत्री धाम दर्शन करने आए मध्यप्रदेश के श्रद्धालु की हृदय गति रुकने से मौत हो गई है। रविवार को गंगोत्री धाम दर्शन को आए मध्य प्रदेश के तीर्थ यात्री की सुबह हृदय गति रुकने से मौत हो गई है।तीर्थ यात्री अपने परिवार के साथ चारधाम यात्रा पर आये थे । आज सुबह गंगोत्री धाम में आए श्रद्धालु प्रेमबाई पत्नी स्वर्गीय हीरालाल उम्र 56 वर्ष निवासी नया बहेगांव खरगौन मध्यप्रदेश की समय 8 बजे सुबह हृदयाघात से मृत्यु की हुई है । पुलिस ने बताया कि गंगोत्री धाम से 2 किलोमीटर पहले उक्त महिला श्रद्धालु की हृदय गति रुकने के कारण मृत्यु हो गई। आर्थिक रुप से कमजोर होने पर महिला का परिवारजनों द्वारा गंगोत्री धाम में ही अंत्येष्टि कराए जाने की इच्छा जाहिर की गयी, परिजनों के अनुरोध पर गंगोत्री धाम पर नियुक्त उत्तरकाशी पुलिस के जवानों द्वारा मानवता का धर्म निभाते हुए शव की अंत्येष्टि हेतु लकड़ियों की व्यवस्था कर हिंदू रीति रिवाज से दाह संस्कार करवाने मे मदद की गयी। परिवारजनों द्वारा पुलिस के द्वारा किए गए सहयोग के लिये आभार प्रकट किया गया।

एक नजर.....

पूर्व सैनिकों ने भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर को सरहाया

श्रीनगर। गौरव सैनानी संगठन श्रीनगर की रविवार को कल्याणेश्वर धर्मशाला में बैठक आहुत की गई। बैठक में पूर्व सैनिकों ने भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर की सरहाना करते हुए खुशी जाहिर की। कहा कि इस बार आपरेशन सिंदूर का नेतृत्व वीर नारियों ने जो किया है वह सरहानीय है। बैठक में गौरव सेनानियों ने शादी समारोह में मास मदिरा का सेवन पूर्ण रूप से बंद किए जाने और शासन प्रशासन से श्रीनगर क्षेत्र में बाहरी लोगों का सत्यापन किए जाने का प्रस्ताव रखा। बैठक में गौरव सैनानी संगठन के अध्यक्ष मथुरा प्रसाद सिलोड़ी, प्रताप सिंह भंडारी, सुनील काला, महावीर सिंह, विजय सिंह रावत, रवेंद्र सिंह रावत, अरूण बहुगुणा सहित आदि मौजूद थे।

पैर फिसलने से टोंस नदी में बहा युवक, सर्च अभियान तलाश जारी

उत्तरकाशी : त्यूणी में पैर फिसलने से एक युवक टोंस नदी में बह गया है। सूचना के बाद घटना स्थल पर एसओ मोरी, एसडीआरएफ टीम, मौके पर पहुंचे और युवक की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस टीम सर्च अभियान में जुटी थी। देर सायं तक पुलिस युवक की तलाश में जुटी है रही है । घटना रविवार तड़के सुबह की है त्यूणी क्षेत्र में हनोल मंदिर निकट टोंस नदी में बह गया। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ युवक की तलाश कर रही है। काफी देर तक भी युवक का कोई सुराग नही लग पाया। पुलिस ने बताया कि सुबह जखोल निवासी युवक दिनेश पुत्र हरिपाल हनोल मंदिर गया था। इस दौरान वहां नदी किनारे गया अचानक पैर फिसलने के कारण वह नियंत्रण खो बैठा और टौंस नदी में बह गया। इसकी सूचना आसपास के लोगों ने पुलिस को दी।

मातृ दिवस पर बच्चों ने माताओं को भेंट की श्रीमद्भगवद्गीता

सरस्वती विद्या मन्दिर श्रीनगर में मातृ दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

श्रीनगर। सरस्वती विद्या मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीनगर में रविवार को मातृ दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा माताओं का पूजन-तिलक और आरती की गई। इस दौरान बच्चों ने 108 माताओं को शुभ कामना पत्र सुन्दरकाण्ड एवं श्रीमद्भगवद्गीता की पुस्तकें भेंट स्वरूप प्रदान कि। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी रमा अग्रवाल एवं शकुन्तला अग्रवाल ने सभी माताओं एवं बच्चों को माँ की महनीय भूमिका के बारे में पुराणों में वर्णित अनेक उपाख्यानों के माध्यम से बताया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश चन्द्र मैठाणी ने बच्चों के विकास में माताओं की महनीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मातृ दिवस पर माताओं के पूजन, अर्चन एवं वन्दन के ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में उच्च संस्कारों का विकास होता है। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मन्दिर श्रीनगर के प्रधानाचार्य गोविन्द, आशा फरासी, कुसुम रूडोला, रचना नेगी, मोनिका पाण्डेय, भक्तिराम नैथानी, प्रदीप खंकरियाल, राजेन्द्र पुरोहित, सुरेश पोखरियाल, ताजबर सिंह बिष्ट, बृजमोहन चमोली सहित आदि मौजूद थे।

विपिन चौहान बने अध्यक्ष

कोटद्वार । जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ की दुगड्डा इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन कर लिया गया है। कार्यकारिणी में विपिन चौहान को अध्यक्ष चुना गया। इस संबंध में संघ की आयोजित बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें विपिन चौहान को अध्यक्ष, देवेंद्र सिंह रावत को उपाध्यक्ष, उमा बुड़ाकोटी को कोषाध्यक्ष, रवींद्र मंजेड़ा को ब्लाक मंत्री और सुदर्शन प्रसाद जुयाल को संयुक्त मंत्री चुना गया।

डॉ. जयपाल सिंह हुए ग्लोबल सोशलिस्ट अवार्ड से सम्मानित

कोटद्वार । भारतीय दलित साहित्य अकादमी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह को फरीदाबाद में कुछ दिन पूर्व आयोजित कार्यक्रम में मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड फरीदाबाद की ओर से ग्लोबल सोशलिस्ट अवार्ड - 2025 से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें सामाजिक कार्य, समानता, सामाजिक न्याय व सामाजिक नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने पर प्रदान किया गया। यह जानकारी देते हुए अकादमी के मंडलीय अध्यक्ष डा. सुरेंद्र लाल आर्य ने बताया कि डॉ. जयपाल सिंह लंबे समय से भारतीय दलित साहित्य अकादमी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष हैं। उप कोषाधिकारी पद से सेवानिवृत्त होकर वे वर्तमान में सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए हैं।उनकी इस उपलब्धि पर अकादमी के महासचिव डॉ सीएल भारती, डॉ जसवंत लाल, जिलाध्यक्ष पौड़ी संजय कुमार व जिलाध्यक्ष कोटद्वार प्रमोद कुमार चौधरी सहित अकादमी से जुड़े अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

नि:स्वार्थ सेवा की मिसाल बनीं पौड़ी जनपद की नर्सिंग अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस हर साल 12 मई को दुनिया भर में चिकित्सा क्षेत्र में नर्सों के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन केवल उनके कार्यों को सराहने का अवसर नहीं है, बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि नर्सें स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं।

पौड़ी जनपद में कार्यरत नर्सिंग अधिकारी इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं कि सेवा भाव, समर्पण और निष्ठा से किया गया कार्य न केवल दूसरों के जीवन को बदलता है, बल्कि स्वयं को भी संतोष और गौरव की अनुभूति कराता है।सीएचसी थलीसैंण में कार्यरत नर्सिंग अधिकारी लक्ष्मी का कहना है कि रोगियों के प्रति सेवा भाव हमारी पहली प्राथमिकता है। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं इस माध्यम से समाज की सेवा कर पा रही हूं।

वहीं बेस अस्पताल कोटद्वार की नर्सिंग अधिकारी लीना खरबंगा बताती हैं कि मुझे मरीजों की देखभाल करना अपने जीवन का कर्तव्य लगता है।

जब कोई मरीज स्वस्थ होकर मुस्कुराता है और आभार प्रकट करता है, तो वही पल मेरे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा बनता है। इसके अलावा उप जिला चिकित्सालय में तैनात नर्सिंग अधिकारी अनीता भारती कहती हैं, स्टाफ नर्स ही सबसे पहले और आखिरी बार मरीज के संपर्क में रहती हैं। हम अपने निजी दुख-दर्द भूलकर मरीजों को प्राथमिकता देते हैं, यही हमारी पहचान है।

देवलसारी तितली महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। प्रसिद्ध पर्यटक स्थल देवलसारी में चल रहे तितली महोत्सव के चौथे दिन प्रकृति प्रेमियों, छात्रों और फोटोग्राफरों ने इस क्षेत्र की जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य का करीब से अनुभव किया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली, देहराद. ून सहित स्थानीय क्षेत्रों से आए पर्यटकों और छात्रों ने देवलसारी का भ्रमण कर रंग-बिरंगी तितलियों को निहारा और उनके बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

देवलसारी की शीतल वादियों और समृद्ध वन संपदा ने जहां आगंतुकों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं यहां की जैव विविधता और पर्यावरणीय महत्त्व पर भी गंभीर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित गोष्ठी में मैती आंदोलन के प्रणेता और वरिष्ठ पर्यावरणविद् कल्याण सिंह ने कहा कि देवलसारी न केवल एक मनोरम पर्यटन स्थल है, बल्कि यह वन्यजीव और जैवविविधता शोध के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि यहां के देवदार वृक्षों और जैव विविधता का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, जिसे स्थानीय समुदाय और संबंधित विभागों के समन्वित प्रयास से ही सुनिश्चित किया जा सकता है।

कल्याण सिंह ने संतुलित पर्यटन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अधिक पर्यटक भार से स्थानीय पर्यावरण को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए जरूरी है कि यहां का पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए ही पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने स्थानीय लोगों की भूमिका को अहम बताया और संरक्षण कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताया। महोत्सव के दौरान पर्यटकों और फोटोग्राफरों ने देवलसारी की सुरम्य वादियों में विचरण करती विभिन्न प्रजातियों की तितलियों को अपने कैमरों में कैद किया। इस अवसर पर स्थानीय नेचर गाइड केशर सिंह ने बाहर से आए मेहमानों को देवलसारी के इतिहास, प्राकृतिक विविधता और पर्यावरणीय महत्त्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनके मार्गदर्शन में पर्यटकों ने कई दुर्गम लेकिन मनोरम स्थलों का भ्रमण किया।

देवलसारी पर्यटन संरक्षण एवं विकास समिति के निदेशक अरुण गौड़ ने बताया कि तितली महोत्सव के माध्यम से न केवल देवलसारी की प्राकृतिक विरासत को उजागर किया जा रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन की अवधारणाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि बाहरी पर्यटक, छात्र और फोटोग्राफर यहां की जैव विविधता और वातावरण से अत्यधिक प्रभावित नजर आए। देवलसारी तितली महोत्सव के इस सफल आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता के साथ पर्यटन को जोड़ा जाए, तो यह न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरणीय चेतना को भी जनमानस में स्थापित करता है।

गांव में जल उत्सव के साथ शुरू हुआ संरक्षण अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की ग्राम पंचायत कोठार में शनिवार को जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत जल उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो केवल एक आयोजन नहीं बल्कि जल संकट के प्रति जन-जागरूकता और ग्रामीण सहभागिता की एक मजबूत शुरुआत के रूप में सामने आया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक शक्ति लाल शाह और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों के साथ मिलकर पैतृक जल स्रोतों की पूजा-अर्चना की गई और गांव के समीप वृक्षारोपण कर जल और हरियाली के अटूट संबंध को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

विधायक शक्ति लाल शाह ने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने वैज्ञानिक शोधों का हवाला देते हुए बताया कि गंगा, यमुना और शारदा जैसी जीवनदायिनी नदियों के जल स्तर में हो रही निरंतर गिरावट गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने प्रमुख हिमनदों के तेजी से खिसकने को भविष्य के लिए चेतावनी बताते हुए कहा कि जल संकट को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जल उत्सव कार्यक्रम को भिलंगना क्षेत्र के 35 गांवों में आयोजित किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने जल उत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए ग्रामीणों से कहा कि वे अपने-अपने गांवों में पारंपरिक जल स्रोतों जैसे नाले, धारे और गदेरे के संरक्षण के लिए प्रशासन के साथ समन्वय में काम करें। उन्होंने मौके पर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और सड़क से जुड़ी समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में विकासखंड मुख्यालय में एक भव्य आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल स्रोतों को बचाने और उनकी देखरेख के लिए समाज को जागरूक किया। इसके साथ ही बच्चों और ग्रामीणों को जल स्रोतों के संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई, जिससे आयोजन को व्यावहारिक और प्रेरणात्मक आयाम मिला। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट, बीडीओ विपिन सिंह, डीपीओ अनुज बहुगुणा, ग्राम प्रशासक दीपक पैन्यूली, पूर्व जिला पंचायत सदस्य केदार बर्थवाल, समाजसेवी रामकृष्ण सेमवाल, दौलतराम तिवाड़ी, गुणानंद उपाध्याय, केदार सिंह रावत, दिनेश भजनियाल और धीरज नौटियाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति व ग्रामीण उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल एक दिन का उत्सव रहा, बल्कि जल संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने और पारंपरिक संसाधनों के प्रति सम्मान जाग्रत करने की दिशा में एक प्रभावशाली प्रयास सिद्ध हुआ है।

विधायक निधि से बंगाण क्षेत्र की 18 ग्राम पंचायतों को वितरण किया सामग्री

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिला मंगदलों को सामूहिक संसाधनों की सौगात दी है।

क्षेत्रीय विधायक ने अपने विधायक निधि से सीमांत आराकोट बंगाणा क्षेत्रों के 18 ग्राम पंचायतों में आवश्यक सामूहिक सामग्री महिला मंगदलों को वितरण की है। इन साम. ग्रियों में टैंट, कुर्सियां ,बर्तन, दरियाँ,ढोलक सहित कुल 15 प्रकार की वस्तुए शामिल है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं रही है। ग्रामीणों एवं क्षेत्रीय महिला मंगल दलकों ने विधायक के इस प्रयास की सहराना की । अपने संबोधन में विधायक दुर्गेश्वर लाल ने कहा कि यह सामग्री ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु राज्य सरकार 'लखपति दीदी योजना' सहित अनेक कल्याणकारी योजनाएँ चला रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। जिलाध्यक्ष भाजपा नागेन्द्र सिंह चौहान ने अपने संबोधन में सरकार एवं विधायक के विकास के कार्यों को महिलाओं के सम्मुख रखा।

नीर वॉटरफॉल बना चारधाम यात्रियों का नया विश्राम स्थल

■ प्राकृतिक सुंदरता और ठंडे जल की डुबकी से यात्री पा रहे सुकून
क्यारकी व्यू प्वाइंट से दिखता ऋषिकेश और गंगा का मनोहारी दृश्य

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद टिहरी गढ़वाल के नरेंद्रनगर क्षेत्र स्थित मुनि की रेती के समीप जंगलों के बीच बसे नीर गांव का प्रसिद्ध नीर वॉटरफॉल अब चारधाम यात्रियों और अन्य पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे से लगभग दो किलोमीटर ऊपर स्थित यह प्राकृतिक झरना गर्मी के मौसम में यात्रियों को ठंडक और सुकून देने वाला एक विशिष्ट स्थान बन गया है।

चारधाम यात्रा से लौटते हुए थकान से चूर यात्री जब नीर वॉटरफॉल की शीतल धाराओं में डुबकी लगाते हैं, तो उन्हें न केवल ताजगी का अनुभव होता है, बल्कि प्रकृति के समीप होने का सुकून भी मिलता है। यह झरना न केवल मनोरम दृश्य प्रदान करता है, बल्कि यात्रियों को स्वच्छता और प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण का संदेश भी देता है।

वन विभाग नरेंद्रनगर की ओर से संचा. लित पर्यटक चौकी से टिकट लेकर पर्यटक इस जलप्रपात तक पहुंच सकते हैं। सड़क से लगभग 500 मीटर की पैदल दूरी पर स्थित यह स्थल प्राकृतिक सैर का आनंद देने के साथ-साथ एक रोमांचकारी अनुभव भी प्रदान करता है। सप्ताहांत पर यहां इतनी भीड़ उमड़ती है कि नीरगढ़ मोटर मार्ग पर पर्यटकों की गाड़ियों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे इस स्थल की बढ़ती लोकप्रियता का अंदा. जा लगाया जा सकता है।

हरियाणा से आए एक चारधाम यात्री मुनेश ने बताया कि नीर वॉटरफॉल जैसे प्राकृतिक जल स्रोत यात्रा की थकान दूर करने का एक बेहतरीन माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इन झरनों का आनंद तो लेना चाहिए, लेकिन इसके साथ-साथ इनकी सफाई और सौंदर्य को भी बनाए रखने की जिम्मेदारी हर पर्यटक की है। उन्होंने अन्य यात्रियों से भी अपील की कि वे इस प्राकृतिक धरोहर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।

नीर वॉटरफॉल की बढ़ती लोकप्रियता ने स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के नए द्वार भी खोल दिए हैं। झरने के आसपास खोली गई छोटी-छोटी दुक. ानों से स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। यह स्थल केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए ही नहीं, बल्कि उन ग्रामीणों के लिए भी एक वरदान बनकर उभरा है, जिनका जीवन अब पर्यटन आधारित आय पर निर्भर करता है।

पर्यटक यहां से थोड़ी सी चढ़ाई कर क्यारकी व्यू प्वाइंट तक भी पहुंचते हैं, जहां से वे ऋषिकेश नगर और गंगा नदी के भव्य दृश्य का आनंद लेते हैं। शाम के समय यह स्थान और भी मोहक हो उठता है, जब सूर्यास्त का दृश्य आंखों को मंत्रमुग्ध कर देता है। कुछ पर्यटक रात्रि तक यहां रुककर गंगा किनारे बसे ऋषिकेश शहर की चमचमाती रौशनी का अद्भुत नजारा भी देखते हैं, जो स्मृति में हमेशा के लिए बस जाता है।

नीर वॉटरफॉल अब न केवल एक पर्यटन स्थल है, बल्कि यह एक ऐसी जगह बन गया है जहां प्रकृति, शांति, रोजगार और जिम्मेदारी का मेल देखने को मिलता है। शासन-प्रशासन यदि इस क्षेत्र में सुविधाओं का और विस्तार करे तो यह स्थल भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना सकता है।

चारधाम यात्रा के दौरान व्यवस्थाएं चाक चौबंद:द्विवेदी

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने रविवार को श्रीनगर पहुंचने बद्री-केदार मंदिर समिति के श्रीनगर स्थित विश्राम गृह का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विश्राम गृह के प्रबंधकों को विश्राम गृह में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

साथ ही विश्राम गृह में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र ठीक कर संचालन करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विश्राम गृह के कमरों की स्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था के साथ यात्रियों को दी जाने वाल सुविधाओं की जानकारी ली।

इस मौके पर उन्होंने विश्राम गृह में लगे कैमरों के संचालन न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बंद पड़े कैमरों को ठीक करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी कमरों को बेहतर बनाने के साथ पर्याप्त रूप से साफ रखने की बात कही।

कहा कि विभागीय अधिकारियों के साथ समिति के विश्राम गृहों को और बेहतर बनाने को लेकर चर्चा की जायेगी। कहा कि बीकेटीसी का प्रयास रहेगा कि श्रद्धालुओं को मंदिर समिति के विश्रामगृह में ठहरने में किसी तरह की परेशानी न हो। समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखा जा रहा है।

कहा कि शासन-प्रशासन पल-पल की निगरानी कर रहा है, ताकि यात्रा को सफल व सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। उन्होंने भारत-पाक तनाव मुद्दे को लेकर कहा कि चारधाम यात्रा सुरक्षित रूप से संचालित हो रही है।

12.51 करोड़ की लागत से बना हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल

पूर्व विधायक की स्मृति में बने कम्युनिटी हॉल का मुख्यमंत्री धामी ने किया लोकार्पण

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को निकट छावनी परिषद कार्यालय गढ़ीकैंट में पूर्व विधायक स्वर्गीय हरबंस की स्मृति में निर्मित कम्युनिटी हॉल का लोकार्पण किया । मुख्यमंत्री ने स्व. हरबंस कपूर को नमन करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन राज्य और देहरादून की सेवा, विकास एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जीवन भर, जनसेवा को प्राथमिकता दी। अपने व्यवहार से उन्होंने प्रत्येक नागरिक के दिल में विशेष जगह बनाई। मुख्यमंत्री ने कहा एमडीडीए द्वारा 12 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित ये सामुदायिक भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। कम्युनिटी हॉल के बनने से क्षेत्र के लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी सामाजिक आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने एम.डी.डी.ए. को सामुदायिक भवन के संचालन के लिए एस.ओ.पी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा ऐसी व्यवस्था बनायी जाए कि यह सामुदायिक भवन उचित दर पर आमजन को आसानी से उपलब्ध हो सके।

■ उचित दरों पर आमजनता को उपलब्ध हो सकेगा सामुदायिक भवन ,मंत्री गणेश जोशी, विधायक सविता कपूर सहित कई गणमान्य हुए शामिल

रिस्पना- बिंदाल पर एलिवेटेड रोड की योजना तैयार

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार देहरादून को आधुनिक और विकसित शहर बनाने के लिए कार्य कर रही है। देहरादून में लगभग 14 सौ करोड़ रुपये की लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। देहरादून में ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या के स्थायी समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य जारी है। रिस्पना और बिंदाल नदियों के ऊपर एलिवेटेड रोड के निर्माण की योजना भी तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा देहरादून को ऐसा शहर बनाया जा रहा है जो विकास, पर्यावरण संरक्षण और जन सुविधाओं के क्षेत्र में देशभर में एक आदर्श उदाहरण बने। इसके साथ ही देहरादून दिल्ली एलिवेटेड रोड, सोंग बांध परियोजना, जैसी अनेकों योजनाओं पर कार्य जारी है।

अन्य स्थानों पर भी भवनों का निर्माण: बंशीधर तिवारी

वी.सी. (एमडीडीए) बंशीधर तिवारी ने बताया कि हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल डेढ़ साल में बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने बताया मुख्यमंत्री ने इस भवन की नींव रखी थी। मुख्यमंत्री के निर्देशों पर एमडीडीए ने तय समय के अंदर भवन निर्माण कार्य पूरा किया है। जिसमें इसकी गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया अन्य स्थानों पर भी ऐसे भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री का ध्येय आमजन को सहूलियत एवं उनके जीवन को सरल बनाना है जिसके अनुरूप विकास कार्य किए जा रहे हैं।

पूर्व शिक्षक सेमवाल को मिला मॉरीशस में सारथी सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। पूर्व शिक्षक कालिका प्रसाद सेमवाल को मॉरीशस सनातन धर्म टेंपल फैडरेशन, हिन्दी प्रचारिणी सभा एवं वृहद पुरोहित संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री अनिल कुमार बच्चू ने अन्तर्राष्ट्रीय शब्द सारथी सम्मान प्रदान किया। विदित हो कि गत दिनों सेमवाल को मुम्बई की साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के दल के साथ मॉरीशस धार्मिक व सांस्कृतिक यात्रा पर गए थे। मॉरीशस के विभिन्न स्थानों पर दल के सदस्यों ने भारतीय संस्कृति, राम चरित मानस, हिन्दी के बढ़ते कदम, गौ, गंगा आदि विषयों पर आयोजित सेमिनार संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया, जिसमें कालिका प्रसाद सेमवाल ने भी विचार व्यक्त किए तथा इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय शब्द सारथी सम्मान प्रदान किया गया।

जेनिथ फेस्ट में पॉडवाज ने बहाई उत्तराखण्डी लोक संस्कृति की बयार

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । श्री गुरु राम राय विश्व. विद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव जेनिथ फेस्ट 2025 के दूसरा दिन देशभक्ति के गीतों की बहार बही। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देश प्रेम की गीतों को देखा और छात्र-छात्राओं की हौंसलाफजाई की। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम स्थल भारत माता की जय, हिन्दुस्तान जिंदाबाद वीर सपूतों की जय से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का दूसरा आकर्षण उत्तराखण्ड का लोकप्रिय बैण्ड पॉडवाज की प्रस्तुतियां रहीं। विश्वविद्यालय के हेलीपैड ग्राउंड पर उमड़े हजारों छात्रों ने इस दिन को एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया। उत्तराखंड के प्रसिद्ध पांडवाज बैंड की मनमोहक लाइव परफॉर्मेंस ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

अनुभव ऐसा कि ढोल धमाऊं की थाप पंडों गीतों पर देवी देवता कार्यक्रम स्थल पर अवतरति हो गए हों।

शनिवार को कार्यक्रम के दूसरे दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड विशिष्ट अतिथि डॉ धन सिंह रावत, स्वास्थ्य एवम् शिक्षा मंत्री उत्तराखण्ड, विनोद चमोली, विधायक धर्मपुर, विपिन चन्द्र घिल्डियाल, चीफ एडवाइजर, श्री गुरु राम राय एजुकेशन मिशन, डॉ कुमुद सकलानी, कुलपति श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय, डॉ जे.पी. पचौरी, सलाहकार, माननीय प्रेसीडेंट, श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय शौर्य के योगदान को याद किया।

उन्होंने वीर अमर शहीदों के बलिदान को नमन किया ।उन्होंने काह कि उत्तराखंड देवभूमिवीरों की भूमि है।जब जब देश को आवश्यकता पड़ी है। उत्तराखंड के वीर जवान का शौर्य सबसे आगे रहा है।उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय के माननीय प्रेसिडेंट श्री महंत देवेंद्र दास महाराज के योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा कि

श्रीमहंत देवेंद्र दास महाराज के कुशल मार्गदर्शन में एसजीआरआर ग्रुप के संस्थान उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैँ

स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में श्री महंत इंदिरेश अस्पताल राज्य सरकार के सबसे महत्त्वपूर्ण सहयोगी के रूप में कार्य कर रहा है।उत्तराखंड में श्री महंत इंदिरेश अस्पताल में आयुष्मान योजना के सबसे अधिक मरीज लाभान्वित हो रहे हैँ। एसजीआर आर ग्रुप को जब भी सरकार के सहयोग की आवश्यकता होगी, सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा।

धर्मपुर विधानसभा के विधायक विनोद चमोली ने सभी छात्र छात्राओं को बधाई एवम शुभकामनायें दी।

कुलपति प्रो. (डॉ.) कुमुद सकलानी ने कहा कि जेनिथ फेस्ट न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह छात्रों को अपनी रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच भी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक धरोहर और समृद्ध परंपरा का प्रतीक भी है।

संभाषण प्रतियोगिता में अदिति व ऋषभ की जोड़ी छाई

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। दिव्यांग और मानसिक रूप से विशेष बच्चों के पुनर्वास व प्रशिक्षण के लिए काम कर रही संस्था विकल्प ने रविवार को अपना 17वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर दून पुस्तकालय सभागार में आयोजित संभाषण प्रतियोगिता में जसवंत मॉडर्न स्कूल की अदिति सिंह और ऋषभ कुमार की जोड़ी ने पहला स्थान हासिल कर सबको प्रभावित किया। वहीं, जीजीआईसी राजपुर रोड की शाफिया व तमन्ना को द्वितीय स्थान, एसजीआरआर वसंत विहार की सौम्या चौधरी व अवनि को तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता का विषय, 'दिव्यांग व मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण बच्चों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कैसा हो?' था, जिस पर बच्चों ने अपनी बात रखी।

चल वैजयंती ट्रॉफी जसवंत मॉडर्न स्कूल के नाम रही। कार्यक्रम के

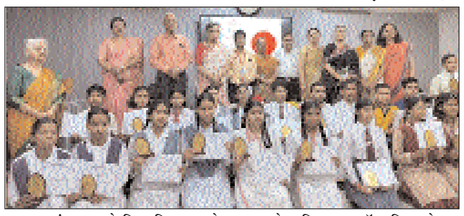

कुशल संचालन के लिए विकल्प के पीआरओ डॉ. अनिल वर्मा को मुख्य अतिथि डॉ. गंडोत्रा और संस्था की अध्यक्ष ने विशेष सम्मान प्रदान किया। प्रतियोगिता में 15 स्कूलों के 30 छात्रों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल में चंद्रशेखर तिवारी, किरन जोशी और अनामिका चौधरी रही। वहीं, विजेताओं को शील्ड, पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. मीनाक्षी गंडोत्रा, प्राचार्या, जसवंत मॉडर्न स्कूल, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार डॉ. सविता मोहन, विशिष्ट अतिथि डॉ. जी.सी. पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीआरडीओ, शिक्षाविद डॉ. कमला पंत, भारती पाण्डेय, एमसी पाण्डेय व डॉ. अनिल वर्मा, मीनाक्षी लोहानी, सुभाषिनी डिमरी, आर.के. बहुगुणा, मेजर प्रेमलता वर्मा, विजयलक्ष्मी अग्रवाल, सरिता बोरा, राजश्री कपूर, शोमा पाण्डेय, राकेश कुमार, अवतार सिंह, प्रकाश बिष्ट, जामवंती पुष्पवाण, सुमित पाण्डेय, नेहा कपूर आदि मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर में 25 यूनिट ब्लड एकत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून।भारतीय रेडक्रॉस शाखा देहरादून एवं देवभूमि युवा संगठन डेवलपमेंट एंड रूलर इन्वेस्टमेंट एंड मोटिवेशन समिति के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर भारतीय रेडक्रॉस शाखा देहरादून के चेयरमैन डॉ एमएस अंसारी ने किया।

■ भारतीय रेडक्रॉस शाखा देहरादून के चेयरमैन डॉ. एमएस अंसारी ने किया शिविर का शुभारंभ

रक्तदान एकत्रित करने के लिए दून चिकित्सालय की टीम उपस्थिति रही। टीम का नेतृत्व डॉ सना उमर ने किया। देवभूमि युवा संगठन के एमडी दीप प्रकाश नौटियाल ने रक्त दाताओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर नीलम नौटियाल, शिवम नौटियाल, आरुष नौटियाल , मोहन सिंह खत्री, सलोनी, राजेश्वरी नेगी, शुभम नेगी , उपस्थित रहे। रेड क्रॉस देहरादून की सचिव कल्पना बिष्ट ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। रक्तदान शिविर में 25 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

जल जीवन मिशन में भुगतान में हो रही देरी पर जताई नाराजगी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून । देवभूमि जल शक्ति कांट्रेक्टर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आज चन्दन नगर देहरादून में एक बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक को देवभूमि जल शक्ति कांट्रेक्टर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने संबोधित किया।

अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री का लक्ष्य हर घर जल, हर घर तक नल पहुंचना था जिसको हमारे प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यो को करवाने के लिए अथक प्रयास किए गए ,जिसमें हमारे ठेकेदारों ने काफी तेजी से कार्य किया।

परंतु विगत वर्ष उचित धन आवंटन

न होने के कारण जो योजना 80 से 90 प्रतिशत पूर्ण है। उससे जनता को शुद्ध जल अभी तक नहीं पहुंच सका है क्योंकि धन न होने के कारण ठेकेदार काम को पूर्ण करने में असमर्थ है।

इन सभी प्रोजेक्ट के ठेकेदार दोनों तरफ से फंस चुके है फंड न आने के कारण एवं समय पर काम करने का दबाव बनता जा रहा है। अब ठेकेदारों का फाइनेंशियल स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है की वे लेबर, स्टाफ, मशीनरी एवं अन्य वेंडरों को पेमेंट करने तक की स्थिति में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं में ठेकेदार द्वारा किए गए काम जो की अधूरे हैं, नलों में पानी न होने के कारण या सड़क भराई न होने के कारण जनता में काफी रोष भी है और जनता की नाराजगी ठेकेदारों को उठानी पर रही है।

अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि जल जीवन मिशन के काम में ठेकेदारों का करीब दो हजार करोड़ से भी अधिक का भुगतान किया जाना है। बिना बजट भुगतान के ही ठेकेदारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट और सामाजिक कार्य के लिहाज से 80 से लेकर 95 प्रतिशत तक काम पूरे कर दिए हैं। इसके बाद भी समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है।

सरकार द्वारा अन्य जो पैसा रिलीज भी हो रहा है वह भी बूंद बूंद कर ठेकेदारों के पास आ रहा है ,जिससे ठेकेदार बैंक का ब्याज, जीएसटी एवं इनकम टैक्स भी नहीं भर पा रहे हैं। देवभूमि जल शक्ति कांट्रेक्टर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया एवं विभागों से आग्रह किया कि पेमेंट जारी किया जाए। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सचिन मित्तल एवं महासचिव सुनील गुप्ता उपस्थित रहे।

ओवैस थानवी अध्यक्ष व डॉ. उस्मानी महासचिव निर्वाचित

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रोग्रेसिव कम्युनिटी देहरादून का वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ जिसमें सैयद अहमद थानवी को पुन: अध्यक्ष, गुलाम साबिर सिद्दीकी को उपाध्यक्ष और डॉ. जमशेद उस्मानी को महासचिव निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष थानवी ने घोषणा की कि प्रोग्रेसिव कम्युनिटी की और से जल्द ही दूसरा 'प्रतिभा सम्मान समारोह' आयोजित किया जाएगा।वार्षिक चुनाव में 11 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी का चुनाव किया गया जिसमें सैयद ओवैस अहमद थानवी अध्यक्ष, गुलाम साबिर सिद्दीकी व खालिद फारुकी उपाध्यक्ष, डॉ. जमशेद उस्मानी जनरल सेक्रेटरी, सिहाब तस्लीम फारुकी, अशरफ हाशमी व सैयद तनवीर अहमद सेक्रेटरी, मोहम्मद आरिफ सिद्दीकी कोषाध्यक्ष, सैयद सुहेल जमीर

कन्वीनर व एडवोकेट मोहम्मद दानिश गजाली ऑडिटर निर्वाचित हुए।इस अवसर पर प्रोग्रेसिव कम्युनिटी देहरादून के अध्यक्ष सैयद ओवैस अहमद थानवी ने कहा कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुत जल्द प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें हाई स्कूल और इंटर के उत्तरीण छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

पाक का सीजफायर मांगना भारतीय सेना की जीत : भाजपा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा ने पाक द्वारा मांगे, सीज फायर को भारतीय सेना की जीत और पाक के साथ संबंधों की नई एवं कड़ी शुरुआत बताया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि, हमने ऑपरेशन सिंदूर से टॉप आतंकियों को उनके घरों में दफन किया और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान ध्वस्त कर उन्हें रणनीतिक और मनोवैज्ञानिक क्षति पहुंचाई है।

वहीं सैन्य कार्रवाई की उपलब्धि पर सवाल खड़ा करने वालों को आइना दिखाया कि 71 के बाद तो अधिकांशत कांग्रेस की सरकार ही देश में रही और सबसे अधिक आतंकवादी घटनाएं भी हुई लेकिन सर्जिकल स्ट्राइक तो दूर, कभी कोई छोटी सी कार्रवाई का साहस भी जुटा नहीं पाए।

■ भारत की ताबड़तोड़ सैन्य कार्रवाई से ही पाक आया घुटनों पर: भट्ट ,71 के बाद सीमापार का साहस नहीं करने वाले सैन्य उपलब्धि पर उठा रहे सवाल

मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के निर्देश पर भारतीय सेना, ऑपरेशन सिंदूर का लक्ष्य हासिल करने में पूरी तरह सफल हुई है। जिसमें सीमापार 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर सैकड़ों आतंकियों और उनके 5 टॉप कमांडरों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया है। प्रतिक्रिया में पाकिस्तान के जितने भी ड्रोन और मिसाइल भारतीय आसमान में आए उन्हें जमीन पर उतरने से पहले ही ध्वस्त कर दिया गया। उनकी इस हिमाकत का जवाब हमारी सेनाओं ने पाक के 6 एयर बेस तबाह कर दिए, एयर डिफेंस बर्बाद किया, लड़ाकू विमान जमींदोज किए। हमारी सेनाओं के हमले और सरकार की कूटनीतिक से मात्र 72 घंटे में पाकिस्तान घुटनों पर आया और सीजफायर की मांग की। जिसे स्वीकार करने से पहले ही, भारत सरकार ने अपनी नीतियों में बड़ा बदलाव किया और भविष्य में आतंकी हमलों को जंग मानकर कार्रवाई की नई नीति घोषित की।

उन्होंने कहा कि भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में पाकिस्तान के साथ संबंधों के नियमों को हमने फिर से लिखा है।

भारत ने रणनीतिक संकल्प के साथ पाकिस्तान के परमाणु बम की गीदड़भभकियों का जवाब दिया। लाहौर से रावलपिंडी तक पाकिस्तानी सैन्य क्षेत्रों में अंदर तक हमला कर अपनी पहुंच का अहसास कराया है। हमने बता दिया है, पाकिस्तान का एक एक इंच भूभाग भारत की पहुंच से बाहर नही है और आतंकी जिस कोने में पनपेंगे वहीं मार गिराएंगे। सरकार ने सिंधु जल संधि को रोककर पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया गया है। इसी तरह भारत ने कूटनीतिक रूप से पाकिस्तान को अलग-थलग कर दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र का पर्दाफाश हो गया है।

डॉ. पसबोला योग दिवस तक के लिए बने आयुर्वेद विभाग के मीडिया प्रभारी

देहरादून। डॉ. डीसी पसबोला को योग दिवस के उपलक्ष्य में 1 मई से 21 जून 2025 तक के लिए योगाभ्यास की आयोजित की जाने वाली विभिन्‍न गतिविधियों को डिजिटल माध्यम से प्रचार एवं प्रसार करने के लिये जनपद देहरादून का मीडिया प्रभारी नामित किया गया है। इस सम्बन्ध में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी देहरादून उत्तराखंड डॉ. जीसी एस जंगपांगी ने आदेश जारी कर दिए गए हैं। डॉ. डीसी पसबोला राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी भी है।

नौगांव सेवरी फल पट्टी में भारी ओलावृष्टि से बागवानी को नुकसान

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: जिले में आये दिनों दोपहर बाद हो मौसम खराब हो रहा है। रविवार को दोपहर बाद यमुनाघाटी में जमकर बारिश और ओलावृष्टि हुई। बड़कोट यमुनोत्री क्षेत्र में बारिश, आंधी और ओले गिरने से नौगांव सेवरी क्षेत्र में जमकर ओलावृष्टि होने से बागवानी एवं नगदी फसलें बर्बाद हो गई। सबसे अधिक नुकसान सेब के बागवानों का हुआ है।

नौगांव प्रखंड के अंतर्गत भाटिया गांव के रानी बाग, बूतोगरी, सौंदाडी, नाशूका आदि तोकों रविवार दोपहर जमकर ओलावृष्टि होने से सेब, गेहूं,

टमाटर आदि फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों में मायूसी छा गई। वहीं प्रगतिशील काश्तकार आजाद डिमरी ने बताया कि भाटिया गांव के आसपास क्षेत्रों में पौने घंटे तक हुई ओलावृष्टि से बागवानी एवं नगदी फसलों को नुक्सान पहुंचाया है।

ड्रीमर्स एड्यू हब में 'दावत' एप्टीट्यूड टेस्ट का सफल आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ड्रीमर्स एड्यू हब में आयोजित एनडीए श्दावतश ड्रीमर्स अवॉर्ड विनिंग एप्टीट्यूड टेस्ट में हजारों छात्रों ने देहरादून के साथ साथ देश के अलग अलग जगहों से आकर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्थान परिसर में आयोजित इस आयोजन में छात्रों का उत्साह देखने योग्य था दावत की यह परीक्षा यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था।

परीक्षा में कई छात्रों ने शानदार सफलता हासिल करते हुए टॉप स्थान प्राप्त किए।परीक्षा के बाद आयोजित

सम्मान समारोह में टॉपर्स को विशेष कैश अवॉर्ड, सर्टिफिकेट और मेडल प्रदान किए गए। संस्था के निदेशक हरिओम चौधरी एवं प्रमुख शिक्षकों ने मंच से सभी विजेताओं का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। वहीं संस्था की सह संस्थापिका अंकिता तनेजा ने भी बच्चों से कहा कि आप लोग अच्छी पढ़ाई करें अपने गुरुजन और माता पिता के सपनो को सच करे और ड्रीमर्स ये दावत टेस्ट आगे भी जारी रखेगा ।

देहरादून को स्लम मुक्त बनाने की कवायद तेज

प्रमुख संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड की अस्थाई राजधानी को स्लम और आपदा दरिद्रता मुक्त बनाने की दिशा में जिलाधिकारी सविन बंसल ने बड़ी पहल की है। ऋषिपर्णा सभागार में मलिन बस्तियों को लेकर हुई समीक्षा बैठक में उन्होंने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अब कोई भी विभाग कानून, जमीन स्वामित्व या कार्यक्षेत्र की आड़ में बहाना नहीं बनाएगा। डीएम ने कहा, जब प्रशासन कमिटमेंट कर लेता है, तो वह उसे पूरा भी करता है। डीएम ने नगर निगम से 2016 से पहले और बाद में बसी 88 मलिन बस्तियों की अद्यतन सूची पांच दिन में उपलब्ध कराने को कहा है।

साथ ही एमडीडीए को भी पुनर्वास के लिए उपलब्ध भूमि की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी के.के. मिश्रा, अपर नगर आयुक्त हेमंत वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, एमडीडीए के अधिकारी अतुल गुप्ता, नीतिन गुप्ता सहित सिंचाई, राजस्व, नगर निगम और अन्य रेखीय विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

■ जिलाधिकारी सविन बंसल ने संभाला मोर्चा, नगर निगम व एमडीडीए को 88 बस्तियों की सूची सौंपने के निर्देश, बिंदाल और रिस्पना नदी किनारे से हटेगा अतिक्रमण

नदी किनारे बसेगी नई उम्मीद, बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर

डीएम ने स्पष्ट किया कि बिंदाल और रिस्पना नदी किनारे बनी बस्तियों को हटाकर वहां रहने वालों को सुरक्षित और सम्मानजनक पुनर्वास दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ी हटाने के साथ ही पर्यावरणीय संतुलन और नदी की सफाई भी जरूरी है। इसके लिए एलिवेटेड कॉरिडोर समेत सौंदर्यीकरण योजनाओं को जल्द अमल में लाया जाएगा। रिस्पना नदी पर 11 किलोमीटर और बिंदाल पर 15 किलोमीटर लंबा चार लेन एलिवेटेड कॉरिडोर प्रस्तावित है।

इसके साथ दोनों नदियों के किनारे रिटेनिंग वॉल, बाढ़ सुरक्षा और सीवरेज व्यवस्थाएं भी सुधारी जाएंगी।

यह असंभव नहीं, बस सोच बदलने की जरूरत है

डीएम बंसल ने कहा, "स्लम हमारे समाज की लापरवाही और असंवेदनशीलता की उपज हैं।

हमें इसे ठीक करना ही होगा।" उन्होंने कहा कि स्लमवासियों को गौरवपूर्ण जीवन देना हमारा दायित्व है और प्रशासन इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे मानसिक अवरोध हटाएं और इस सोच से बाहर आएं कि यह असंभव कार्य है। यदि नीयत और योजना स्पष्ट हो, तो हर असंभव कार्य संभव हो सकता है।

एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने जिले में शुरू किया गहन सत्यापन अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर जनपद की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस ने शहर से देहात तक व्यापक स्तर पर सत्यापन अभियान शुरू किया है। एसपी देहात व एसपी सिटी को अभियान की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गयी है। अभियान में जुटे पुलिसकर्मियों को जनपद में बिना सत्यापन के रह रहे व्यक्तियों की जड़ तक कुंडली खंगलाने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत एसएसपी ने सभी कोतवाली एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में रह रहे बाहरी व्यक्तियों, किराएदारों, होटल, ढाबों में काम करने वाले कर्मचारियों, बाजारों में घूमने वाले संदिग्धों, फड़-फेरी लगाने वालों तथा वाहन चालकों को सत्यापन सुनिश्चित करें। एसएसपी ने कहा कि पुलिस की यह मुहिम न केवल अपराध की रोकथाम में सहायक सिद्ध होगी, बल्कि आमजन में सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करेगी।

बुद्ध पूर्णिमा स्नान के लिए पुलिस प्रशासन ने मेला क्षेत्र को 8 जोन एवं सेक्टरों में बांटा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सोमवार को होने वाले बुद्ध पूर्णिमा स्नान को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने मेला क्षेत्र को 28 जोन एवं 21 सेक्टरों में विभाजित कर सुरक्षा व यातायात के इंतजाम किए हैं। 5 सीओ, 9 इंस्पेकक्र व थानाध्यक्ष, 26 एसआई, एएसआई, 10 महिला सब इंस्पेक्टर, 195 हेडकांस्टेबल, कांस्टेबल, 51 महिला कांस्टेबल, पीएसी तैराक दल की 1 पलाटून, बीडीएस की 2 टीम, घुडसवार पुलिस की 2 टीम, जल पुलि के 16 कर्मचारी, अभिसूचना 12कर्मचारी, फायर सर्विस की 3 यूनिट मेला क्षेत्र में सुरक्षा व यातायात की जिम्मेदारी संभालेंगी।

ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज के सभागार में आयोजित एसपी ट्रैफिक व क्राईम जितेंद्र मेहरा तथा नोडल अधिकारी एसपी सिटी पंकज गैरोला ने स्नान डयूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को ब्रीफ किया।

यूपी से पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थियों को तैनाती देने के लिए प्रक्रिया शुरू

अभ्यर्थियों को नोटिस जारी कर पूछा, कैसे की यूपी में रहकर पढ़ाई

संतोषजनक जवाब मिलने पर अभ्यर्थियों को दी जाएगी नियुक्ति

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश (यूपी) से पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थियों को तैनाती देने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, क्योंकि, इन्हें नोटिस भेजकर पूछा गया है कि उन्होंने यूपी में रहकर कैसे पढ़ाई की है। संतोषजनक जवाब मिलने पर अभ्यर्थियों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो जाएगा।

शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापकों के 184 रिक्त पदों पर पिछले साल जून में भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। हालांकि, ये भर्ती 2021 में शुरू की गई थी। जिसमें कुल 2536 अभ्यर्थियों की ओर से सहायक अध्यापक भर्ती के लिए आवेदन किए गए थे, लेकिन, बाद में कोविड काल होने से भर्ती रुक गई गई। जिससे भर्ती को वर्ष 2024 में शुरू किया गया था। इसमें पांच काउंसलिंग के बाद चयनित अभ्यर्थियों को विभिन्न स्कूलों में तैनात कर दिया गया है, लेकिन, अब तक उत्तर प्रदेश के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र नहीं दिए गए हैं, जबकि, इन अभ्यर्थियों की ओर से लगातार तैनाती देने की मांग की जा रही है, मगर, शिक्षा विभाग की ओर से जांच पड़ताल और शासन के निर्देशों का हवाला देकर टाला जा रहा है।

> उत्तर प्रदेश से पढ़ाई करने वाले अभ्यर्थियों को पोस्टिंग देने के लिए अब चयनित यूपी के सहायक अध्यापकों को नोटिस जारी जवाब मांगा गया है। दस्तावेजों के साथ जवाब मिलने पर इन्हें शासन के निर्देश आने पर नियुक्ति दे दी जाएगी। - **आशुतोष भंडारी,** जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.शिक्षा)

जिससे उत्तर प्रदेश से शैक्षिक योग्यता लेकर पढ़ाई आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को पोस्टिंग नहीं दी जा रही है, पर, अब सहायक अध्यापकों के पदों पर यूपी से पढ़ने वाले अभ्यर्थियों को अध्यायन करने की आस जग गई है।

कांग्रेस का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज से

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा पूरे देश में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिसके परिपेक्ष में उत्तराखंड कांग्रेस द्वारा प्रथम चरण में जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। अब दूसरे चरण में जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें ब्लॉक अध्यक्ष व मण्डलम अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसके क्रम में 12 और 13 मई को स्थानीय गंगा स्वरूप आश्रम में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी कांग्रेस के हरिद्वार जनपद के जिलाध्यक्ष गणों ने देवपुरा स्थित यूनियन भवन में पत्रकारों को दी। पत्रकार वार्ता में हरिद्वार महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजीव चौधरी, रुड़की जिलाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, उत्तराखंड स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुरली मनोहर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज सैनी, एनएसयूआई के अध्यक्ष याज्ञिक वर्मा आदि उपस्थित थे।

कौन बनेगा ज्ञान सम्राट सीजन-2 के ऑडिशन में बच्चों ने किया प्रतिभाग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सनातन रक्षक परिषद एवं सत्य ऑनलाइन प्रोडक्शन के बैनर के तहत बनने वाला कौन बनेगा ज्ञान सम्राट सीजन 2 के भेल सेक्टर-1 स्थित शिवडेल स्कूल में आयोजित ऑडिशन में स्कूल के कथा 4 से नवीं तक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। अभिनेता मुकेश खन्ना कौन बनेगा ज्ञान सम्राट सीजन 2 को अभिनेता मुकेश खन्ना होस्ट करेंगे। ऑडिशन में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि कौन बनेगा ज्ञान सम्राट प्रतियोगिता धर्म ज्ञान पर आधारित है। बच्चों को धर्म और ज्ञान की शिक्षा दिया जाना अति आवश्यक है। देश में चल रहे मौजूदा हालात पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को देश के प्रति जागरूक करना

हमारी जिम्मेदारी है। बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों को धर्म और ज्ञान की शिक्षा नहीं देंगे तो भविष्य में उन्हें जागरूक करना मुश्किल होगा। सनातन रक्षक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री व निर्माता निर्देशक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि कौन बनेगा ज्ञान सम्राट के ऑडिशन संपूर्ण भारत में आयोजित किए जाएंगे। इसमें प्रतिभागियों को धर्म और ज्ञान की शिक्षा दी जाएगी। शो का अगला ऑडिशन लकसर व रूड़की में किया जाएगा। शो के सेमीफाइनल, ग्रैंड फिनाले और मेगा ऑडिशन में अभिनेता मनमोहन तिवारी व मुकेश खन्ना सम्मिलित होंगे। इस दौरान शो के सह निर्माता आकांक्षा पाठक, प्रवेश सैनी, स्कूल के प्रधानाचार्य पुनीत सहित कई लोग मौजूद रहे।

मातृ आंचल की छात्राओं को वितरित किए स्कूल बैग व शैक्षिक सामग्री

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ईजा फाउंडेशन व स्पर्श गंगा के सहयोग से मातृ आंचल कन्या विद्यापीठ में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री एवं हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद के उपाध्यक्ष वीरेंद्र दत्त सेमवाल ने विद्यालय की 60 छात्राओं को स्कूल बैग एवं शैक्षिक सामग्री वितरित की। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाना है। इस अवसर पर राज्य मंत्री वीरेंद्र दत्त सेमवाल ने कहा कि बेटियां केवल परिवार की नहीं बल्कि पूरे समाज की धुरी हैं। बालिकाओं को शिक्षा और सम्मान दिए जाने से ही राष्ट्र समृद्ध बनेगा। विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से निश्चित रूप से छात्राओं में आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार होगा। इस अवसर पर रीता चमोली, मंजू, मनु रावत, ममता आदि मौजूद रहे।

महिला और पुरुष ने ट्रेन के आगे लेटकर दी अपनी जान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र में भेल सेक्टर 2 के पास ट्रेन के आगे कूदकर एक महिला और पुरुष ने आत्महत्या कर ली। महिला व पुरुष के आत्महत्या करने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते जीआरपी और कोतवाली ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

जानकारी के अनुसार महिला पुरुष काफी देर से ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही लखनऊ से आ रही वंदे भारत एक्सप्रेस तेज रफ्तार से सेक्टर 2 के पास पहुंची तभी महिला और पुरुष दोनों ने ट्रेन के आगे रेलवे ट्रैक पर लेट गए। वंदे भारत एक्सप्रेस की टक्कर से दोनों के शव कई मीटर तक बिखर गए। ट्रेन के ड्राईवर ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन के 20 मीटर दूर रहने पर दोनों रेलवे ट्रैक पर लेट गए थे। सूचना मिलते ही एसपी सिटी पंकज गैरोला, ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह और जीआरपी थाना प्रभारी अनुज सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने मामले की जानकारी जुटाई।

श्री अखंड परशुराम अखाड़े ने गंगा में दीपदान कर दी शहीदों को श्रद्धांजलि

कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दिया नारी शक्ति का परिचय : कौशिक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। श्री अखंड परशुराम अखाड़े ने ऋषिकुल स्थित मालवीय घाट पर गंगा में दीपदान कर पहलगाम में आतंकी हमले में जाने गंवाने वाले पर्यटकों एवं सीमाओं की रक्षा करते हुए शहीद हुए सेना के जवानों को श्रद्धांजलि दी और मां गंगा से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। घाट पर 51 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पूर्जा अर्चना के उपरांत गंगा में दीपदान कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि पाकिस्तानी आतंवादियों ने पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर बहनों के माथे का सिंदूर पोंछने का जो घृणित कृत्य किया था। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं ने उसका करारा जवाब पाकिस्तान को दिया है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने पूरी दुनिया को भारत की नारी शक्ति का जो परिचय दिया है।

उसे पूरी दुनिया हमेशा याद रखेगी। पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि आज पूरा देश के देश आतंकवादी हमले में शहीद हुए पर्यटकों और सेना के वीर जवानों के साथ एकजुट होकर खड़ा है। मां गंगा शहीदों की आत्मा को शांति और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी रूप में सहन नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान ने आतंकवाद को प्रश्रय देने की अपनी नीति को नहीं छोड़ा तो एक दिन ऐसा भी आएगा। जब दुनिया के नक्शे पर पाकिस्तान नाम का कोई देश नहीं रहेगा। श्रद्धांजलि देने वालों में अखाड़े के प्रवक्ता भागवताचार्य पंडित पवन कृष्ण शास्त्री, कुलदीप शर्मा, मनोज ठाकुर, आचार्य विष्णु शास्त्री, स्वामी संतोषानंद, स्वामी शुभम गिरी, राधे भैया, बृजमोहन शर्मा, डा.पवन, प्रदीप शर्मा, कपिल शर्मा, जलज कौशिक, समाजसेवी सुनील सेठी, चद्रकांत शर्मा, यशपाल शर्मा, सोमपाल कश्यप, शोमेष शर्मा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बारात में जा रहे दो युवकों में हुई मारपीट व धक्का मुक्की में एक की हुई मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के गांव इब्राहिमपुर से जा रही बारात में दो युवकों में हुई मारपीट व धक्का मुक्की में एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामे की कार्रवाई करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है मामले में अभी पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है।घटना से शादी समारोह मातम में बदल गया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम इब्राहिमपुर से एक बारात जानी थी, जिसमें जाने के लिए लोग एकत्रित हो गए गाड़ियों में बैठने के दौरान दो युवकों में मारपीट हो गई। बीच बचाव कराने को आए एक व्यक्ति के साथ भी धक्का-मुक्की हो गई।

इस दौरान ग्रामीण मुजम्मिल 47 वर्ष पुत्र मखमुल निवासी इब्राहिमपुर की अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने व्यक्ति को आननफानन में गांव के ही एक डॉक्टर को दिखाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मौत के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद एसओ पथरी फोर्स के साथ गांव पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। प्रथम जांच में सामने आया है कि व्यक्ति हार्ट का बीमार था और उसे अचानक हार्ट अटैक आया है जिसके चलते उसकी मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पंचनामे की कार्रवाई करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में मोर्चरी में भिजवाया। व्यक्ति की मौत के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। हालांकि, अभी पुलिस को मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई है। वही, पुलिस मौत के कारणों की जांच करने में लगी है। एसओ पथरी मनोज नौटियाल ने बताया एक व्यक्ति की मौत हुई है शादी समारोह में धक्का-मुक्की होने की जानकारी भी मिली है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

रंजिश के चलते दो गुटों में चले लाठी डंडे हुई फायरिंग, पुलिस ने किए दो गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर सराय में आपसी रंजिश के चलते दो गुटों में हुए खूनी संघर्ष में लाठी, डन्डे व सरिए के साथ हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने कार्यवाही कर दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस घटना में शामिल कई अन्य फरार हुए आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों का संबंधित धाराओं में चालान कर दिया गया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी अमर जीत सिंह ने बताया कि बीती शनिवार को ट्रांसपोर्ट नगर सराय क्षेत्र में फायरिंग की सूचना मिली। जिस पर प्रभारी निरीक्षक सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां पुलिस को देखते हुए झगड़ा कर रहे दोनों गुटों के लोग भागने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो युवकों हिरासत में ले लिया। पुलिस

को पुछताछ में युवकों ने अपना नाम महेश पुत्र मनोज व रंजीत पुत्र रामलाल निवासी सीतापुर ज्वालापुर हरिद्वार बताया। पुछताछ में दोनों युवकों ने बताया कि इनके ग्रुप के वंश सैनी का दूसरे गुट के सावन भास्कर नामक व्यक्ति से झगड़ा हो गया था। घटना वाले रोज शनिवार को दोनों और के आठ दस लड़कों ने इकठ्ठा होकर एक दूसरे पर पहले लाठी डन्डे और सरिया से मारपीट की और फिर एक दूसरे पर फायरिंग की। पुलिस द्वारा पकड़े गए युवकों के कब्जे से तमंचा और खोखा कारतूस बरामद किया गया। वहीं पुलिस घटना क्रम में शमिल युवकों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों का संबंधित धाराओं में चालान कर दिया गया है। पुलिस टीम अ.उ.नि. प्रताप दत्त शर्मा, हे.का. हिमेश चन्द्र, का. दिनेश कुमार, का. प्रमोद पुरोहित, का. रवि कुमार शामिल रहे।

जिला प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने ली शपथ

समाज को दिशा देने में पत्रकारिता की अहम भूमिका : श्रीमहंत रविंद्रपुरी

पत्रकारों ने हमेशा ही अपने दायित्व को कुशलता से निभाया : प्रेमचंद अग्रवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिला प्रेस क्लब हरिद्वार का शपथ ग्रहण समारोह संतों, राजनीति व समाजसेवा से जुड़े लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। शंकर आश्रम के समीप स्थित एक होटल में अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथी पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल, पूर्व राज्यमंत्री सुखदेव सिंह नामधारी, म.मं. स्वामी हरिचेतनानंद, म.मं. स्वामी ललितानंद गिरी, म.मं. स्वामी गर्व गिरी, म.मं. स्वामी आदियोगी पुरी, म.मं. स्वामी सहजानंद पुरी, स्वामी ज्योर्तिमयानंद, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी नागेंद्र, स्वामी दिनेश दास, महंत शुभम गिरी, महंत रघुवीर दास ने जिला प्रेस क्लब

अध्यक्ष राकेश वालिया, महामंत्री अनिल बिष्ट, कोषाध्यक्ष मनोज कश्यप, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुमताज आलम खान, उपाध्यक्ष मन्नवर कुरैशी, नौशाद अली, सचिव सनोज कश्यप, मनोज ठाकुर, संगठन मंत्री केशव चौहान, प्रचार मंत्री सद्दाम हुसैन को पद के प्रति निष्ठा की शपथ दिलायी। कवि रमेश रमन के संचालन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि समाज को दिशा देने में पत्रकारिता की अहम भूमिका है। पत्रकार सरकार व समाज के बीच सेतू कार्य करते हुए समस्याओं के समाधान में भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं। पत्रकार पत्रकारिता के मानदंडों का ध्यान रखते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियों में जिस प्रकार पूरे देश ने एकजुटता प्रदर्शित की है। उसका एक बड़ा संदेश पूरी दुनिया में गया है। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल ने जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष राकेश वालिया समेत पूरी कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के विकास में योगदान करने के साथ विषम परिस्थितियों में भी पत्रकारों ने हमेशा ही कुशलता से अपने दायित्व को निभाया है। उन्होंने कहा कि देश सुरक्षित हाथों में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज का भारत पुराना भारत नहीं है। आतंकवादियों के जरिए पहलगाम में पर्यटकों की हत्या कराने वाले पाकिस्तान को देश की सेनाओं ने मूंहतोड़ जवाब दिया है। पूर्व राज्यमंत्री सुखदेव सिह नामधारी ने जिला प्रेस क्लब पदाधिकारियों व कार्यकारणी को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण हैं। वर्तमान परिस्थितियों में पत्रकारिता का महत्व और बढ़ गया है। म.मं. स्वामी ललितांनंद गिरी एवं म.मं. स्वामी हरिचेतनानंद ने जिला प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई और शुभकामनाएं दी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राव आफाक अली ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में संतों के दिए एकता अखंडता के संदेश से राष्ट्र को प्रेरणा मिलेगी। समाज में समरसता का वातावरण बनेगा। जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष राकेश वालिया, महामंत्री अनिल बिष्ट, कोषाध्यक्ष मनोज कश्यप ने सभी अतिथीयों का फूलमाला पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। राकेश वालिया ने कहा कि सकारात्मक पत्रकारिता करते हुए जनसमस्याओं के समाधान में भूमिका निभाने के साथ जिला प्रेस क्लब के सदस्यों के हितों के संरक्षण के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम में भारत माता मंदिर के प्रबंधक आईडी शास्त्री, समाजसेवी जगदीश लाल पाहवा, डा.विशाल गर्ग, सुशांत पाल, गणेश भट्ट, रोहित वर्मा, कुणाल शर्मा, राकेश वर्मा, प्रमोद कुमार, ठाकुर मनोजानंद, प्रवीण कश्यप, नदीम सलमानी सहित जिला प्रेस क्लब के सदस्य व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एआरटीओ ने सीज किए राजस्थान नंबर के 4 वाहन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। चारधाम यात्रा के दृष्टिगत वाहनों के अवैध संचालन पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एआरटीओ (प्रवर्तन) नेहा झा ने राजस्थान नंबर की 3 इनोवा और 1 टेम्पो ट्रैवलर को सीज कर दिया। राजस्थान नंबर के कुछ वाहनों के पुराने ऑल इंडिया परमिट पर हरिद्वार से चारधाम यात्रा अवैध रूप से यात्रियों की बुकिंग करने की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एआरटीओ नेहा झा ने प्रवर्तन टीम के साथ राजस्थान नंबर की 3 इनोवा व 1 टैम्पों ट्रैवलर को सीज कर दिया। सीज किए गए वाहनों को एआरटीओ कार्यालय रोशनाबाद ले जाया गया। वाहनों के दस्तावेजों की जांच से स्पष्ट हुआ कि उक्त वाहन चारधाम यात्रा के लिए मान्य परमिट के बिना ही संचालित किए जा रहे थे। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि चारधाम यात्रा हेतु केवल वैध परमिटधारी वाहनों का ही संचालन किया जा सकता है। अवैध रूप से वाहनों संचालन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आकर एक की मौत

रामनगर। रविवार की सुबह ग्राम शिवलालपुर रिउनिया में रामनगर से नई दिल्ली जाने वाली सम्पर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी।घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची जीआरपी चौकी इंचार्च गीता गोला, कांस्टेबल मो. यासीन, कोतवाली से महिला उपनिरीक्षक राजकुमारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची और शव को शिनाख्त के लिए सरक.ारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

जीआरपी चौकी इंचार्ज गीता गोला ने बताया कि मृतक के हाथ पर राम सिंह यादव गुदा हुआ है और उसकी आयु लगभग 42 वर्ष के आसपास है। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज नयाल ने बताया कि पुलिस के द्वारा मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

मृतक के शव को शिनाख्त के लिए सरकारी अस्पताल में 72 घंटे के लिए रखा गया है।उसके बाद पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व सैनिकों ने सेवानिवृत्त कैप्टन मोहन सती को दी अंतिम सलामी

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रिटायर कैप्टन मोहन चन्द्र सती का निधन हो गया।पिछले कुछ महीनों से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था।कैप्टन मोहन सती 84 वर्ष के थे।रविवार को उनका अंतिम संस्कार रामनगर विश्राम घाट पर किया गया। जहां पूर्व सैनिकों ने उन्हें अंतिम सलामी दी।

कैप्टन मोहन सती का जन्म 2 जुलाई 1941 को हुआ था। 27 मार्च 1960 को वह कुमाऊं रेजीमेंट में भर्ती हो गए और ट्रैनिंग पूरी करने के पश्चात उनकी नियुक्ति 14 कुमाऊं रेजीमेंट में हो गई। उसके बाद 1 नागा रेजीमेंट की स्थापना हुई तो उनकी नियुक्ति 1 नागा रेजीमेंट में कर दी गई। कैप्टन मोहन सती ने 1965 और 1971 के युद्ध में भाग लिया और उन्हें सेना में विभिन्न पुरुस्कारों और अलंकरणों से सम्मानित किया गया। 28 वर्ष सेना में सेवा करने के बाद 1988 में वे कैप्टन पद से सेना से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर विधायक दीवान सिंह बिष्ट, सूबेदार मेजर नवीन पोखरियाल, चन्द्र मोहन सिंह मनराल, सूबेदार मेजर कुलवंत सिंह रावत, भुवन सिंह डंगवाल, कैप्टन पूरन बिष्ट, सूबेदार मेजर दामोदर जोशी, सूबेदार मनोज पंत, सूबेदार गोबिंद रावत, वारंट आफिसर महिपाल रावत, हवलदार मेजर हेम सती, हवलदार आनंद कालाकोटी, हवलदार प्रदीप मवाड़ी, हवलदार रविन्द्र डंगवाल, हवलदार गोपाल जोशी आदि मौजूद रहे।

भारतीय सेना सम्मान तिरंगा यात्रा निकाली

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शत्रु देश पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने वाली भारतीय सेना के सम्मान में 'राष्ट्रीय चेतना मंच' ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार 'भारतीय सेना सम्मान तिरंगा यात्रा' नगर के प्रमुख मार्गो से निकली व जन जागरण करने के उद्देश्य से भारतीय सेना के पक्ष में जमकर नारेबाजी की।

ठुकराल ने बताया कि भारत की सेना का मनोबल बढ़ाने हेतु प्रत्येक भारतीय नागरिकों को राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर आगे आना चाहिए व सीमा पर तैनात व बहादुरी से, पूरी ताकत से मुकाबला करने वाले सेना के जवानों का मनोबल बढ़ाने हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम करने चाहिए।

ठुकराल ने कहा कि शत्रु देश पाकिस्तान से पूर्व के युद्धों से अनुभव व सबक लेकर भारतीय थल, वायु व जल सेना पूरे प्राण प्रण से पाकिस्तान की सेना व पाक परीक्षित आतंकियों के दांत खट्टे कर रही है। रुद्रपुर के गांधी पार्क से प्रारंभ सेना को समर्पित 'सेना सम्मान तिरंगा यात्रा' बाटा चौक, मुख्य बाजार, भगत सिंह चौक, शिवाजी चौक, पंच मंदिर, गुड मंडी, विधवानी मार्केट, अंबेडकर जी की मूर्ति के सामने से होते हुए महारा.जा रणजीत सिंह पार्क में पूर्ण हुई। यात्रा में सैकड़ो नागरिकों के हाथ में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता व भारतीय सैन्य शक्ति के पक्ष में जमकर नारेबाजी की विपरीत परिस्थितियों में भी भारतीय सेना अपने पराक्रम व अदम्य साहस से शत्रु का पूरी बहादुरी से निर्भय होकर मुकाबला कर रही है।

शाम ढलते ही होटल व ढाबे बन जाते हैं मयखाने

- **क्षेत्र में बेअसर है मुख्यमंत्री का 2025 तक नशा मुक्त देवभूमि का संकल्प**
- **एसएसपी द्वारा चलाए जा रहे नशे के खिलाफ मुहिम का भी नहीं है कोई असर**

शाह टाइम्स संवाददाता

शक्तिफार्म। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का 2025 तक, नशा मुक्त देवभूमि का संकल्प एवं उधम सिंह नगर के पुलिस मुखिया द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे मुहिम का, क्षेत्र में कोई असर नहीं दिख रहा है। आलम यह है कि शाम ढलते ही कोतवाली से महज कुछ ही दूरी पर स्थित, होटल एवं ढाबे मयखाने में तब्दील हो जाता है।

सितारगंज के मुख्य नगर समेत आस-पास के क्षेत्रों में, प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का, 2025 तक नशा मुक्त देवभूमि का संकल्प एवं उधम सिंह नगर पुलिस मुखिया द्वारा चलाए जा रहे नशे के खिलाफ अभियान का कोई असर नहीं दिख रहा है। सितारगंज कोतवाली से महज कुछ ही दूरी पर स्थित, तमाम होटलों एवं ढाबों पर शाम ढलते ही बेखौफ शराब परोसी जाती हैं। अधिकांश होटल एवं ढाबे शाम ढलते ही मयखाने में तब्दील हो जाता है। जहां एक ओर पूरे जिले भर के होटलों एवं ढाबो पर पुलिस द्वारा लगाम कसी जा रही हैं, वही सितारगंज एवं आस- पास के क्षेत्रों के अधिकांश ढाबो एवं होटलों में शाम ढलते ही बेखौफ शराब के शौकीनों का जमावड़ा लग जाता है।

सितारगंज नगर के बिजटी चौराहा, बाईपास, सिडकुल रोड, खटीमा मार्ग किच्छा बाईपास, कृषि मण्डी के आस पास समेत नगर के तमाम होटल एवं ढाबे के साथ-साथ खोखा व रेड़ी में खुले आम शराब परोसी जा रही हैं। बावजूद भी इन पर न तो आबकारी विभाग और न ही स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई की जा रही है।

किसकी शह पर होटल एवं ढाबा स्वामी हैं बेखौफ ?

जहां एक ओर जिले के तमाम छोटे-बड़े नगर व शहरों में नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा, व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, वही सितारगंज के नगर समेत आस - पास के क्षेत्रों के होटल व ढाबो में शराब के शौकीनों का शाम होते ही जमावड़ा लग जाता है। आखिर किसके सह पर होटल एवं ढाबा स्वामी बेखौफ शराब परोस रहे हैं ? दबे जुबान एक होटल स्वामी का कहना है कि, स्थानीय पुलिस से उन्हें कोई डर नहीं है। लिहाजा बाहर से कोई टीम आकर छापेमारी न करें।

चेयरमैन गित्ते ने केशवनगर में किया टाइल्स रोड का शिलान्यास

बाजपुर। नगर पालिका परिषद के केशवनगर मोहल्ला वार्ड नंबर 6 में चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' और सभासद प्रतिनिधि मौ. आसिफ ने संयुक्त रूप से लगभग 40 लाख रुपये की लागत से भूपराम शर्मा के मकान से शिव मंदिर तक बनाए जाने वाले 500 मीटर टाईल्स रोड़ का शिलान्यास विधिवत पूजा अर्चना उपरांत नारियल फोड़ कर किया।

इस मौके पर चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते' ने कहा कि जनहित के कार्यों का सिलसिला निरंतर जारी रहेगा। नगर पालिका परिषद बाजपुर के हर वार्ड का चहुंमुखी विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। वार्ड वासियों ने चेयरमैन गित्ते और सभासद प्रतिनिधि मौ. आसिफ का फूलों की माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर हामिद हुसैन, अनिल पाल, ऋषिपाल, वेदप्रकाश चौहान, विवेक चौहान, दीपक, संजीव, अंगदलाल, सुरेन्द्र त्यागी, नीरज, अमरनाथ, अवनीश, आदि उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 16 लोगों के चालान काटे

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद ऊधमसिहनगर मणिकांत मिश्रा द्वारा सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे कार्यवाही अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक काशीपुर व क्षेत्राधिकारी काशीपुर के निर्देशन में जसपुर पुलिस द्वारा क्षेत्राधिकारी काशीपुर की मौजूदगी में श्मशान घाट रोड, पतरामपुर फ्लाईओवर के नीचे, सूतमिल आम के बाघ व अन्य खुले स्थानों पर शराब पीने वालो के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाकर 16 व्यक्तियों को पकड़कर थाने पर लाकर निरुद्ध किया गया जिन्हे 81 पुलिस एक्ट में चालान कर भविष्य में ऐसा कृत्य ना करने की नसीहत देकर परिवार जन के सुपुर्द किया गया।

उत्तराखंड मीडिया क्लब खटीमा के अध्यक्ष बने दीपक व सचिव गोरख नाथ

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। तहसील सभागार में रविवार को खटीमा के पत्रकारों की एक बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार केदार सोनकर ने किया तथा सफल संचालन गोरख नाथ ने किया।

बैठक में पत्रकार हितों, अधिकारों तथा उनके स्वतंत्रता की रक्षा, पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने, पत्रकारों के बीच सहयोग, पत्रकारों को एक मंच प्रदान करने तथा स्वच्छ, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता आदि बिन्दुओं पर गंभीरता से चर्चा किया गया। वहीं बैठक में सर्व सहमति से उत्तराखंड मीडिया क्लब खटीमा का गठन किया गया। जिसमें सबकी सहमति और ध्वनि मत से खटीमा के वरिष्ठ एवं अनुभवी पत्रकार दीपक फुलेरा को अध्यक्ष तथा गोरख नाथ को संगठन का सचिव बनाया गया। वहीं बैठक में यह तय हुआ कि अन्य पदों पर चुनाव तथा कार्यकारिणी का विस्तार अग्रिम बैठक में किया जाएगा। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सचिव को पत्रकारों ने फूल माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया तथा उनको शुभकामनाएं दी। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार केदार सोनकर, गगन सिंह, हरेंद्र प्रसाद, मुस्तकीम मलिक तथा इश्तियाक अंसारी आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन को मजबूत करने व पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने हेतु संकल्प लेने का आह्वान किया। वहीं नवनियुक्त अध्यक्ष दीपक फुलेरा ने उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओ का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि जिस उम्मीद के साथ उनको संगठन का अध्यक्ष बनाया गया है वह उनके विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे जिसमें उन्होंने सभी पत्रकारों का सहयोग अपेक्षित बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि पत्रकारों के हितों व स्वतंत्रता की रक्षा करने तथा पत्रकारों को एक मजबूत मंच प्रदान करने का पूरा प्रयास करेंगे। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष फुलेरा ने कहा कि आज के समय में स्वच्छ, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता बेहद जरूरी है। बैठक में सूरज गुसाईं, उत्तम कुमार, सज्जाद हुसैन, अरविंद कुमार तथा एसके राय आदि उपस्थित रहे।

वर्षाकाल से पूर्व यूपी सीमा तक करवाई जाए लेबड़ा नदी की तलीझाड़ सफाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भाजपा मण्डल अध्यक्ष टिंकू यादव ने एसडीएम डा. अमृता शर्मा को पत्र सौंपकर वर्षाकाल से पूर्व ग्राम पहाड़पुर से लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 74 से आगे यूपी सीमा तक लेबड़ा नदी की तलीझाड़ सफाई करवाये जाने की मांग की है।

पत्र में उन्होंने कहा है कि बाजपुर नगर को बाढ़ की विभीषिका से बचाने हेतु वर्षाकाल से पूर्व लेबड़ा नदी की तलीझाड़ सफाई करवाया जाना नितांत आवश्यक है। लेबड़ा नदी के भैंसिया गांव से आगे पहाड़पुर में आने पर एक बड़ा नाला भैंसिया-सिहाली-भीकमपुरी क्षेत्र से आता है। बरसात में बाढ़ का पानी दोनों नदियों का एक लेबड़ा नदी में आने से पानी खेत और घरों में घुसकर अत्यधिक नुकसान करता है। ग्राम पहाड़पुर में चौधरी साहब, बलविन्दर सिंह, गुरदीप सिंह, जगतार सिंह, रूढ़ सिंह, बूटा सिंह, मंजीत सिंह आदि के खेतों में नदी में मोड़ अत्यधिक हो गए हैं और नदी की कभी सफाई न होने से इसके किनारों पर मिट्टी/सिल्ट जमने से नदी संकरी हो गई है। इसलिए पानी नदी से बाहर आ जाता है। इसकी सफाई बरसात से पूर्व होनी अत्यधिक जरूरी है। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के भ्रमण के दौरान भी इस मामले को प्रमुखता से रखा जा चुका है।

कार्यालय, बाल विकास परियोजना अधिकारी

बहादराबाद द्वितीय हरिद्वार

गायत्री विहार शिवडेल स्कूल के पास, लक्सर रोड, जगजीतपुर, कनखल हरिद्वार, पिन कोड 249408,
ई-मेल आई.डी. cdpobahadarabad02@gmail.com

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिकाओं के रिक्त पदों पर मानदेय सेवा चयन हेतु महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र विभागीय पोर्टल www.wecduk.in पर आमत्रिंत किये गये थे। अभ्यर्थियों से आवदेन के पश्चात चयन समिति के द्वारा पात्र अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों की अन्तिम सूची कार्यालय बाल विकास परियोजना बहादराबाद द्वितीय, हरिद्वार से संबंधित तहसील कार्यालय, खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय बहादराबाद में दिनांक 10.05.2025 का चस्पा कर दी गयी है। जिसे आप उपर्युक्त विभागीय वेबसाईट पर भी देख सकते है। यदि किसी चयनित अभ्यर्थी पर कोई आपत्ति हो तो दिनांक 17.05.2025 तक सायं 5:00 बजे ऑनलाईन पोर्टल www.wecduk.in पर आपत्ति दर्ज कर सकते है। ऑफलाईन अथवा डाक अथवा हाथो हाथ जमा की जाने वाली आपत्तियां स्वीकार नहीं की जोयगी।

बाल विकास परियोजना अधिकारी
बहादराबाद द्वितीय (हरिद्वार)

कार्यालय नगर पालिका परिषद लक्सर जनपद हरिद्वार

पत्रांक 135 / राज्य वित्त आयोग /2025-26 दिनांक 09/05/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

निकाय के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि से वर्ष 2025-26 के अन्तगर्त निम्न निर्माण / विकास कार्य प्रस्तावित है। इसके लिये दिनांक 27/05/2025 को समय 12.00 बजे दोपहर तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन गठित कमेटी द्वारा दोपहर 2.00 बजे, नगर पालिका परिषद लक्सर के कार्यालय में खोली जायेगी, निविदा प्रपत्र दिनांक 26/05/2025 को दोपहर 12.00 बजे तक कय किये जा सकते है। कोई एक निविदा अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्तक्षरी / कमेटी में निहित होगा।

क्र0 स0	कार्य का नाम	लागत	जमानत राशि	ठेकेदार की श्रेणी	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य अवधि
1	वार्ड 08 में मंजीत के मकान से प्रसान्त के मकान की ओर इन्टरलौकिंग टाईल्स का कार्य।	3.76	19000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/+GST	30 दिन
2	वार्ड न0-02 मे जयपाल के मकान से कुलदीप के मकान की ओर क्षतिग्रस्त सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	4.89	25000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
3	वार्ड न0-04 में डा0 पखेरा जी के मकान से मुल्कराज के मकान की ओर इंटरलौकिंग टाईल्स एंव नाली निर्माण कार्य।	3.09	15500	श्रेणी बी एवं उच्चतर	500/- एवं GST	30 दिन
4	वार्ड न0-05 लवसरी मे शहबाज के मकान से फरीद मकान की ओर सी0सी0 सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	11.42	57000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1500/-एवं GST	45 दिन
5	वार्ड न0-06 आदर्श कालोनी मे आशीष के मकान से ठाकुर के मकान ओर सी0सी0 सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	2.98	15000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
6	वार्ड न0-06 आदर्श कालोनी मे शौकीन के मकान से नौशाद के मकान की ओर सी0सी0 सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	3.84	19000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
7	वार्ड न0-06 आदर्श कालोनी मे बारात घर मुख्य मार्ग से टीटू के मकान की ओर सी0सी0 सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	3.62	18000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
8	वार्ड न0-06 आदर्श कालोनी मे बारात घर मुख्य मार्ग से रामसिंह यादव के मकान की ओर सी0सी0 सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	3.42	17000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
9	वार्ड न0-06 आदर्श कालोनी मेन रोड से मोहन शेट्टी के मकान तक सी0सी0 सडक एंव नाली निर्माण कार्य।	3.26	16000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
10	वार्ड न0-07 गुरुद्वावरे वाली गली में बनर्जी मैडम के मकान से बसेडी रोड मुख्य पुलिया की ओर इंटरलौकिंग टाईल्स एंव नाली मरम्मत निर्माण कार्य।	5.54	28000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/-एवं GST	30 दिन
11	वार्ड न0-07 एस0बी0आई0 बैंक के समीप मुख्य मार्ग पर क्षतिग्रस्त नाली एंव इंटरलौकिंग टाईल्स मरम्मत का पुन: निर्माण कार्य।	2.93	15000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
12	वार्ड न0-08 में जितेन्द्र चौधरी के मकान से नफीस के मकान की ओर इंटरलौकिंग टाईल्स निर्माण कार्य।	3.40	17000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
13	वार्ड न0-08 में अरविन्द्र चौधरी के मकान से प्रनित के मकान की ओर इंटरलौकिंग टाईल्स एंव नाली निर्माण कार्य।	11.33	57000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1500/-एवं GST	45 दिन
14	वार्ड न0-09 मे शिवकुमार के मकान से रवि के मकान की ओर सी0सी0 सडक निर्माण कार्य।	10.21	51000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1500/-एव GST	30 दिन
15	वार्ड न0-10 में पप्पू के मकान से प्रदीप के एडवोकेट के मकान की ओर इंटरलौकिंग टाईल्स निर्माण कार्य।	4.34	22000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एव GST	30 दिन
16	वार्ड न0-11 में मीरभोज मूर्ति के समीप नाले पर स्लेव निर्माण कार्य।	3.58	18000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/- एव GST	30 दिन
17	वार्ड न0-11 में देवेन्द्र के मकान से अमित के मकान की ओर सी0सी0 सडक व नाली निर्माण कार्य।	9.59	48000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/-एवं GST	30 दिन
18	वार्ड न0-11 में केशवनगर पूर्वी मे राकेश के मकान से राजेश सैनी के मकान की ओर सी0सी0 सडक व नाली निर्माण कार्य।	2.89	15000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
19	वार्ड न0-11 में जसवीर के मकान से राजन के मकान तक व चमन के मकान से राजन के मकान तक एंव देवदत्त के मकान से होते हुए रोहताश के मकान तक सी0सी0 सडक एव नाली निर्माण कार्य।	12.64	63000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1500/-एवं GST	45 दिन
20	वार्ड 11 में बिसम्बर कालोनी में मेन रोड से अर्जुन के मकान की ओर सी0सी0 सडक निर्माण कार्य।	3.97	20000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/- एवं GST	30 दिन
21	वार्ड 11 में रायसी रोड से रोडनी के बंगले की ओर सी0सी0 सडक व नाली निर्माण कार्य।	9.87	50000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/-एवं GST	30 दिन
22	वार्ड 11 में सोसाईटी रोड मुख्य पुलिया से पवन के मकान की ओर आर0सी0सी0 नाला निर्माण कार्य।	24.79	124000	श्रेणी बी एवं उच्चतर	2000/ एवं GST	45 दिन
23	वार्ड 01 अम्बेडकर नगर में चौ0 रकमसिंह के मकान से सुशील के मकान की ओर सी0सी0 सडक निर्माण कार्य।	5.48	27000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/- एवं GST	30 दिन
24	वार्ड 01 अम्बेडकर नगर शहजाद के मकान से वहाब के मकान से होते हुये शमीम के मकान की ओर सी0सी0 सड़क व नाली निर्माण कार्य।	6.34	32000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/- एवं GST	30 दिन
25	वार्ड 10 केशवनगर में जगपाल के मकान अशोक राठी के मकान की ओर इन्टरलोकिग टाईल्स निर्माण कार्य।	5.57	28000	श्रेणी सी एव उच्चतर	1000/- एवं GST	30 दिन
26	वार्ड 10 मे जयपाल सिंह एडवोकेट के मकान से प्रमोद के मकान की ओर इन्टरलोकिंग टाईल्स निर्माण कार्य।	3.40	17000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
27	वार्ड 11 में बिसम्बर कालोनी में मेन रोड से प्रशांत दास के मकान की ओर सी0सी0 सडक एवं नाली निर्माण कार्य।	4.23	21000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
28	वार्ड 11 में बिसम्बर कालोनी में मेन रोड से अनुज के मकान की ओर सी0सी0 सडक एवं नाली निर्माण कार्य।	4.69	24000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	500/-एवं GST	30 दिन
29	वार्ड 11 में बिसम्बर कालोनी में विपिन के मकान से विश्वास के मकान की ओर सी0सी0 सडक एवं नाली निर्माण कार्य।	5.92	30000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/- एवं GST	30 दिन
30	वार्ड नं0 8 में अजीज के मकान से मुख्तयार के मकान को होते हुये गुलजार के मकान तक पानी की पाईप लाईन/नाली/इंटरलोकिंग टाइल्स सडक निर्माण कार्य।	17.23	86000	श्रेणी बी एवं उच्चतर	1500/-एवं GST	45 दिन
31	वार्ड 11 में गोवर्धनपुर रोड से अजय के प्लांट की ओर सी0सी0 सडक व नाली निर्माण कार्य।	14.03	70000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1500/ एवं GST	45 दिन
32	वार्ड 06 मेन रोड से शराफत के मकान की ओर सी0सी0 सडक व नाली निर्माण कार्य।	9.66	48000	श्रेणी सी एवं उच्चतर	1000/ एवं GST	30 दिन

शेष जानकारी कार्यालय से कार्यालय समय/दिवस पर जानी जा सकती है।

(मो0 कामिल)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद लक्सर

(संजीव कुमार)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद लक्सर

पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने लगाने के लिए इंदिरा गांधी जैसे नेतृत्व की ज़रूरत

सीज़फायर का विरोध: केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा मौन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। नैनीताल रोड स्थित शहीद पार्क में शनिवार को कांग्रेस नेता ललित जोशी के नेतृत्व में एक मौन प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और हाथों में तख्तियां लेकर भारत सरकार की विदेश व रक्षा नीति के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के बाद मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के दौरान ललित जोशी ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भारत ने अमेरिका के दबाव में सीज़फायर किया है, जिसकी घोषणा खुद अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ट्वीट के माध्यम से की गई न कि भारत सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी द्वारा। जोशी ने इसे भारत की संप्रभुता और सैन्य बलों का अपमान करार दिया। उन्होंने हालिया पहलगाम आतंकी हमले का हवाला देते हुए कहा कि अब वक्त युद्ध टालने का नहीं, बल्कि दुश्मन को करारा जवाब देने का है। उन्होंने केंद्र सरकार पर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि पाकिस्तान की धर्मांध राजनीति को चेतावनी नहीं, ठोस कार्रवाई की ज़रूरत है। जोशी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 में पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाई थी। सेना को खुली छूट दी गई, नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान दो टुकड़ों में बंटा और बांग्लादेश अस्तित्व में आया। आज उसी निर्णायक नेतृत्व की कमी महसूस हो रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध को हमेशा टालना समझदारी नहीं होती। कई बार सख्त जवाब देना जरूरी होता है, नहीं तो दुश्मन का हौसला बढ़ता है। इंदिरा गांधी जैसी स्पष्ट सोच होती, तो आज पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाया जाता। जोशी के इस तीखे बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। कांग्रेस इसे देशभक्ति की सच्ची आवाज़ बता रही है, जबकि सत्ता पक्ष अब तक चुप्पी साधे हुए है। कार्यक्रम में शामिल प्रमुख लोगों में पूर्व ब्लॉक प्रमुख भोला भट्ट, जया कर्नाटक, भगवती जोशी, पुष्पा तिवारी, चंपा चिलवाल, विशाल भोजक, लाल सिंह पवार, जगमोहन बगड़वाल, दीपक साह, रविंद्र रावत, कमल धामी, सुमित कुमार, हेमंत साहू, राजेश कुमार सरपंच, आनंद अधिकारी, कौशलेंद्र भट्ट, संदीप भैसोड़ा, सतनाम सिंह, सावन पटनी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

दो नाबालिग किशोरियां लापता गुमशुदगी दर्ज

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुखानी व टीपीनगर क्षेत्र से दो नाबालिग किशोरियां लापता हो गई। दोनों के किशोरियों के परिजनों ने पुलिस को तहरीर सौंपकर उनकी सकुशलता की गुहार लगाई। पुलिस ने दोनो नाबालिग किशोरियों की गुमशुदगी दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार टीपीनगर क्षेत्र में रहने वाली 16 साल की किशोरी घर से ट्यूशन जाने की बात कहकर निकली थी। लेकिन तब से वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन जब उसका कोई पता नहीं चला तो पीड़ित पिता ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए उसकी सकुशलता की गुहार लगाई। वहीं दूसरी ओर मुखानी थानाक्षेत्र में भी रहने वाली 16 साल की किशोरी शनिवार दोपहर घर से बिना बताए चले गई। उसे परिजनों ने रिश्तेदारी में भी तलाशा लेकिन कोई पता नहीं लग सका। जिसके बाद परिजनों ने मुखानी थाने पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

वॉकवे में आतंकी हमले की मॉकड्रिल

पांच आतंकियों को ढेर कर पुलिस ने किया क्षमता का आकलन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पाकिस्तान की नापाक हरकतों के बाद अलर्ट मोड में आई उत्तराखंड पुलिस अपनी तैयारियों को लगातार परख रही है। इसी क्रम में रविवार शाम हल्द्वानी के वॉक-वे मॉल में एक अचानक मॉक ड्रिल आयोजित की गई, जिसमें आतंकी हमले का रिहर्सल किया गया। इस मॉल ड्रिल में सुरक्षा बलों ने पांच आतंकियों को मार गिराने का अभ्यास किया, जबकि गोलाबारी के बीच चार से पांच नागरिकों के घायल होने की स्थिति को भी रिहर्स किया गया। शाम के समय जब मॉल में भारी भीड़ थी, तभी अचानक भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल मॉल में पहुंचा। आधुनिक हथियारों से लैस, हेलमेट और बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मियों को देख मॉल में मौजूद लोग घबरा गए। कुछ देर के लिए माहौल में दहशत फैल गई, कई लोगों को यह मॉक ड्रिल असली हमला लगने लगा। पुलिस ने मॉल खाली कराना शुरू किया और मॉल के अंदर 'आतंकियों' की घेराबंदी की गई। इस दौरान दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाओं की भी मुस्तैदी से तैनाती रही। मॉक ऑपरेशन के दौरान घायल नागरिकों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। इससे पहले भी नैनीताल पुलिस ने इसी तरह की मॉक ड्रिल कैंची धाम में आयोजित की थी। इस उच्च स्तरीय अभ्यास की अगुवाई सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेई, एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, सीओ नितिन लोहनी, और कोतवाल राजेश कुमार यादव द्वारा की गई। इसके अलावा बनभूलपुरा, मुखानी, काठगोदाम थानों और पुलिस चौकियों से भी फोर्स ड्रिल में शामिल रही।

निशुल्क हेल्थ कैंप में 256 मरीजों की हुई जांच

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हीरानगर स्थित रविवार को एक बैंक्विट में वृहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर वार्ड-17 के पार्षद शैलेंद्र सिंह दानू के सौजन्य से साथी संगठन हल्द्वानी एवं गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर संगठन के सहयोग से संपन्न हुआ। इस शिविर में केवीआर हॉस्पिटल काशीपुर के वरिष्ठ घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डा. तरुण सोलंकी ने अपनी टीम के साथ 256 मरीजों की जांच की। शिविर में निशुल्क एक्स-रे, बीएमडी हड्डियों में कैल्शियम जांच, शुगर, बीपी परीक्षण और 3 दिन की मुफ्त दवाइयां दी गईं। शिविर का शुभारंभ महापौर गजराज सिंह बिष्ट द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस अवसर पर पार्षद शैलेंद्र सिंह दानू, साथी संगठन के संरक्षक लीलाधर पांडे और अध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी ने मेयर का स्वागत किया। शिविर में मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने भी स्वयं जांच कराकर शिविर का लाभ उठाया। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्नल हरिश्चंद्र जोशी, कर्नल आलोक पांडे, वंदे मातरम ग्रुप के ललित परगाई, सुनील सनवाल, चंद्रशेखर परगाई, प्रियांशु बिष्ट, विशाल सिंह भोजक, लक्ष्मण सिंह गौनिया, डीडी शर्मा, जगदीश खोलिया, विजय तिवारी, मोहन सिंह मेहरा, सुरेन्द्र सिंह बिष्ट, वीरेन्द्र सिंह भाकुनी, शंकर दत्त तिवारी, नीमा जोशी, रमा रौतेला, आनंदी नगी, बंसती जौहरी आदि मौजूद रहे।

संस्कृत प्रचार के लिए शिविरों का संकल्प

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संस्कृत भारती उत्तरांचल के कुमाऊं संभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय संगठन मंत्री देवेंद्र पाण्डया ने किया। दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत प्रांत मंत्री डा. चंद्र प्रकाश उप्रेती, पूर्व अध्यक्ष जानकी त्रिपाठी और सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डा. एनडी जोशी द्वारा की गई।

कार्यक्रम में कुल चार सत्र आयोजित हुए, जिनमें संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और विस्तार पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। कुमाऊं संभाग के सभी जनपदों से आए कार्यकर्ताओं की उपस्थिति इस आयोजन को विशेष बनाती रही। क्षेत्रीय संगठन मंत्री देवेंद्र पाण्डया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। सह प्रांत मंत्री डा. चंद्र प्रकाश उप्रेती ने आगामी तीन महीनों में कुमाऊं संभाग के सभी जनपदों में संस्कृत शिविर आयोजित करने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन प्रत्येक जनपद में किया जाएगा। इस अवसर पर संस्कृतभारती के ट्रस्टी एवं कुमाऊं संभाग संपर्क प्रमुख प्रकाश चंद्र भट्ट, प्रांत संगठन मंत्री गौरव शास्त्री, डा. गोपाल दत्त त्रिपाठी, डा. नीरज जोशी, डा. जगदीश चंद्र पांडेय, डा. राघव झा, डा. आरती जैन, डा. भारती नारायण भट्ट, डा. मनोज जोशी, डा. मनोज पांडे सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने बग्गी चालक को रौंदा, मौके पर मौत

हल्द्वानी। शहर के तीनपानी क्षेत्र में शनिवार रात एक दर्दनाक हादसे में बग्गी चालक की जान चली गई। एक शादी समारोह के लिए दूल्हे को लेने जा रहे बग्गी चालक को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद से ट्रक चालक वाहन समेत फरार हो गया। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार (55) शाहिद पुत्र अब्दुल नवी निवासी मूलरूप से जटपुरा, अजीबनगर, रामपुर उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। बताया जा रहा कि वह यहां पर घोड़ा-बग्गी चलाकर शादी और धार्मिक कार्यक्रमों में अपनी सेवाएं देता था। बताया जा रहा है कि करीब एक माह पहले ही वह रोजगार की तलाश में हल्द्वानी आया था और बनभूलपुरा थाना क्षेत्र में एक बगीचे में अस्थायी रूप से रह रहा था। बीते शनिवार की रात शाहिद को मिलन बैंक्वेट हॉल में एक शादी के लिए बग्गी लेकर पहुंचना था। जैसे ही वह तीनपानी क्षेत्र में बग्गी मोड़ रहा था, उसी समय तेज रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया। हादसे के बाद राहगीरों ने खून से लथपथ शाहिद को गंभीर हालत में सुशीला तिवारी अस्पताल भर्ती कराया। जहां पर उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। रविवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इधर कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि ट्रक चालक मौके से वाहन समेत फरार हो गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुट गई है, और चालक की पहचान कर शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों से तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

माला बनीं गौलापार की मंडल अध्यक्ष

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार को पनचक्की स्थित एक रेस्टोरेंट में सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल की बैठक संपन्न हुई। जिसमें क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंथन किया साथ ही सर्वसम्मति से गौलापार महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष के रूप में माला आर्य को मनोनीत किया है। इस दौरान व्यापार मंडल ने विश्वास जताया कि नवनियुक्त गौलापार मंडल अध्यक्ष माला आर्य न केवल महिला मोर्चे को मजबूती प्रदान करेंगी, बल्कि व्यापारी हितों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगी और गौलापार मंडल को संगठित व सशक्त बनाएंगी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष लखन निगल्टिया प्रदेश महामंत्री भुवन भट्ट, प्रताप जोशी, चंदन बिष्ट, संजय त्यागी, तरुण वानखेड़े, संजय बिष्ट, राहुल जोशी, मनोज पांडे, प्रवीण जोशी, सीमा बत्रा, गंगा साहनी, ज्योति अवस्थी, काजल खत्री, बबीता हलदार, मंजू भट्ट, नीना गुप्ता, तरनजीत कौर सहित पदाधिकारियों ने माला आर्य को नई जिम्मेदारी की बधाई दी।

बैंक कर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक बैंक कर्मी सड़क किनारे दुकान के बाहर पड़ा हुआ था जिसे एक ऑटो चालक ने उठाकर अस्पताल ले जाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार बिठौरिया नंबर एक मुखानी निवासी (47) विक्रम चौबे पुत्र देवीदत्त चौबे हल्द्वानी स्थित एक प्राइवेट बैंक में काम करते थे। बताया जाता है कि वह रविवार की सुबह घर से निकले थे। बताया जा रहा कि संदिग्ध परिस्थितियों के चलते वह एक सड़क किनारे दुकान के बाहर पड़े हुए थे। तभी एक ऑटो चालक ने उन्हें उठाकर उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। पुलिस के अनुसार मुखानी में एक दुकान के पास विक्रम को पड़ा पाया गया था। एक टेंपो चालक उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद टेंपो चालक ने घटना की सूचना पुलिस को दी। ऐसा माना जा रहा है कि जहर की वजह से उनकी मौत हुई, लेकिन पोस्टमार्टम पहुंचे परिजन इस बात से इंकार कर रहे है। परिजनों ने कहा कि विक्रम सुसाइड नहीं कर सकते।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती फंदे से लटकी

हल्द्वानी। संदिग्ध परिस्थितियों के चलते एक युवती ने घर में ही फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना उस समय हुई जब उसकी मां छोटी बेटी को खाना देने के लिए बाहर गई थी और उसने बड़ी बेटी को कमरे में बंद कर दिया था। जब मां वापस लौटी, तो उसने अपनी बेटी को फांसी के फंदे पर लटका देख उसके होश उड़ गए। आनन फानन में उसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार लाइन नंबर 18 वार्ड-25 निवासी सरताज पेंटर अपनी पत्नी और तीन बेटियों के साथ बनभूलपुरा के तीसरी मंजिल के मकान में रहते हैं। रविवार को सरताज काम पर गया, जबकि बीच वाली बेटी दुकान पर काम करने गई थी। घर में उस समय सिर्फ 18 वर्षीय अदबशा और उनकी मां थीं। बताया जा रहा कि मां ने छोटी बेटी को खाना देने के लिए बाजार जाने का निर्णय लिया और इस दौरान अदबशा को कमरे में बंद कर दिया। जब वह बाजार से वापस लौटी और दरवाजा खोला तो बेटी का शव फंदे से लटका देख उसके होश उड़ गए। घर से चिखपुकार सुनकर आसपास के लोग भी एकत्र हो गए और आनन फानन में उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

झूला पुल की जल्द होगी मरम्मत

बागेश्वर। सरयू नदी पर बने झूला पुल की अब जल्द मरम्मत होगी। सरकार ने इसकी मरम्मत के लिए 179 लाख रुपये की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति दे दी है। विधायक पार्वती दास ने बताया कि जनपद बागेश्वर के नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 1913 में निर्मित ऐतिहासिक झूला पुल के निर्माण कार्य हेतु धनराशि 179.89 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति एवं निविदा आमंत्रित की गई है। उन्होंने प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया है। इधर झूला पुल के लिए वित्तीय स्वीकृत मिलने पर नगर व्यापार मंडल सहित जनप्रतिनिधियों ने सीएम धामी का आभार जताया है।

हमारा प्रयास हल्द्वानी का चहुंमुखी विकास: गजराज

पूर्व केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल संगठन की बैठक में बोले मेयर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पूर्व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक संगठन की बैठक रविवार को नगर निगम सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मेयर गजराज बिष्ट ने कहा कि हमारा प्रयास हल्द्वानी के चहुमुखी विकास एवं महानगर हल्द्वानी को देश का सर्वश्रेष्ठ बनाने का है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए शहर की जनता और पूर्व सैनिकों का सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने पूर्व सैनिकों को भरोसा दिलाया कि वे संगठन के कार्यालय के लिए अपनी और से पूरा प्रयास करेंगे। वही बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सीजीएचएस वेलनेस सेंटर हल्द्वानी में खोलने की प्रक्रिया पूरी हो गयी है, जिसके लिए 2010 से सरकार से मांग की जा रही थी। वही सीएपीएफ निदेशालय देहरादून में खुले और उसकी शाखाएं सभी जिलों में सोल्जर बोर्ड की तर्ज पर खोली जाये। संगठन लगातार इसके लिए प्रयास कर रहा है और यह मंत्रालय मुख्यमंत्री के पास है। इस सम्बन्ध में उनके साथ कई बार पत्राचार किये जा चुके है लेकिन आजतक कोई जवाब इस सम्बन्ध में आया है जिससे पूर्व सैनिकों में खासा रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि सीएपीएफ जिसमें बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ, असम राइफल आती है। सरकार 2004 से बंद पुरानी पेंशन फिर से लागू नहीं कर रही है। हमारी सरकार से मांग है कि जल्द इसे लागु किया जाये। इसके अलावा उन्होंने सीएपीएफ की कठिन सेवाओं को देखते हुए वेतन बढ़ोत्तरी करने, देश की रक्षा के लिए जान गंवाने वाले सीएपीएफ जवान को भी शहीद का दर्जा देने की भी मांग उठाई गयी। बैठक में बीएस तोलिया, डीएस बोहरा, सीएस मर्तोलिया, आरसी पढलिया, हीरा सिंह, गोविन्द रावत, बीडी भट्ट, कुंदन डसीला, बहादुर राम, कुंदन बिष्ट, रूप सिंह बिष्ट, प्रेम सिंह रावत, हरभजन सिंह, पूरन मेहता, दीवान सिंह, ललित पंत, पीसी पाठक, पुष्कर सिंह सहित कई पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

छात्रावास में स्वर्ण जयंती समारोह

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर स्थित कलावती पंत छात्रावास में स्वर्ण जयंती के मौके पर रविवार को रंगारंग कार्यक्रम पेश किए गए। बता दें कि कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डीएसडब्लू प्रो. संजय पंत, मुख्य कुलानुशासक प्रो. हरीश चंद्र सिंह बिष्ट व वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी पहुंचे। रविवार को छात्रावास के 50वें स्थापना दिवस पर छात्राओं ने विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य व लोकगीत और नाटकों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रमों के माध्यम से उत्तराखंड का जागर समेत गुजराती गरबा, बंगाली दुर्गा पूजा समेत नेपाल की संस्कृति को भी दर्शाया गया। कार्यक्रम का थीम एकता रखी गई थी। डीएसडब्लू प्रो. संजय पंत ने कहा कि भविष्य में स्थापना दिवस को विवि या परिसर स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

कपड़े के शोरूम में लगी भीषण आग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रविवार की सुबह ठंडी सड़क पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वहां पर स्थित एक एमआईएनआई'एस (लेडीज कपड़ों) के शोरूम में अचानक आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड व पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक आग की लटपों से शोरूम में रखा सारा सामान जलकर स्वाह हो गया। आग लगने का का कारण शॉर्ट सार्किट बताया जा रहा है फिलहाल प्रशासन ने नुकसान का आंकलन करने और आग के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं। जानकारी के अनुसार ठंडी सड़क पर एमआईएनआई'एस (लेडीज कपड़ों) का शोरूम है। रविवार की सुबह करीब सात व आठ बजे के बीच स्थानीय लोगों ने शोरूम के अंदर से धुआं उठता देखा तो इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। आग की सूचना मिलते ही पुलिस व फायर ब्रिगेड कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। शोरूम में आग की सूचना मिलते ही शोरूम मालिक भी मौके पर आ गए। देखते ही देखते आग ने अपना विकराल रूप ले लिया था। शोरूम में लगी आग से आस-पास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल था। बताया जा रहा कि शोरूम के ऊपरी तल पर एक गोल्ड लोन बैंक भी स्थित था, जिससे आग के फैलाव का खतरा और अधिक बढ़ गया था। हालांकि, समय रहते आग बुझा ली गई, जिससे एक बड़ी दुर्घटना टल गई। आग से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है, लेकिन अनुमान है कि लाखों रुपये का माल जलकर नष्ट हो गया है। फायर विभाग के अनुसार प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फिलहाल स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

सांसद अजय भट्ट को सौंपा ज्ञापन

पूर्व सैनिकों ने मांगों के समाधान की गुहार लगाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पूर्व गौरव सैनिक संगठन जिला नैनीताल के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सांसद अजय भट्ट से उनके आवास पर भेंट कर चार सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर्नल जगत सिंह जंतवाल ने किया। सांसद अजय भट्ट को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि काठगोदाम-कठघरिया मार्ग का नाम स्वतंत्रता सेनानी कोटी राणा के नाम पर रखा जाए। कुसुमखेड़ा चौराहे का नाम पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल विपिन जोशी के नाम पर किया जाए। पनचक्की चौराहा का नाम प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा के नाम पर किया जाए। इसके साथ ही कुमाऊं क्षेत्र में एक सीएसडी उप-डिपो की स्थापना की जाए। जिसके बाद सांसद अजय भट्ट ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वें इन मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखेगे और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। ज्ञापन देने वालों में पूर्व सैनिक कैप्टन सोबन सिंह भड़, सूबेदार मेजर गोविंद बढ़ती सहित अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई आयोग की परीक्षा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

बागेश्वर। जिले में उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की राज्य सिविल/अवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा शांतपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई है। परीक्षा के लिए चार केंद्र बनाए गए हैं। पुलिस ने हर केंद्र में जाकर गहन जांच की। नोडल अधिकारी एडीएम एनएस नबियाल ने बताया कि जिलेमें 11 बजे से एक बजे तक परीक्षा संपन्न हुई। विक्टर मोटर जोशी इंटर कॉलेज में कुल परीक्षार्थी 360 पंजीकृत थे। इसमें से 237 उपस्थित तथा 123 अनुपस्थिति रहे। विवेकानंद विघा मंदिर इंटर कालेज मंडलसेरा में 600 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें 370 उपस्थित रहे, जबकि 230 अनुपस्थित रहे। कंट्रीवाइड पब्लिक स्कूल कठातवाड़ा में 452 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

राष्ट्रीय हड़ताल को लेकर बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। ट्रेड यूनियन एक्टू ने 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रीय मजदूर-किसान हड़ताल को सफल बनाने के लिए हल्द्वानी स्थित कार्यालय में एक बैठक की। यह हड़ताल 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर बुलाई गई है, जिसे किसान संगठनों का भी समर्थन प्राप्त है। बैठक में सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों, निजीकरण, श्रम संहिताओं और सामाजिक सुरक्षा में कटौती का विरोध करते हुए हड़ताल को निर्णायक बताया गया। भाकपा (माले) के डा. कैलाश पाण्डेय ने अमेरिकी मध्यस्थता के खिलाफ आवाज उठाई, जबकि एक्टू जिलाध्यक्ष जोगेंद्र लाल ने अभिव्यक्ति की आज़ादी पर हमले का विरोध किया। सनसेरा संगठन के दीपक कांडपाल ने कारपोरेट को राष्ट्रीय संपत्ति सौंपे जाने की नीति पर चिंता जताई। हड़ताल की मुख्य मांगों में श्रम कोड रद्द करना, ओपीएस की बहाली, रुपये 41,000 न्यूनतम वेतन और महिला श्रमिकों को समान वेतन शामिल हैं। बैठक में डा. कैलाश पाण्डेय, जोगेंद्र लाल, दीपक कांडपाल, धन सिंह गड़िया, मनोज सिंह आर्य, मुकेश जोशी, विवेक ठाकुर, नवजोत सिंह परिहार, राजेन्द्र पाल सिंह समेत कई ट्रेड यूनियन कार्यकर्ता शामिल हुए।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

16 से फिर शुरू हो सकता है IPL

● **फाइनल 30 मई को मुमकिन, भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण बीच में रोक दी थी लीग**

मुंबई, वार्ता। आईपीएल 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। फाइनल मुकाबला 30 मई को मुमकिन है। मीडिया रिपोर्ट्स में बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी गई। अब बाकी 16 मैचों के लिए नया शेडयूल जल्द जारी होगा। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच 9 मई को आईपीएल 2025 सस्पेंड करना पड़ा था। बीसीसीआई ने लीग को रोकते हुए कहा था कि देश इस समय यु(की स्थिति में है। ऐसे में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ठीक नहीं है। आईपीएल 2025 के तहत 74 मैच खेले जाने थे। 8 मई तक 58 मैच हो चुके थे। यानी अब 16 मुक. ाबले बाकी हैं। इनमें 12 मैच लीग स्टेज के हैं और 4 मैच प्ले ऑफ स्टेज के हैं। मुंबई, कोलकाता, राजस्थान और चेन्नई के दो-दो लीग मैच बाकी हैं। बाकी टीमों के तीन-तीन लीग मुक. ाबले अभी होने हैं। टीमों की स्थिति नीचे दिए पाइंट्स टेबल से समझ सकते हैं। एक टीम को 14 लीग मैच खेलने होते हैं। आईपीएल की 10 में से तीन टीमें प्ले ऑफ की होड़ से बाहर हो चुकी हैं। हैदराबाद, राजस्थान और चेन्नई ये तीन टीमें हैं। बाकी टीमें अभी प्ले ऑफ की रेस में बरकरार हैं। जो 16 मुकाबले बाकी हैं वे पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक 9 अलग-अलग शहरों में होने थे। इनमें लखनऊ, हैदराबाद, अहमदाबाद, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई, जयपुर और कोलकाता शामिल हैं। अभी यह तय नहीं है कि ये मुकाबले इन तमाम शहरों में होंगे या इनमें कटौती होगी। बीसीसीआई ने जब लीग को सस्पेंड करने का फैसला किया था तब विदेशी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को उनके देश लौट जाने के लिए कहा गया था। इनमें से कई खिलाड़ी अपने घर लौट गए हैं। उन्हें दोबारा बुलाया जाएगा। इस समय दुनिया में कहीं कोई और बड़ी सीरीज नहीं हो रही है लिहा. जा इसमें ज्यादा परेशानी नहीं होनी चाहिए। बीसीसीआई आईपीएल के लिए हर साल अप्रैल-मई का विंडो उपलब्ध होता है। यानी इस टाइम पीरियड में दुनिया में कहीं और कोई बड़ी सीरीज नहीं हो रही होती है। अगर आईपीएल के बाकी मैच मई में नहीं हुए तो फिर बोर्ड को सितंबर तक का इंतजार करना पड़ सकता है। जून में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाना है।

सीजफायर उल्लंघन पर सहवाग-धवन ने पाक को लताड़ा

■ **संघर्ष विराम की घोषणा के बावजूद पाक अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आया**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत और पाकिस्तान ने चार दिन के संघर्ष के बाद संघर्ष विराम का एलान किया। हालांकि, शनिवार शाम पांच बजे से संघर्ष विराम शुरू हुआ और इसके कुछ घंटों बाद पाकिस्तान की ओर से सीमा पर फिर से गोलीबारी की गई। अब पाकिस्तान को भारत के पूर्व क्रिकेटर्स ने लताड़ा है।

वीरेंद्र सहवाग और शिखर धवन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पाकिस्तान पर निशाना साधा है। दरअसल, संघर्ष विराम की घोषणा के बावजूद पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आया। उसने संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार रात 11 बजे प्रेस कान्फ्रेंस बुलाई, जिसमें बताया कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है, जिसका भारत ने माकूल जवाब दिया। मिस्री ने कहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान की तरफ से इस तरह की हरकत करने पर मुंहतोड़ जवाब देगी। सीजफायर के बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हुआ है। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा के चार घंटों बाद ही जम्मू-कश्मीर में ड्रोन देखे गए और धमाके सुनाई दी। इसके बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। ड्रोन और धमाकों की आवाज सुनाई दिए जाने के बाद एहतियात के तौर पर राजस्थान और पंजाब के कई शहरों में फिर से बिजली काटी गई। इसके बाद सहवाग ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट करते हुए एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। वहीं शिखर धवन ने भी एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया के आगे दिखा दिया।श वहीं, पूर्व क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने भी ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान में तीन शक्ति केंद्र हैं- सेना, आईएसआई और प्रधानमंत्री। भले ही उनमें से कोई एक सहमत हो, लेकिन तीनों के लिए किसी एक बात पर सहमत होना लगभग असंभव है। पाकिस्तान के लिए पिछले तीन दिन काफी नहीं थे। इस उकसावे (सीजफायर का उल्लंघन) के बाद भारत पाकिस्तान को जीवन भर का

संक्षिप्त खेल समाचार

पूर्व ऑस्ट्रेलिया टेस्ट क्रिकेटर बॉब काउपर का निधन

सिडनी, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेलने वाले क्रिकेटर बॉब काउपर का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने काउपर के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक बयान में कहा कि काउपर एक बेहद प्रतिभाशाली बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। वह अपने शानदार स्ट्रोक, क्रीज पर धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते बड़े स्कोर बनाने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध थे। सीए ने कहा इस दुखद समय में बॉब के परिवार, दोस्तों और पूर्व साथियों के प्रति हमारी गहरी संवे. दनाएं। बाएं हाथ के बल्लेबाज काउपर ने अपना अधिकांश प्रथम श्रेणी क्रिकेट विक्टोरिया के लिए खेला। उन्होंने 1959-60 और 1969-70 के बीच कुल 147 मैचों में 26 शतकों के साथ 53-78 की औसत से 10,595 रन बनाए। अपने 27 टेस्ट मैचों में काउपर ने पांच शतकों के 2061 रन बनाए। इसमें 1966 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी 307 रन की यादगार पारी भी शामिल है। अंशकालिक ऑफ स्पिनर के रूप में काउपर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 183 और टेस्ट मैच में 36 विकेट लिए। उन्होंने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में भी काम किया।

नवोन को हरा सिनर इटालियन ओपन के अगले दौर में

रोम, वार्ता। डोपिंग मामले में तीन महीने के निलंबन के बाद मैदान पर लौटे इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी यानिस सिनर ने अर्जेंटीना के मारियानो नवोन को हराकर इटालियन ओपन के अगले दौर में जगह बना ली है। यानिस सिनर ने पुरुष एकल मुकाबले में घरेलु दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करते हुए मारियानो नवोन को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार घरेलु दर्शकों के सामने खेलते हुए यह पहली जीत दर्ज की है यह उनकी लगातार 22वीं जीत है। सिनर अगले दौर में नीदरलैंड के जेसपर डे जोंग से मुकाबला होगा।

विराट टेस्ट से संन्यास न लें: लारा

■ **कहा: टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत, आगे 60 से ऊपर की औसत से रन बनाएंगे**

मुंबई, वार्ता। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा कि विराट कोहली को अभी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए। दरअसल, यह खबर सामने आई थी कि विराट ने बीसीसीआई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की जानकारी दी है। हालांकि, बीसीसीआई ने उनसे अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। लारा टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में 400 रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने इंस्टग्राम पर विराट के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा- टेस्ट क्रिकेट को विराट की जरूरत है, उन्हें मना लिया जाएगा। वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेने जा रहे हैं। विराट अपने बचे हुए टेस्ट करियर में 60 से ऊपर की औसत से रन बनाने जा रहे हैं। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 25 से कम की औसत से रन बनाए थे बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। पिछले 5 साल में उन्होंने 37 टेस्ट में सिर्फ 3 शतक लगाए और औसत 35 से भी नीचे रहा। इससे पहले कोहली ने टी-20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन आईपीएल 2025 में वह जबरदस्त फार्म में रहे।

रिकी पोंटिंग के बोलने पर पंजाब प्लेयर्स ने फ्लाइट छोडी

● **सीजफायर के बाद कोच का फैसला, सुरक्षा वजह से दिल्ली के खिलाफ मैच टला था**

नई दिल्ली, वार्ता। पंजाब के हेड कोच रिकी पोंटिंग अपने घर ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए रवाना होने वाले थे, तभी भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का ऐलान हुआ। इसके बावजूद, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर के पास स्वदेश वापस जाने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का निर्णय लिया और आखिरी समय में फ्लाइट से उतर गए। साथ ही सभी विदेशी प्लेयर्स को भी इसके लिए मनाया। पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण 9 मई को आईपीएल 2025 को सस्पेंड करना पड़ा था। तब बीसीसीआई ने कहा था कि देश इस समय युद्ध की स्थिति में है और ऐसे में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ठीक नहीं है। 10 मई को पाकिस्तान के साथ सीजफायर समझौते के बाद आईपीएल 16 मई से फिर से शुरू हो सकता है। ऐसे में लीग के बचे हुए मुकाबले के वेन्यू डिसाइड करने को लेकर बीसीसीआई मंथन कर रहा है। इसके लिए सरकार से सुझाव भी लिए जा रहे हैं और अगले 48 घंटों में इस पर कोई फैसला लिया जा सकता है। धर्मशाला स्टेडियम में 8 मई को पंजाब-दिल्ली का मैच हो रहा था। 10.1 ओवर का खेल हो चुका था, तभी सुरक्षा कारणों से मैच रद्द कर

दिया गया। स्टेडियम में ब्लैकआउट कर दिया गया। इसके बाद प्लेयर्स को दूसरे दिन स्पेशल वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली पहुंचाया गया था। पोंटिंग अगले 2 दिन दिल्ली में ही रुके था और उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि पंजाब किंग्स के विदेशी खिलाड़ी जो दो देशों के बीच बढ़ते तनाव से चिंतित थे उन्हें समझा कर भारत में ही रोका जाए। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने वर्ल्ड कप विनर कैप्टन के बारे में कहा, यह पोंटिंग के चरित्र को दर्शाता है। केवल वही ऐसा कर सकते थे।

पाक से निकलकर अच्छा लग रहा: रिशाद

भारत-पाक तनाव के कारण एयरपोर्ट पर टॉम रोने लगे थे

दुबई, वार्ता। बांग्लादेशी लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने पाकिस्तान से दुबई पहुंचने के बाद पत्रकारों से कहा कि हम एक तनाव के बीच दुबई पहुंचकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। रिशाद ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) में भाग ले रहे विदेशी खिलाड़ियों के अनुभव को साझा किया।

वे पाकिस्तान सुपर लीग में लाहौर कलंदर्स से खेलते हैं। 9 मई को पीसीबी ने पाकिस्तान लीग कैंसिल की भारत-पाक के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए पीसीएल को 9 मई को स्थगित कर दिया गया था। जिसके बाद विदेशी खिलाड़ी अपने-अपने घर लौटने लगे। पीसीएल में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को यूएई भेजा गया, जहां से उन्हें उनके देश के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट की सुविधा दी गई। मिचेल ने दोबारा पाकिस्तान न आने की बात कही रिशाद ने बताया कि सैम बिलिंग्स, डेरिल मिचेल, कुशल परेरा, डेविड वीजे, टाम करन जैसे खिलाड़ी पूरी तरह से डरे हुए थे। दुबई उतरने के बाद डेरिल मिचेल ने मुझसे कहा कि वे ऐसी स्थिति में दोबारा कभी पाकिस्तान नहीं जाएंगे। सभी खिलाड़ी भयभीत थे। इंग्लैंड के क्रिकेटर टाम करन तो इस कदर घबरा गए कि वे रोने लगे। जब टाम एयरपोर्ट पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि एयरपोर्ट बंद है। इसके बाद वे बच्चे की तरह रोने लगे। उन्हें संभालने के लिए 2-3 लोगों की जरूरत पड़ी। नाहिद राणा काफी तनाव में थे रिशाद ने बताया कि बांग्लादेशी पेसर नाहिद राणा बहुत चुप थे।

इंग्लैंड दौरे पर जाएगी युवा टीम इंडिया!

■ **रोहित और विराट के रिप्लेसमेंट ढूंढने होंगे, 9 खिलाड़ी उनकी जगह लेने को तैयार**

नई दिल्ली, वार्ता। रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 10 मई को खबरें आई कि विराट कोहली ने भी बीसीसीआई से टेस्ट रिटारयरमेंट की इच्छा जता दी। हालांकि, बोर्ड उन्हें मनाने में जुटा है।

अगर विराट भी रिटायर हो गए तो टेस्ट टीम में रवींद्र जडेजा को छोड़कर कोई भी 60 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाला सीनियर प्लेयर नहीं बचेगा। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि प्लेइंग-11 में रोहित और विराट की जगह कौन लेगा? शुभमन गिल टेस्ट टीम के कप्तान और ऋषभ पंत उप कप्तान बनाए जा सकते हैं। जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को देखते हुए उन्हें लीडरशिप रोल देना मुश्किल है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया कि बुमराह अगर कप्तान नहीं बने तो उन्हें उपकप्तान बनाने का कोई मतलब नहीं। रोहित शर्मा ने 7 मई को टेस्ट से संन्यास लिया। पिछले 6 साल से वे रेड बाल में ओपनिंग कर रहे हैं। ओपनिंग पोजिशन पर उनकी जगह केएल राहुल परमानेंट हो सकते हैं। जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की थी।

शुभमन भी ओपनिंग करने लौट सकते हैं। इनके अलावा भी 4 युवा प्लेयर्स रोहित की जगह लेने के दावेदार हैं। 23 साल के सुदर्शन आईपीएल में अपनी परफार्मेंस के बाद चर्चा में हैं। वे भारत के लिए 3 वनडे और 1 टी-20 खेल चुके हैं। उनकी टेक्नीक और स्किल को देखते हुए रवि शास्त्री जैसे एक्सपर्ट्स उन्हें टेस्ट टीम के लिए फिट बता चुके हैं। सुदर्शन फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 7 शतक लगा चुके हैं और उन्हें इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट का अनुभव भी है। 24 साल के पडिक्कल को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मौका मिला था। उन्होंने नई गेंद के सामने बेहतरीन बैटिंग की थी। 2 टेस्ट के अलावा वे 2 टी-20 भी खेल चुके हैं। वे इंडिया-ए टीम से लगातार फर्स्ट क्लास मैच खेलते रहते हैं। इस फार्मेट में 6 शतक लगाकर वे 2815 रन बना चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित पहला मैच नहीं खेल सके, उनकी जगह स्क्वाड में ईश्वरन को ही मौका मिला था।

उन्हें अब तक इंडिया डेब्यू का मौका नहीं मिला, लेकिन फर्स्ट क्लास के 101 मैचों में वे 27 शतक लगा चुके हैं। व्हाइट बाल क्रिकेट में भारत से डेब्यू कर चुके गायकवाड भी रोहित को रिप्लेस करने के उम्मीदवार हैं। हालांकि, वे घरेलू क्रिकेट में रेड बाल से ज्यादा प्राथमिकता व्हाइट बाल को देते हैं। देखना अहम होगा कि उन्हें स्क्वाड में शामिल करने के बारे में विचार होता है या नहीं। गायकवाड के नाम 7 फर्स्ट क्लास शतक हैं। विराट कोहली ने बीसीसीआई को टेस्ट से संन्यास लेने की इच्छा जता दी। वे टीम में नंबर-4 पर बैटिंग करते हैं और स्क्वाड के सबसे अनुभवी मेंबर हैं। उनके जाने से टीम में मिडिल आर्डर के अनुभवी और मजबूत बैटर का बहुत बड़ा गैप बनेगा। जिसे भरने के लिए भी 5 दावेदार मौजूद हैं।

मधुरा ने जीता पहला विश्व कप स्वर्ण

■ **वर्मा और मधुरा ने कम स्कोर वाले प्लेऑफ में मलेशिया को हराकर पोडियम पर अंतिम स्थान हासिल किया**

शंघाई, वार्ता। मधुरा धामनगांवकर ने विश्वकप तीरंदाजी की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपने सपनों की वापसी की जबकि भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने यहां तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2 में एक और स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पदकों की झड़ी लगा दी। तीन साल के अंतराल के कारण विश्व तीरंदा. जी स्टैंडिंग महिलाओं की कंपाउंड टीम के फाइनल में ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धामनगांवकर और चिकिथा तानिपार्थी की भारतीय तिकड़ी को मजबूत मैक्सिकन टीम से 221-234 से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। एकतरफा फाइनल के बावजूद टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता दिखाई।

भारत का अभियान मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ, जहां वर्मा और मधुरा ने कम स्कोर वाले प्लेऑफ में मलेशिया को हराकर पोडियम पर अंतिम स्थान हासिल किया। मधुरा, इससे पहले आखिरी बार मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण 4 में दिखाई दी थीं, ने अपने प्रदर्शन के साथ वापसी की है जो भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

मिश्रित टीम वर्ग में 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में कंपाउंड तीरंदाजी की शुरुआत होने के साथ, विश्व कप चरण में भारत का लगातार प्रदर्शन इसकी ओलंपिक आकांक्षाओं के लिए एक आशाजनक संकेत है।

दीपिका, पार्थ ने जीते कांस्य पदक

शंघाई, वार्ता। ओलंपियन दीपिका कुमारी और पार्थ सालुंके ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप 2025 में व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धाओं में कांस्य पदक अपने नाम किये। इसके साथ ही भारत ने टूर्नामेंट में कुल सात पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। दीपिका कुमारी ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। यह तीरंदाजी विश्व कप में उनका 37वां पदक है। इससे के साथ ही वह अब सबसे अधिक पदक जीतने वाली भारतीय तीरंदाज बन गईं। 12वीं वरीयता प्राप्त दीपिका ने महिलाओं के व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी कांस्य पदक मैच में टोक्यो 2020 में स्वर्ण पदक जीतने वाली कोरिया गणराज्य टीम की सदस्य कांग चाए-यंग को 7-3 से हराकर यह पदक जीता। इससे पहले दीपिका ने क्वार्टरफाइनल में चीन की ली जियामन को 6-2 से हराया था। सेमीफाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन लिम सिहयोन से 1-7 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पार्थ सालुंखे ने पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के दौरान कई उलटफेर किए। सालुंखे ने कांस्य पदक के लिए हुए मैच में फ्रांसीसी तीरंदाज बैपटिस्ट एडिस को 6-4 से हराया। भारतीय तीरंदाज ने पहले राउंड में शूट-ऑफ में टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज को हराया और फिर इसके बाद उन्होंने क्वार्टरफाइनल में दक्षिण कोरिया की किम जे देओक को 6-2 से मात दी।

अनाहत ने विश्व की 28वें नंबर की खिलाड़ी को घुटनों पर बैठाया

शिकागो, वार्ता। भारत की युवा स्क्वैश सनसनी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने पदार्पण मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की वर्ल्ड नंबर 28 मरीना स्टेफनोनी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व में 62वें स्थान पर और भारत की शीर्ष रैंक की 17 वर्षीय महिला खिलाड़ी अनाहत ने शुक्रवार को उच्च रैंक वाली अमेरिकी खिलाड़ी के खिलाफ 51 मिनट के मैच में 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-2 (10-12, 11-9, 6-11, 11-6, 11-6) से रोमांचक जीत दर्ज की। मैच के बाद अनाहत ने कहा, ह हमने वास्तव में लंबी रैलियां कीं और वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वह वास्तव में अच्छा खेल रही है और शीर्ष 30 में शामिल हो गई है। मुझे पता था कि यह एक संघर्ष होने वाला है। मैं थक गई हूँ, लेकिन वास्तव में खुश हूँ कि मैं इससे बाहर निकल गई। ड्रॉ में एकमात्र भारतीय महिला अनाहत को अब दूसरे दौर में मिस्र की विश्व नंबर 15 फैरोज़ अबोएलखिर के रूप में एक और भी कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वहां जीत से वह प्री-क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर 1 नूरन गोहर से भिड़ सकती है। इस बीच, भारतीय पुरुषों ने भी पहले दिन सफलता का आनंद लिया, जिसमें चार प्रतिभागियों में से तीन दूसरे दौर में पहुँच गए। 38वें स्थान पर काबिज अभय सिंह ने स्विट्जरलैंड के विश्व नंबर 25 निक. ोलस म्यूलर को 41 मिनट में 3-1 (11-7, 2-11, 11-7, 11-6) से हराया। अब उनका सामना मिस्र के 13वें वरीय यूसुफ इब्राहिम से होगा।

श्रियांशी, बिनीत व सुमित अंतिम 16 में

लखनऊ, वार्ता। देश भर के आए उम्दा खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन का नजारा लखनऊ में चल रही 13वीं राष्ट्रीय सीनियर पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के दूसरे दिन देखने को मिला। इसमें जबरदस्त मुकाबलों के साथ कई राज्यों के धुरंधरों ने अपने-अपने वर्गों में बेहतरीन प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। उत्तर प्रदेश की श्रियांशी अस्थाना, बिनीत कुमार यादव व सुमित कुमार भारती ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देकर अंतिम 16 में स्थान सुरक्षित किया। इंडियन पेंचक सिलाट फेडरेशन के तत्वावधान में पेंचक सिलाट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ यूपी के तत्वावधान में इस चैंपियनशिप का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में किया जा रहा है।

भारत ने त्रिकोणीय सीरीज जीती, श्रीलंका को हराया

भारत की तरफ से स्नेहा राणा ने चार और अमनजोत ने तीन विकेट हासिल किए

कोलंबो, वार्ता। भारत ने श्रीलंका को 97 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मुकाबला जीत लिया। कोल. बो में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शतकीय पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट खोकर 342 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 48.2 ओवर में सिर्फ 245 रन ही बना सकी और आलआउट हो गई। उनके लिए कप्तान चामरी अटापटू ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली। वहीं, भारत की तरफ से स्नेह राणा ने चार और अमनजोत कौर ने तीन विकेट चटकाए। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका थी जो फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत झटके के साथ हुई। अमनजोत कौर ने पहले ही ओवर में हसिनी पेरेरा को बोल्ड किया। वह खाता भी नहीं खोल पाई। हालांकि, श्रीलंका ने इससे उबरते हुए विश्मी गुनारत्ने और चामरी अट्टापट्टू की साझेदारी की बदौलत दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। अमनजोत ने अपनी गेंदबाजी का कहर बरपाते हुए दोनों बल्लेबाजों को बोल्ड कर दिया। विश्मी 36 और चामरी 51 रन बनाकर आउट हुईं। इसके अलावा निलक्षिका सिल्वा ने 48, हर्षिता समरविक्रमा ने 26 और देवमी विहंगा ने चार रन बनाए। फिलहाल अनुष्का संजी. वनी और पियूमी वत्सला क्रीज पर मौजूद हैं। 37 ओवर के बाद स्कोर 189/6 है। टीम इंडिया को पहला झटका प्रतिका रावल के रूप में लगा। वह 49 गेंद पर दो चौके की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुईं। रावल ने मंधाना के साथ ओपनिंग विकेट के लिए 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद मंधाना ने हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी निभाई। इस बीच मंधाना ने वनडे करियर का 12वां शतक पूरा किया। उन्होंने 101 गेंद में 15 चौके और दो छक्के की मदद से 116 रन की पारी खेली। वहीं, हरलीन देओल 56 गेंद में चार चौके की मदद से 47 रन बना सकीं। इसके बाद हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 48 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत 30 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन और जेमिमा 29 गेंद में चार चौके की मदद से 44 रन बना सकीं। ऋचा घोष आठ रन और अमनजोत कौर 18 रन बनाकर आउट हुईं।

एसपी देहात ने चारधाम यात्रा व बुद्ध पूर्णिमा के स्नान को लेकर

नारसन बॉर्डर की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एआरटीओ से ग्रीन कार्ड व्यवस्थाओं की भी ली जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

गुरुकुल नारसन। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा और कल हरिद्वार में होने वाले बुध पूर्णिमा के स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।उत्तराखंड यूपी की सीमा पर भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। नारसन बॉर्डर पर चारधाम यात्रा को लेकर देश भर से आने वाले वाहनों के लिए ग्रीन कार्ड की व्यवस्था की गई है। संभागीय परिवहन विभाग की के स्टाफ को ग्रीन कार्ड बनाने की जिम्मेदारी दी गई है इतना ही नहीं मैडिकल सुविधा भी मौजूद है। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यात्रा पर उसका जरूर प्रभाव पड़ा है लेकिन उसके बावजूद यात्रियों की संख्या में इजाफा होने लगा है। आपरेशन सिंदूर के बाद उत्तराखंड से लगने वाले सभी सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एस पी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि सोमवार के बुध पूर्णिमा के स्नान को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के

पुख्ता इंतजाम किए हैं बॉर्डर से आने वाले भारी वाहनों को डाइवर्जन किया जायेगा। बाहर से आने वाले यात्रियों को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो इसके लिए खास इंतजाम किए गए है। चारधाम यात्रियों की सुविधा को भी ध्यान में रखा गया है।उन्होंने बताया कि मंगलौर कोतवाली प्रभारी शांति कुमार पूरी फोर्स के साथ नारसन बॉर्डर पर तैनात हैं। वहीं उन्होंने कहा कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले यात्रियों को चारधाम जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर हर चौक पोस्ट प्वाइंट पर अलग से पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। एआरटीओ रोक्सी एल्विन ने बताया कि चारधाम यात्रा के लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया लगातार चल रही है बार से आने वाली वाहनों का फिटनेस वन्य तमाम संबंधी चीजों की जांच की जा रही है मानको के अनुरुप कार्य के जा रहे हैं वाहन के कागजात व फिटनेस तथा अत्य चीजों की सही बारीकी से जाँच जा रही है।

लक्सर पुलिस ने पब्लिक को लौटाए खोए हुए मोबाइल

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस ने ध रातल पर कार्यवाही करते हुए 12 मोबाइल बरामद किये है जो जिनके थे उनको वापस कर दिये है।

पुलिस क्षेत्र अधिकारी नताशा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया थाना क्षेत्र में खोए हुए 12 मोबाइल को सी ई आई आर पोर्टल पर सर्चिंग के लिए लगाकर लोकेशन यूजर आईडी की जानकारी कर बरामद किए हैं। उन्होंने बताया पुलिस मुख्यलय स्थल से मोबाइल फोन चोरी होने पर बरामदगी के लिए सी ई आई आर पोर्टल का गठन किया गया था जिसके लिए एसएसपी हरिद्वार द्वारा थाने स्तर पर पुलिस टीम गठित करने के लिए निर्देशित किया था। एसएसपी हरिद्वार के निर्देशअनुसार थाने पर उक्त पोर्टलोके संचालन के लिए हेड कांस्टेबल विनोद कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम गठित की गई थाने पर मोबाइल फोन मिसिंग चोरी की रिपोर्ट पर लक्सर पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए सी ई आई आर पोर्टल पर लगाकर बरामद करने के प्रयास किए जाते रहे जिसमें बहुत हद तक कामयाबी मिल गई। थाना क्षेत्र से गुम हुए 12 मोबाइल फोन को उत्तराखंड उत्तर प्रदेश पंजाब से बरामद किए गए जिन टेलिफोनो को बरामद किया गया है। उनके कीमत लगभग 1 लख 84 हजार बताई जा रही है। उन्होंने बताया जिनके टेलिफोन थे उनको वापस कर दिये गए हैं अपने टेलिफोन पाकर लोग खुश नजर आ रहे हैं और उन्होंने पुलिस को सैलुट भी किया है।

पति पर मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। गंगनहर कोतवाली की एक विवाहता ने तहरीर देकर बातया कि उसका पति उसके साथ मारपीट की ओर घर से बाहर निकाल दिया। पत्नी ने बताया कि उसकी शादी एक्कड गांव में हुई पति लगातार मारपीट करता है। फिलहाल वह मायके में रह रही है लेकिन उसका पति लगातार परेशान कर रहा है।

युवकों ने युवती से की छेड़छाड़, बीच बचाव में आई महिला पर भी हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र रुड़की के माहीग्रान में युवती से दो युवकों ने छेड़छाड कर मारपीट की। वहीं बीच बचाव में आई एक महिला पर भी युवकों ने हमला कर दिया। सिविल लाइन कोतवाली पुलिस तहरीर के आध ार पर जांच करने में जुटी है।

जानकारी के अनुसार रुड़की के बंधा रोड़ निवासी एक युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है।युवती का आरोप है जब वह देर शाम माहिग्रान स्थित अपने निर्माणाधीन आवास को देखने के लिए गई तो तभी वहां पहले से खड़े अनस पुत्र इनाम और हुसैन पुत्र साहिल ने उसके साथ अश्लील टिप्पणी और छेड़छाड़ कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो उन्होंने छेड़छाड़ करते हुए उसके साथ धक्का मुक्की कर दी उसके कपड़े तक फाड़ डाले। मौके पर चीखपुकार की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो गए। जब दोनों युवकों को पड़ोसी सुभानी ने रोकना चाहा तो दोनों ने उस पर लात घूंसों से उस पर हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। सुभानी का हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। आरोप है कि उसका परिवार तभी से मानसिक रूप से तनाव में है उसे अपने परिवार की जान का खतरा सता रहा है। फिलहाल सिविल लाइन कोतवाली पुलिस तहरीर के आधार पर जांच करने में जुटी है। एस एस आई विनोद थपलियाल का कहना है कि अभी उन्हें तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी।

अवैध चाकू के साथ पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है उसके कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ है राजीव रौथान कोतवाली प्रभारी लक्सर के द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाये जाने के लिए निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा 10 मई 2025 को मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को पकड़ा गया जिसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम फहीम अहमद पुत्र कामिल हसन निवासी ग्राम नेहन्दपुर सुठारी थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक हरीश गैरोला कांस्टेबल अरविंद चंदेल प्रकाश खनेडा शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

कलियर पुलिस ने आंतरिक सुरक्षा को लेकर चलाया सत्यापन अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। पुलिस ने अंतरिक सुरक्षा को लेकर कस्बे में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान करीब तीन सौ लोंगो का सत्यापन किया गया।

जानकारी के अनुसार पिरान कलियर थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि आंतरिक सुरक्षा को लेकर रविवार अल सुबह पुलिस ने कस्बे में अलग अलग टीम बनाकर बाहरी व्यक्तियों, किराएदारों, फड़-फेरी वालों प्रतिष्ठानों अन्य स्थानों पर काम करने वाले मजदूरों के साथ साथ बाजारों में घूमने वाले संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया।इस दौरान सत्यापन न कराने वाले आठ मकान मालिकों के दस

दस हजार के न्यायालय ओर आठ के पुलिस एक्ट में चालान किए।इस मौके पर एसएसआई बीएस चौहान, इमलीखेड़ा चौकी प्रभारी उमेश कुमार, धनौरी चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान, एएसआई इमामुद्दीन, राम अवतार समेत पुलिसबल मौजूद रहा।

छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

परिजनों का फोन से युवक पर प्रताड़ना का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। सिविल लाईन कोतवाली क्षेत्र की एक छात्रा ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि युवती को कोई युवक पिछले कुछ दिनों से फोन पर प्रताडित कर रहा था जिससे तंग आकर छात्रा ने यह कदम उठाया। पुलिस ने तहरीर के आधार आरोपी युवक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिये हैं।

जानकारी के अनुसार सिविल लाईन कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली युवती ने घर में रखा सलफास खा लिया। अचानक तबीयत बिगडने पर युवती को परिजनों से सिविल अस्पताल भिजवाया। वहां से निजी अस्पताल भर्ती कराया गया लेकिन युवती की इस दौरान मौत हो गयी। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवती के शव को पोस्टमर्टम के लिए भिजवाया। मुतका के परिजनों ने पुलिस को बताया कि एक युवती उनकी बेटी को लगातार फोन पर परेशान करता था जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थी उससे तंग आकर युवती ने सलफास खाकर जान दे दी। परिजनों का कहना है कि युवक के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये। पुलिस ने आरोपी युवक की पहचान के प्रयास शुरू कर दिये हैं।

दो दिवसीय महषि 'वाल्मीकि रचित श्री राम कथा संपन्न

रुड़की। रामनगर आर्य समाज के प्रांगण में दो दिवसीय महर्षि वाल्मीकि रचित श्री राम कथा वेद अनुसार श्रद्धेय आचार्य पवन वीर द्वारा संपन्न हुई। दो दिन तक चली राम कथा का आनंद भक्त जनों ने उठाया। राम कथा समापन के पूर्व पुरोहित श्रद्धेय पवन वीर के द्वारा यज्ञ संपन्न हुआ जिसमें यजमान की भूमिका सुमित परिवार ने निभाई। इस अवसर पर विद्वान निरंजन एवं आचार्य योगेंद्र मेधावी ने उपस्थित होकर यजमान को आशीर्वाद दिया। उपस्थित भक्त जनों ने ऋषि लंगर का आनंद लिया। आयोजन के अंत में आर्य समाज प्रधान रामनगर, रामेश्वर प्रसाद सैनी, मंत्री, संदीप एडवोकेट एवं कोषाध्यक्ष नीरज सैनी समेत उपस्थित भक्त जनों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

पुलिस के लगातार सत्यापन अभियान से लोगों में खलबली

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा चलाया गया सत्यापन अभियान से बगैर सत्यापन अवैध रूप से रह रहे लोगों में खलबली मची रही। अभियान के दौरान 115 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। पुलिस ने लोगों से जुर्माना भी वूसला है। कहा जो भी किरायेदार अपने यहां रखेगा उसका सत्यापन जरूर करा ले।

जानकारी के अनुसार लक्सर पुलिस के द्वारा लगातार सत्यापन अभियान से बगैर सत्यापन अवैध रूप से रह रहे लोगों में खलबली मची रही। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा आंतरिक सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए थाना क्षेत्र में निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों किराएदार व होटल ढाबो में कार्य करने वाले व्यक्तियों बाजारों में घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों फड फेरी वाहनों की चेकिंग के लिए सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया था जिसमें कस्बा लक्सर नगर पंचायत सुल्तानपुर में सत्यापन अभियान चलाया गया अभियान के दौरान 115 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया जिनमें 21 चालान 81 पुलिस एक्ट के 5250 उनसे संयोजन शुल्क वसूला गया। उन्होंने कहा जो भी उपरोक्त व्यक्तियों को अपने यहां रखेगा उसका सत्यापन जरूर करा ले अन्यथा उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सचल दल ने घायल को अस्पताल पहुंचाया

शाह टाइम्स संवाददाता

गुरुकुल नारसन। नेशनल हाईवे पर एक बाइक सवार सड़क किनारे पड़ी बजरी की चपेट में आ गया जिससे वह सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया घायल को सचल दलने उठाया और 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया जानकारी के अनुसार नारसन द्वारा ठस्का गांव के पास एक मोटरसाइकिल सवार जो रोड के किनारे घायल था उसको एंबुलेंस के द्वारा अस्पताल भिजवाया गया मौके पर प्रदीप सैनी सचल दल सिपाही और अन्य व्यक्ति द्वारा मदद दी गई यह दुर्घटना सड़क पर पड़ी बजरी के कारण हुई जिससे मोटरसाइकिल का पहिया रिपट कर डिसबैलेंस हुआ और बाइक जमीन पर जा गिरी जिसे वहां से गुजर रहे सचल दल ने देखते ही उठाया और बाद में उसे अस्पताल भर्ती कराया।

पुलिस ने एक सट्टेबाज दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक सट्टे बाज को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से 1550 रुपए बरामद हुए हैं राजीव रौथान कोतवाली प्रभारी लक्सर के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधीयो संदिग्ध व्यक्तियों व असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाये जाने के लिए सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया था 10 मई 2025 को चेकिंग के दौरान एक सट्टेबाज व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से 1550 रुपए बरामद हुए पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम वसीम पुत्र शकील निवासी सुल्तानपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में सुल्तानपुर पुलिस चौकी पर भारी वीरेंद्र सिंह नेगी कांस्टेबल अरविंद चौहान अनूप पोखरियाल शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधि त मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के प्रमुख पेश किया जा रहा है।

भगवानपुर पुलिस ने चलाया विशेष सत्यापन अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। श्रीमान एसएसपी हरिद्वार के निर्देशन में थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया। बिना सत्यापन के रहने वालों से जुर्माना भी वसूला गया।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार महोदय द्वारा जनपद में बाहरी प्रदेशों से आये कर्मचारी/मजदूर/फड़/किरायेदार ठेली वाले व्यक्तियो के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के अन्तर्गत प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर द्वारा आज अलग-अलग टीमों का गठन कर वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया एवम निम्नलिखित कार्यवाही की गयी। अभियान के दौरान सत्यपान का क्षेत्र चांद कालोनी'110 मकान मालिकों के घरो पर जाकर सत्यापन किया गया जिनमें से 45 मकान मालिक को द्वारा अपने मकानो में रखे गए किराएदारों का सत्यापन नहीं कराया गया था जिस कारण 45 मकान मालिको का धारा 83 पुलिस अधिनियम में चालान संयोजन शुल्क 450,000 /- रुपये न्यायालय किया गया। सत्यापन की कुल संख्या-240 किरायेदार, सत्यापन के दौरान संदिग्ध पाये जाने पर 04 लोगो के 81 उत्तराखंड पुलिस अधिनियम मे किया चालान 1000/- रु0 संयोजन शुल्क वसूला गया।

कारोबार में साझेदार बनाने का झांसा देकर दंपति ने की 45 लाख की ठगी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। एक दंपती ने स्क्रैप के कारोबार में मोटा मुनाफा बताकर और साझेदार बनाए जाने का झांसा देकर दो लोगों से 45 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद फोन बंद कर लिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित दंपती के मकान पर पहुंचे तो पता चला कि दोनों ट्रक में घर का सारा सामान लादकर रातोंरात फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर पर जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के बेलड़ा गांव निवासी सुप्रित चौधरी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। इसमें बताया गया कि आशीष और उसकी पत्नी राधा निवासी साउथ ग्रीन सिटी बेलडी, साल्हापुर से उनकी काफी साल पुरानी जान पहचान है। आशीष ने अपना मकान बेचकर गंगोत्रीपुरम निकट शनिदेव मंदिर के पीछे, कान्हापुर में नया मकान लेने की बात उसे बताई थी। आशीष और उसकी पत्नी राध ा ने बताया था कि हरिद्वार स्थित एक कंपनी से वह स्क्रैप लेकर मुजफ्फरनगर स्थित एक लोहा कंपनी में सप्लाई का काम करता है। इसमें मोटा मुनाफा होता है। उसने सुप्रित को इस काम में साझेदार बनाने के लिए 25 दिसंबर 2024 को 30 लाख रुपये की रकम ली थी। उसने दो जनवरी 2025 से काम शुरू होने की बात कही थी। आशीष ने बेलड़ी निवासी ललित से भी स्क्रैप के काम में साझेदार बनाने के लिए 15 लाख की रकम ली थी। जब उसने 31 दिसंबर 2024 को फोन किया तो उसका नंबर बंद मिला। उसकी पत्नी राधा का नंबर भी बंद मिला। उसने काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। जब उसने उसके मकान पर जाकर पूछताछ की तो पता चला कि वह ट्रक में सामान लादकर फरार हो गया है। पीड़ित ने इस बाबत पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इस मामले में आशीष और उसकी पत्नी राधा पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पेट्रोल पंप के सेल्समैन से हाथापाई कर 25 हजार छीने

शाह टाइम्स संवाददाता

कलियर। एक पेट्रोल कर्मचारी से हाथापाई करते हुए युवक ने 25 हजार रुपये छीन लिए और जान से मारने की धमकी देता हुआ फरार हो गया। पीड़ित ने आरोपी युवक पर उससे रंजिश रखने आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है। पुलिस आपसी लेनदेन की आशंका को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार एक पेट्रोल कर्मचारी से हाथापाई करते हुए युवक ने 25 हजार रुपये छीन लिए। कलियर थाना क्षेत्र के मेहवड़ गांव निवासी हनी रुड़की सिविल लाइंस स्थित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन हैं। शनिवार सुबह वह किसी के लिए शहीद चंद्रशेखर आजाद चौक के पास लस्सी लेने के लिए गया था। इसी दौरान टोडा निवासी एक युवक ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि उसने हनी के साथ गाली-गलौज कर दी। जब उसने इसका विरोध किया तो उसकी पिटाई कर दी। यही नहीं युवक ने उसकी जेब से 25 हजार रुपये की नकदी छीन ली। जब उसने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। शोर मचाने पर आसपास के लोग वहां पर आए और घटना की जानकारी ली। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को मामले की तहरीर दी है। हनी ने पुलिस को बताया कि आरोपी युवक उससे रंजिश रखता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाने आए दो भाइयों में गाली गलौज, पुलिस ने दिखाई हवालात

रुड़की। घरेलू विवाद के एक मामले में मेवाड़ के दो भाइयों को कोतवाली बुलाया जाने पर पूछताछकी गई इसी दौरान दोनों भाइयों में आपस में गाली गलौज चंगा झगड़ा हो गया जिसके बाद पुलिस ने दोनों का हवालात दिखाई विश्वास पुत्र तासुराम ,विकास पुत्र तासुराम निवासी गण मेवड़ कला थाना कलियर जनपद हरिद्वार का किसी घरेलू मामले को लेकर विवाद चल रहा था जिनको पूछताछ के लिए कोतवाली रुड़की पर बुलाया गया था उक्त दोनों भाइयों द्वारा कोतवाली रुड़की पर ही लड़ाई झगड़ा करना शुरू कर दिया जिनको काफी समझाने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं माने मरने मारने पर उतारू हो गए शांति व्यवस्था के दृष्टिगत दोनों को धारा 170 ठछै में गिरफ्तार किया गया दोनों अभियुक्त गणों को माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त 1. विश्वास पुत्र तासुरम2. विकास पुत्र तासु राम निवासी मेवाड़ कला थाना कलियर जनपद हरिद्वार है।

भाजपाइयों ने खानपुर विधायक का फूंका पुतला

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। खानपुर से पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन और मौजूदा विधायक उमेश कुमार के बीच एक बार फिर विवाद शुरू हो गया है। दो दिन पहले लंढौरा के पास दोनों के बीच में विवाद को लेकर जहां पुलिस ने एक तरफ मुकदमा दर्ज कर अपनी जान शुरू कर दी है। वही भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज लंढौरा में मंडल अध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में खानपुर विधायक उमेश कुमार का पुतला फूँक कर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा रोष देखने को मिला।

भाजपा लंढौरा मंडल अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि आज भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने खानपुर विधायक उमेश कुमार का पुतला फूंका है। उन्होंने कहा कि विधायक होने के बावजूद उमेश कुमार ने पूर्व विधायक प्रणव सिंह पर हमला किया है जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। उन्होने कहा कि उमेश कुमार के द्वारा जो वादे जनता के साथ किए गए थे वह वादे पूरे नहीं किए गए बल्कि अपनी गाड़ी में असामाजिक तत्वों को बैठाकर घूम रहे हैं और मनमानी कर

रहे हैं जिसे क्षेत्र की जनता बिल्कुल बर्दाशत नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वह मांग करते हैं कि ऐसे विधायक को तत्काल रूप से बर्खास्त किया जाए। भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष किरन सिंह ने कहा कि जो घटना दो दिन पहले हुई है वह बहुत ही निंदनीय है। आज देश जिस हालात से गुजर रहा है उसके बावजूद इस तरह की घटना को अंजाम देना कहां तक उचित है। उन्होंने कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और खानपुर की जनता में आक्रोश है जिसको लेकर आज उमेश कुमार का पुतला फूँका गया है।

रोटरी क्लब ने चारधाम यात्रा व्यवस्था को निशुल्क दी 40 कुर्सियां व छह डस्टबिन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रोटरी क्लब रुड़की द्वारा उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग पर तैनात प्रशासनिक कार्यालयों ख्र एसपी देहात ऑफिस रुड़की एवं एआरटीओ कार्यालय को कुल 40 कुर्सियां एवं 6 डस्टबिन निशुल्क प्रदान किए।

रोटरी अध्यक्ष वंदना व पूर्व गवर्नर सुभाष सरीन ने बताया कि रोटरी क्लब हमेशा से मानवता की सेवा में अग्रणी रहा है और चारधाम यात्रा जैसे महत्वपूर्ण ध ार्मिक आयोजनों में यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए कुर्सियां और स्वच्छ वातावरण हेतु डस्टबिन उपलब्ध कराना इस दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास है। एसपी देहात शेखर चंद्रा सुयाल एवं एआरटीओ एल्विन रॉक्सी ने रोटरी क्लब रुड़की का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे सहयोगात्मक प्रयास समाज में सेवा की भावना को मजबूत करते हैं और प्रशासनिक व्यवस्था को भी सहारा देते है । एसपी

देहात शिखर चंद्र सवाल ने कहा कि रोटरी क्लब रुड़की की यह पहल न केवल तीर्थयात्रियों की सुविधा हेतु महत्वपूर्ण है, बल्कि यह अन्य संगठनों को भी समाज सेवा हेतु प्रेरित करती है। क्लब ने भी भविष्य में भी इसी प्रकार जनकल्याणकारी कार्यों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई

पीओके के बिना बातचीत नहीं

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार की सायं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रयासों से सहमति बनी रही। हालांकि भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में स्पष्ट रूप से कहा है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच हुआ है। इसमें किसी तीसरे पक्ष का कोई दखल नहीं है। भारत ने यह भी कहा है कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है और इस समय केवल यही एक मुद्दा बचा है। हमे पीओके को वापस लेना है। जाहिर है भारत में यह ऐसे समय में कहा है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह पाकिस्तान व भारत के नेताओं को इस बात के लिए प्रेरित करेंगे जिससे कश्मीर के विवाद का हल निकाला जा सके। डोनाल्ड ट्रम्प ने सीजफायर को लेकर अपने ट्रूथ सोशल पर कहा है कि यह जो समझौता हुआ है इसके लिए दोनों देशों के नेताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। समझौते का श्रेय लेते हुए डोनाल्ड ट्रम्प यह कहने से भी नहीं चुकते कि इससे लाखों लोगों की जान जा सकती थी। बात सही भी है युद्ध का इतिहास बताता है कि यह किसी समस्या का समाधान नहीं होता। बल्कि कई समस्याओं को जन्म दे डालता है। युद्ध में भारी मानवीय व आर्थिक छति होती है। इसलिए इसका विकल्प भी अन्तिम ही होता है। दिलचस्प बात यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प कश्मीर के विवाद को हजार साल पुराना बता रहे है और वह दोनों देशों के नेताओं से मिलकर यहां काम करने की बात कह रहे है। यह उम्मीद भी जता रहे है कि इसका समाधान निकाला जा सकता है। जाहिर है ऐसे समय में जब आतंकवादी घटना को लेकर भारत-पाक एक तरह से पूर्ण युद्ध के मुहाने पर पहुंच गए थे। कश्मीर का मुद्दा उछालना थोड़ा अजीब लगता है। इस समय केवल यही बात होनी चाहिए थी कि आतंकवाद पर कैसे लगाम लगानी चाहिए। भले ही सीजफायर हो गया हो, लेकिन भारत अपनी तरफ से फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी साफ कह दिया है कि आतंकवाद पर भारत अब चुप नहीं रहेगा और यदि पहलगाम जैसी घटना दौहराई जाती है तो भारत उसे एक्ट ऑफ वॉर के रूप में लेगा। भारत ने यह भी साफ किया है कि पाकिस्तान के बीच कोई राजनायिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरज ऑफ मिलट्री के बीच सम्पर्क हुआ है ताकि सामा पर स्थिति को संभाला जा सके और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता। तब तक कोई बातचीत मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है। निसंदेह यह समय भारत के लिए बेहद चुनौती भरा है। क्योंकि उसका सामना ऐसे देश से हो रहा है जो आतंकवाद को तो पालता-पौसता ही है साथ ही जरा भी भरोसेमंद नहीं है। यह हमने सीजफायर के समझौते के बाद देखा भी है कि किस तरह उसने समझौते के बाद ड्रॉन हमला किया था। भारत इस बात को अच्छी तरह समझता है। तभी तो उसने पाक को हर तरीके से सबक सिखाने का मन बना लिया है और सीजफायर के समझौते के सम्मान करते हुए पाक की हर हरकत पर नजर भी रख रहा है और इसके लिए सेना को खुली छूट दे दी है।

संघर्ष विराम पर ट्रम्प की घोषणा हैरान करने वाला घटनाक्रम

पाक-भारत के बीच संघर्ष विराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा को हैरान करने वाली है, दो देशों के बीच के मसले का अंतर्राष्ट्रीयकरण नहीं किया जाना चाहिए, पिछले 24 घंटों में बहुत तेजी से बदले में यह जानकर सबको आश्चर्य हुआ कि भारत और पाक के बीच संघर्ष विराम की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हैं, यह शायद पहली बार हुआ है, जब सीजफायर की घोषणा सोशल मीडिया के जरिये अमेरिका के राष्ट्रपति करते हैं, उन्होंने जो अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है, हमें उस पर भी ध्यान देना चाहिए, भारत और पाकिस्तान के बीच जो मसला है, उसका अंतर्राष्ट्रीयकरण करना बेहद आश्चर्यजनक है, संघर्ष में सरहद के पास जिन नागरिकों की जान गई है कांग्रेस पार्टी उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

सचिन पायलट
कांग्रेस महासचिव

ऑपरेशन सिंदूर: आतंकवाद पर एक रणनीतिक चोट

6 मई की देर रात जब पाकिस्तान सो रहा था, भारत ने ऑपरेशन शुरू किया, यह हमला इतना गोपनीय था कि केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही इसकी जानकारी थी गौरतलब है कि जिस तरह अमेरिका ने विदेशी धरती पर आतंकी ओसामा बिन लादेन का खात्मा एक सोची समझी रणनीति के तहत किया था, भारत ने भी 'ऑपरेशन सिंदूर' का उसी ढंग से अंजाम दिया है

रजनीश कपूर

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले ने पूरे भारत को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोगों की जान चली गई, जबकि 17 अन्य घायल हुए। आतंकियों ने पर्यटकों से उनकी धार्मिक पहचान पूछकर निशाना बनाया, जिससे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई। भारत ने इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों, जैसे लश्कर-ए-तैयबा और द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), पर डाली। इस बर्बर घटना के जवाब में भारत ने 6-7 मई 2025 की आधी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को एक बार फिर दुनिया के सामने स्पष्ट कर दिया। विपक्षी पार्टियों समेत पूरे विश्व की निगाहें भारतीय सरकार पर थीं कि वो इस आतंकी हमले का कब और क्या जवाब देंगे? 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना का एक संयुक्त अभियान था, जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की देखरेख में अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए। ये हमले बहावलपुर, कोटली, मुजफ्फराबाद, मुरिदके और कराची जैसे क्षेत्रों में किए गए, जहां जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के ठिकाने थे। भारतीय सेना ने 24 मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जिसमें ब्रह्मोस और स्कैल्प मिसाइलें शामिल थीं, और करीब 70 से 100 आतंकियों को मार गिराया गया।

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह ऑपरेशन पूरी तरह से आतंकी ढांचों को नष्ट करने के उद्देश्य से था, और इसमें किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। भारत ने लक्ष्य चयन और हमले के तरीकों में अत्यधिक संयम बरता, ताकि तनाव को बढ़ाने से बचा जा सके। बीते मंगलवार को यह हमला रात 1:44 बजे शुरू हुआ और भारतीय सुखोई-30 और राफेल फाइटर जेट ने प्रिसिजन स्ट्राइक वेपंस और लॉइटरिंग म्यूनिशन का इस्तेमाल किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम अपने आप में एक शक्तिशाली सांस्कृतिक और भावनात्मक संदेश देता है। पहलगाम हमले में कई नवविवाहित जोड़ों की जान गई, जिससे कई महिलाओं का सुहाग उजड़ गया।

भारतीय संस्कृति में सिंदूर विवाहित महिलाओं के लिए पति की लंबी उम्र और सौभाग्य का प्रतीक है। इस हमले ने न केवल निर्दोष लोगों की जान ली, बल्कि कई परिवारों को भावनात्मक रूप से तोड़ दिया। इसलिए, इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' रखकर भारत ने न केवल पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी, बल्कि यह भी संदेश दिया कि अब हर सुहाग को महफूज रखा जाएगा। इस नाम का सुझाव खुद पीएम मोदी ने दिया था, जो इस ऑपरेशन के प्रतीकात्मक महत्व को दर्शाता है। वहीं पाकिस्तान ने इस हमले को अपनी संप्रभुता पर हमला करार दिया और इसे 'कायराना' बताया। पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान अपने चुने हुए समय और स्थान पर इसका जवाब देगा। पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया कि हमले में एक बच्चे की मौत हुई और दो लोग घायल हुए, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया कि केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस हमले की निंदा की और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी। भारत सरकार ने सभी सीमावर्ती राज्यों में 'मॉक ड्रिल' की शुरुआत कर दी है। इससे आम जनता को आपात स्थिति के लिए तैयार किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, भारत ने अपनी कार्रवाई को जिम्मेदार और नियंत्रित बताया। भारत ने स्पष्ट किया कि यह आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई थी, न कि पाकिस्तान के साथ युद्ध की शुरुआत। उल्लेखनीय है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने त्वरित कदम उठाए, जिसे पाकिस्तान ने 'युद्ध की कार्रवाई' करार दिया।

केवल 15 दिनों में भारत ने खुफिया जानकारी एकत्र की और 'ऑपरेशन सिंदूर' की रणनीति तैयार की। 6 मई की देर रात, जब पाकिस्तान सो रहा था, भारत ने ऑपरेशन शुरू किया। यह हमला इतना गोपनीय था कि केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही इसकी जानकारी थी। गौरतलब है कि जिस तरह अमरीका ने विदेशी धरती पर आतंकी ओसामा बिन लादेन का खात्मा एक सोची समझी रणनीति के तहत किया था, भारत ने भी 'ऑपरेशन सिंदूर' को उसी ढंग से अंजाम दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को देश भर में व्यापक समर्थन मिला। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस कार्रवाई की सराहना की। सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे नारे ट्रेंड करने लगे। यह ऑपरेशन पहलगाम हमले का सटीक जवाब था, जिसने आतंकी नेटवर्क को करारा झटका दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' न केवल एक सैन्य कार्रवाई थी, बल्कि यह भारत की आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ प्रतिबद्धता और रणनीतिक ताकत का प्रतीक था। इसने दुनिया को दिखाया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह ऑपरेशन उन मासूमों के खून का बदला था, जिन्होंने पहलगाम में अपनी जान गंवाई। साथ ही, यह एक चेतावनी भी थी कि भारत आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। उम्मीद है कि जो भी राष्ट्र आतंकियों को पनाह देते हैं उन सभी के लिए यह ऑपरेशन एक कड़ा संदेश देगा।

दयाभाव की जीवित प्रतिमूर्ति थे महात्मा बुद्ध...

महात्मा बुद्ध: हर प्राणी के लिए दया का व्रत

श्वेता गोयल

माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोध वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था

हर साल वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 12 मई को मनाई जा रही है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया।

सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दु:ख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दु:ख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा कि 'यह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है?' सारथी ने बताया कि यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दु:खों का सामना करना ही पड़ता है।

आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दु:ख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है। सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दु:खी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे।

सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। 'तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को 'महात्मा बुद्ध' कहा गया। महात्मा बुद्ध मन की साधना को ही सबसे बड़ी साधना मानते थे। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए।

आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिरोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

आतंक के गढ़ में भारत का निर्णायक प्रहार...

योगेश कुमार गोयल

ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओ.के) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी।

बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही।

बच्चों के लिए एंटीबायोटिक का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

आजकल बच्चों को मामूली सी बीमारी में एंटीबायोटिक खिलाना आम बात हो गई है। हालांकि यह चिंता की बात नहीं है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि एंटीबायोटिक दवाओं का अधिक इस्तेमाल या फिर बिना सोच-समझकर देना बच्चों की सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। भले ही एंटीबायोटिक दवा बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण हो ठीक करती हैं, लेकिन अगर आप बार-बार या फिर गलत तरीके से इसे देते हैं, तो इसका आपके शरीर पर उल्टा असर हो सकता है।

एंटीबायोटिक दवाएं...

जब बच्चे को बार-बार एंटीबायोटिक दी जाती है, तो कुछ बैक्टीरिया इन एंटीबायोटिक से लड़ना सीख जाते हैं। इससे यह दवा काम नहीं करती है और मामूली संक्रमण भी खतरनाक बन जाते हैं।

कम हो जाती है ताकत...

अगर हर बार बच्चे को दवा दी जाती है, तो शरीर को बीमारी से खुद लड़ने का मौका नहीं मिल पाता है। इससे भी बच्चे का इम्यूनिटी सिस्टम कमजोर हो जाता है। इससे बार-बार वह बीमार पड़ने लगते हैं।

खराब पाचन...

एंटीबायोटिक दवा सिर्फ बुरे बैक्टीरिया ही नहीं बल्कि अच्छे बैक्टीरिया को भी मार देती है। इसमें वह बैक्टीरिया भी होते हैं, जो पेट को सही रखने में मदद करते हैं। इससे पेट दर्द, अपच और गैस की समस्या हो सकती है।

एलर्जी का खतरा...

कुछ बच्चों को एंटीबायोटिक देने से खुजली, रैश या फिर सांस लेने में परेशानी जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि उनको एंटीबायोटिक न दें और अगर दे रहे हैं, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

वायरल बीमारी...

सर्दी-जुकाम या फ्लू जैसे वायरल संक्रमण होने पर एंटीबायोटिक काम नहीं करती है। अगर एंटीबायोटिक दी भी जाती है, तो वह सिर्फ नुकसान करती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप बच्चे को दवा न दें।

पेट दर्द जैसे साइड इफेक्ट्स...

दवा के कारण बच्चों को उल्टी, मतली, पेट दर्द या फिर चकत्ते जैसे दुष्प्रभाव हो सकते हैं। हालांकि कुछ मामलों में यह लक्षण हल्के होते हैं और खुद से ठीक हो जाते हैं। लेकिन अगर यह लक्षण अधिक बढ़ जाते हैं, तो बच्चे को परेशानी होती है। ऐसी स्थिति में फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत-पाक का सीजफायर देख पुतिन का मन पिघला

यूक्रेन से बातचीत को बढ़ाया हाथ

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत का आह्वान किया। पुतिन ने रविवार को कहा कि हम गंभीर बातचीत चाहते हैं। संघर्ष के मूल कारणों को दूर करने और एक स्थाई, मजबूत शांति की ओर बढ़ने के लिए। यह बयां यूरोपीय नेताओं में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन के यूक्रेन का दौरा करने और रूस से बिना शर्त 30-दिवसीय युद्धविराम पर सहमत होने का आग्रह करने के कुछ घंटों बाद आया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने जवाब में कहा था कि मास्को को इस पर विचार करना होगा, लेकिन चेतावनी दी, हम पर दबाव डालने की कोशिश करना बिल्कुल बेकार है। पुतिन ने कहा कि वह इस संभावना से इनकार नहीं करेंगे की वार्ता के परिणामस्वरूप रूस और यूक्रेन नए युद्धविराम, एक नए युद्धविराम पर सहमत हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के नेता ने कहा कि वह रविवार को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से बात करेंगे और विवरण पर चर्चा करेंगे। यूरापीय नेताओं ने यूक्रेन का दौरा किया और एक महीने के युद्धविराम का आह्वान किया। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और पोलैंड के नेता तथाकथित इच्छुक गठबंधन का हिस्सा थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की द्वारा मेजबानी की गई और इन देशों के नेताओं ने यात्रा के दौरान एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पुतिन बिना शर्त 30-दिवसीय युद्ध विराम पर सहमत नहीं होते हैं, तो रूस के ऊर्जा और बैंकिग क्षेत्रों पर नए एवं बड़े पैमाने पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

बहरीन ने की सीरिया के साथ सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

मनामा। बहरीन ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सीरिया के साथ चर्चा की है। यह जानकारी विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल ज़ायनी ने शनिवार को सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के बहरीन के दौरे के दौरान दी।

सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी के साथ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अल जायनी ने कहा कि बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा ने अल-शरा के साथ व्यापक बातचीत की, जिसमें दोनों देशों के बीच गहरे भाईचारे के संबंधों पर बातचीत हुई। चर्चा व्यापार, नागरिक उड्डयन, ऊर्जा, स्वास्थ्य और शिक्षा सहित क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित थी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने सीरिया में नवीनतम घटनाक्रमों की भी समीक्षा की, जिसमें सुरक्षा, स्थिरता और सामाजिक एकता को बनाए रखने के राष्ट्रीय प्रयास शामिल हैं।

हसीना विरोधी प्रदर्शनकारियों को संयम बरतने की दी सलाह

ढाका में हसीना विरोधी प्रदर्शनकारियों को संयम बरतने के लिए कहा गया, सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए बैरिकेड्स।

पांच बांग्लादेशी नागरिकों को 12 दिन की जेल

अगरतला। त्रिपुरा के उनोकोटी जिले के कैलाशहर की एक स्थानीय अदालत ने शनिवार को पांच बंगादेशी नागरिकों को बिना वैध दस्तावेजों के अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार करने के आरोप में 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार रात देपाछरा गांव से एक वर्षीय बच्चे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान, उन्होंने जिले के पेचारथल थाना क्षेत्र के मचमारा में रहने वाले दो अन्य लोगों के ठिकाने का खुलासा किया। आरोपियों को उन दो स्थानों पर ले गई, जहां बंगलादेशी नागरिक छिपे हुए थे और पता चला कि सभी पांच बंगलादेश मौलवीबाजार जिले के निवासी हैं और उनका भारतीय घरवालों से संबंध है।

आस्ट्रेलिया में एक टन कोकीन के साथ पांच लोग गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने देश के पूर्वी तट पर एक नाव पर एक टन से अधिक कोकीन के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने रविवार को एक संयुक्त मीडिया विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

विज्ञप्ति के अनुसार एनएसडब्ल्यू पुलिस बल और एएफपी अधिकारियों ने शुक्रवार की सुबह उत्तरी एनएसडब्ल्यू में नम्बुका हेड्स के तट से लगभग नौ समुद्री मील दूर जहाज को रोका। नाव पर कोकीन के लगभग 1,110 ब्लॉक पाए गए, जिनका वजन 1,039 किलोग्राम था और बाजार मूल्य 6234 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 3997 लाख अमेरिकी डॉलर) है। इस सिलसिले में 24 और 26 वर्ष की आयु के दो लोगों को नाव पर गिरफ्तार किया गया और किनारे पर ले जाया गया। उसी समय, 28, 29 और 35 वर्ष की आयु के तीन अन्य लोगों को तट पर गिरफ्तार किया गया। नाव पर सवार दो लोगों पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति करने और एक आपराधिक समूह में भाग लेने का आरोप लगाया गया है। अन्य तीन लोगों पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति करने और एक आपराधिक समूह में भाग लेने का आरोप लगाया गया है। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा कि उसने 28 अप्रैल को दक्षिणी सिडनी में बड़ी मात्रा में नकदी के साथ 13 मीटर की नाव की ष्संदिग्धष खरीद के संबंध में खुफिया जानकारी प्राप्त करने के बाद जांच शुरू की। एएफपी के सहायक आयुक्त स्टीफन डेमेटो ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की विशाल तटरेखा संगठित अपराध समूहों के लिए आकर्षक है, लेकिन तस्करी के तरीके का उपयोग करने वाले अपराधी अपनी स्वतंत्रता और अपने जीवन दोनों को जोखिम में डालते हैं।

खत्म होगी हसीना की अवामी लीग की मान्यता

बांग्लादेश के चुनाव आयोग को अंतरिम सरकार की औपचारिक अधिसूचना का इंतजार

ढाका। बांग्लादेश के चुनाव आयोग (ईसी) ने रविवार को कहा कि वह पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के पंजीकरण को रद्द करने पर फैसला लेने से पहले सरकार की अधिसूचना का इंतजार कर रहा रहा है। यह कदम तब उठाया जा रहा है, जब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ए.एम.एम. नासिर उद्दीन ने पत्रकारों से कहा, अगर सरकारी अधिसूचना सोमवार को प्रकाशित होती है, तो हम बैठक कर अवामी लीग की मान्यता के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। बांग्लादेश के कानून के अनुसार, अगर चुनाव आयोग अवामी लीग का पंजीकरण रद्द कर दिया जाता है, तो यह पार्टी आगामी आम चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएगी। अगले आम चुनाव दिसम्बर 2025 से जून 2026 के बीच होने की संभावना है। अंतरिम सरकार की कैबिनेट (सलाहकार परिषद) ने शनिवार रात आतंकवाद विरोधी कानून के तहत अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा। इनमें आनलाइन गतिविधियां भी शामिल हैं। यूनुस के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना अगले कार्यदिवस द्धसोमवारत्र को जारी की जाएगी। बयान में कहा गया, यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा, जब तक बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में अवामी लीग और उसके नेताओं पर मुकदमा पूरा नहीं हो जाता। बयान में इसका मकसद देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा बताया गया है।

शेख हसीना को पीएम बताने पर स्थानीय मीडिया हाउस के कार्यालय में आग लगाई

खुलना। बंगलादेश में श्रीमती शेख हसीना को प्रधानमंत्री बताने पर स्थानीय मीडिया हाउस के कार्यालय में आग लगा दी गई है। खुलना में डेली देश शोंगजोग नामक एक स्थानीय मीडिया प्रकाशन के कार्यालय में हसीना को प्रधानमंत्री बताने पर आग लगा दी गई। आगजनी के इस हमले के अपराधियों का पता नहीं चल पाया है। डेली ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के अनुसार मुंशी महबूबुल आलम सोहाग अखबार के संपादक हैं। वह अवामी लीग की खुलना महानगर इकाई के कार्यालय सचिव के रूप में भी काम करते हैं।

अपने परमाणु अधिकारों से पीछे नहीं हटेगा ईरानः अब्बास अराघची

दोहा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रहे विवाद के बीच अपना रुख पूरी तरह से साफ कर दिया है। उन्होंने अमेरिका को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अगर अमेरिका का मकसद ईरान को उसके परमाणु अधिकारों से वंचित करना है, तो ईरान कभी पीछे नहीं हटेगा। बता दें कि यह बयान उन्होंने कतर की राजधानी दोहा में दिया, जहां ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में होने वाली अगली परमाणु वार्ता से एक दिन पहले वे पत्रकारों से बात कर रहे थे। अराघची ने साफ कहा कि अगर बातचीत का उद्देश्य ईरान के परमाणु अधिकार छीनना है, तो हम बिल्कुल भी पीछे नहीं हटेंगे। अमेरिका और इस्राइल परमाणु समझौते को लेकर लगातार ईरान को धमकी देता रहा है। हालांकि ईरान ने हमेशा कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों के लिए है, न कि हथियार बनाने के लिए। इसको लेकर अराघची ने कहा कि हम अमेरिका से सीधी बातचीत नहीं कर रहे हैं, लेकिन अपने अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। अगर बातचीत का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, तो समझौता संभव है। लेकिन अगर हमारा अधिकार छीनने की कोशिश हुई, तो हम कभी नहीं मानेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकाफ ने शुक्रवार को कहा था कि ईरान के नवाचार केंद्रों को पूरी तरह खत्म करना होगा, तभी कोई समझौता संभव है। गौरतलब है कि ट्रंप ने अमेरिका को 2015 में हुए परमाणु समझौते से अलग कर लिया था और धमकी दी थी कि अगर नया समझौता नहीं हुआ, तो ईरान पर सैन्य हमला किया जा सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद के कारण पर प्रकाश डाले तो अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करे, क्योंकि उसे शक है कि इसका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। दूसरी ओर ईरान का कहना है कि उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन का अधिकार है। लेकिन वह मानता है कि उसकी अर्थव्यवस्था पर लगे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाने के लिए वह कुछ समझौते करने को तैयार है।

पाक पीएम ने मददगार मुल्कों को कहा शुक्रिया

भारत ने पहले हमला कियाः शहबाज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय समय के मुताबिक शनिवार देर रात फिर झूठा दावा किया। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान पर पहले हमला किया। शहबाज ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने भारत के खिलाफ साथ देने के लिए सऊदी अरब, तुर्किए और चीन को भी धन्यवाद दिया।

हम दुश्मन पर फिर से भारी पड़े हैं। मैं असीम मुनीर (पाकिस्तान आर्मी चीफ) समेत सभी अफसरों को सलाम पेश करता हूं। हमें आप पर नाज है। हम इस जंग को अंजाम तक पहुंचाकर दम लेंगे। पाकिस्तान की इज्जत के लिए फौज और अवाम दोनों काबिल हैं। हम लश्कर बनकर दुश्मन का मुकाबला करेंगे और दुश्मन को शिकस्त देंगे। हम आपके जज्बे को सलाम पेश करते हैं, क्योंकि आप (सेना) सच्चाई के लिए लड़ रहे हैं। भारत बेशक 100 प्रतिशत एकतरफा फैसले कर ले मगर उससे हकीकत नहीं बदलेगी। दहशतगर्दी से सबसे ज्यादा परेशान मुल्क पाकिस्तान है।

हमने दहशतगर्दी के खिलाफ जंग में 90 हजार लोगों को गंवाया। 152 अरब डालर का नुकसान बर्दाश्त किया है। पहलगाम हमले की आड़ में पाकिस्तान पर हमला बेबुनियाद है। अमन पसंद मुल्क के तौर पर पाकिस्तान ने पहलगाम वाकए की जांच की पेशकश की थी, लेकिन भारत ने कानून न मानते हुए गलत रास्ता अख्तियार किया। जम्मू-कश्मीर एक मुसलमा तनाजा था, है और उस वक्त तक रहेगा, जब तक कश्मीरी भाइयों को उनका हक नहीं मिल जाता।

दुश्मनों ने निहत्थे लोगों पर हमला कर खुद को ताकतवर समझा, लेकिन पाकिस्तान मुंहतोड़ जवाब देना जानता है।

हम अपनी सेना की दिलेरी को सलाम करते हैं, जिन्होंने भारत को जवाब दिया है। पाकिस्तानी वायु सेना ने अपने सरहद के भीतर रहते हुए दुश्मनों के जहाजों के परखच्चे उड़ा दिए।

पाक एयरफोर्स दुनिया में सबसे बेहतरः बुखारी

इस्लामाबाद। पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने पाकिस्तानी एयर फोर्स की तारीफ की है। उन्होंने डेली टाइम्स से कहा कि पाकिस्तानी एयरफोर्स की कामयाबी ने भारत को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने दिखा दिया कि पाकिस्तान की एयरफोर्स दुनिया की सर्वश्रेष्ठ वायुसेना में से एक है। इनकी वजह से ही भारत को अपने घुटने टेकने पड़े। विदेशों में रह रहे पाकिस्तानी प्रवासियों ने भी पाकिस्तानी एयरफोर्स की तारीफ की है। लंदन में रहने वाले पाकिस्तानी हसन डार ने पीटीवी न्यूज से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तानी एयरफोर्स की सफलता ऐतिहासिक है। इनके किस्से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी। ब्रिटेन में रहने वाले एक शख्स ने पाकिस्तानी सेना की तारीफ की और आर्मी चीफ को पाकिस्तानी सिपाही सलार यानी सैनिकों का नेता बताया।

घुसपैठ रोकने को भारत-नेपाल हुए एकजुट

काठमांडू/नई दिल्ली। नेपाल और भारत के सुरक्षा बलों ने बर्दिया और भारत के बीच 83 किलोमीटर खुले सीमा क्षेत्र के 20 बिदुओं पर निगरानी बढ़ा दी है ताकि घुसपैठ रोकी जा सके।

इस क्षेत्र का अधिकतर हिस्सा भारत के कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य और घने वन क्षेत्रों से सटा हुआ है, जिन्हें उच्च जोखिम वाले क्षेत्र माना जाता है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बर्दिया की मुख्य जिला अधिकारी रुद्रदेवी शर्मा ने कहा कि नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ), नेपाल पुलिस और भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ओर से नो-मैन्स-लैंड में संयुक्त गश्त की जा रही है। गणेशपुर-लौकही कॉरिडोर को बर्दिया जिला प्रशासन कार्यालय ने उच्च जोखिम वाला क्षेत्र बताया है। सुरक्षा कड़ी करने के लिए वहां प्रवेश पर सख्त नियम लागू किए गए हैं, जिनके तहत लोगों को चेकपॉइंट्स पर अपनी पहचान दर्ज करानी होगी। यह कदम आपराधिक गतिविधियों जैसे अवैध सीमा पार आवागमन, फरारी अपराधी, मादक पदार्थों और मानव तस्करी जैसी चिताओं के चलते उठाया गया है, जो स्थानीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। यह क्षेत्र सीमावर्ती और निगरानी की कमजोर व्यवस्था के कारण सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ है।

अब सख्त निगरानी और संयुक्त प्रयासों के जरिए रणनीतिक प्रवेश बिंदुओं पर नियंत्रण तथा सीमा पार अपराधों को रोकने की कोशिश की जा रही है। अब सीमा पार करने वाले लोगों को यात्रा का उद्देश्य, गंतव्य, वापसी की तारीख और मिलने वाले व्यक्ति की जानकारी देना अनिवार्य कर दिया गया है। वैध पहचान पत्र भी जरूरी है। यह सख्ती हाल ही में पहलगाम, कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाक तनाव बढ़ने के चलते की गई है। कड़ी सुरक्षा और बढ़ती सतर्कता के कारण लौकही और बलैगांव जैसे भारतीय सीमावर्ती शहरों में नेपाली नागरिकों की आवाजाही में कमी देखी गई है।

विदेश मंत्रालय नेपाली नागरिकों के संपर्क में

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान और भारत में पढ़ रहे छात्रों के साथ नियमित संपर्क में है। मंत्रालय ने एक बयान में रविवार को कहा कि सरकार हाल के घटनाक्रम से पूरी तरह अवगत है और पाकिस्तान में नेपाली नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है।

पाकिस्तान में नेपाली दूतावास छात्रों और नेपाली नागरिकों के साथ नियमित संपर्क में है। नेपाल समाचार ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मंत्रालय ने नेपाली छात्रों और उनके माता-पिता से आग्रह किया कि वे कोई भी तात्कालिक सहायता के लिए इस्लामाबाद में नेपाली दूतावास से संपर्क करें। इसी प्रकार, भारत स्थित नेपाली दूतावास ने नेपालियों से आपातकालीन स्थिति में सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं के निकटतम स्थान की पहचान कर सतर्क एवं सुरक्षित रहने का आग्रह किया है। पाकिस्तान में पढ़ रहे कुछ नेपाली छात्रों ने सरकार से उन्हें निकालने की गुहार लगाई है। काठमांडू पोस्ट ने कहा पाकिस्तान स्थित नेपाली दूतावास के अनुसार, वहां मौजूद लगभग 100 नेपाली छात्र सुरक्षित हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सांसद सुमना श्रेष्ठ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक छात्र का ईमेल साझा किया, जिसमें तनाव की स्थिति का वर्णन किया गया है। ईमेल के आधार पर श्रेष्ठ ने विदेश मंत्री आरज़ू राणा देउबा को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान में नेपाली छात्रों की स्थिति का वर्णन किया।

कार्रवाईः केकड़े रखने में चीन के तीन नागरिक गिरफ्तार

टोक्यो। जापान की पुलिस ने भारी संख्या में केकड़े रखने के आरोप में चीन के तीन नागरिकों को गिरफ्तार किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार तीन संदिग्धों, लियाओ झिबिन, सोंग झेनहाओ और गुओ जियावेई को बुधवार को अमामी द्वीप पर 160 किलोग्राम (353 पाउंड) जीवित केकड़े रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, अमामी ओशिमा द्वीप के एक शहर अमामी में एक होटल कर्मचारी ने पर्यावरण अधिकारियों को सूचित किया, जब उसने कई सूटकेसों में कुछ संदिग्ध देखा, जिस पर तीनों व्यक्तियों ने होटल के कर्मचारियों से नजर रखने को कहा था। यहां की एक पुलिस अधिकारी ने सीएनएन को बताया, उन्होंने एक सूटकेस से सरसराहट की आवाज सुनी, जिसे भंडारण में रखा जा रहा था। पुलिस के अनुसार अधिकारी बाद में होटल पहुंचे और सर्पिल-खोल वाले हर्मिट केकड़े छह सूटकेसों में भरे हुए पाए। क्योडो न्यूज के अनुसार, बुधवार को होटल में बिना अनुमति के केकड़े रखने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

लंका में सड़क हादसे में 11 की मौत, 25 घायल

कोलंबो। लंका के मध्य प्रांत में स्थित कोटमाले में रविवार सुबह बस दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए क्षेत्रीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और दुर्घटना के कारणों का अभी पता नही चल पाया है। पुलिस ने पहले बताया था कि दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए। लंका में सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।